शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 12 | अंक : 286 | गुवाहाटी | शनिवार, 23 मई, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

स्मार्ट बॉर्डर परियोजना से भारत-बांग्लादेश और पाकिस्तान सीमा होगी... पेज 2
असम विधानसभा की हाई टी में अब पारंपरिक असमिया स्वाद होंगे शामिल पेज 3
पंजाब निकाय चुनावों में बैलेट पेपर से मतदान पर रोक लगाने से हाई कोर्ट ... पेज 5
क्रिस्टियानो रोनाल्डो के दो गोल से अल-नस्त्र बना सऊदी प्रो लीग चैंपियन पेज 7

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

लालगणेश में नवनिर्मित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी फ्लाईओवर का उद्घाटन

ग्रुपिंग के खिलाफ डॉ. मुखर्जी के रुख को इतिहास हमेशा याद रखेगा : सीएम

गुवाहाटी। असम के परिवहन इंफ्रास्ट्रक्चर में एक और मील का पत्थर जोड़ते हुए, मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आज गुवाहाटी के लालगणेश में नवनिर्मित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी फ्लाईओवर का औपचारिक उद्घाटन किया। यह फ्लाईओवर 30 महीने की निर्धारित समय सीमा के मुकाबले सिर्फ 26 महीनों में 376 करोड़ रुपये की लागत से पूरा किया गया है। दूसरी बार मुख्यमंत्री का पदभार संभालने के बाद अपने पहले सार्वजनिक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, डॉ. शर्मा ने कहा कि गुवाहाटी-गरभंगा रोड पर साइकिल फैक्ट्री जंक्शन से लालगणेश तक निर्मित और प्रख्यात शिक्षाविद व दूरदर्शी राजनेता डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नाम पर रखा गया यह फ्लाईओवर, सरकार के दूसरे कार्यकाल में उद्घाटन किया जाने वाला पहला फ्लाईओवर है। उन्होंने कहा कि यह दिन राज्य सरकार के उस मिशन में एक मील के पत्थर के रूप में हमेशा याद रखा जाएगा, जिसका उद्देश्य असम को विकास के एक अबाध मार्ग पर आगे बढ़ाना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने इस फ्लाईओवर परियोजना की परिकल्पना इस उद्देश्य के साथ की थी कि गुवाहाटी के ट्रैफिक प्रबंधन को अधिक गतिशील, अनुशासित और आधुनिक बनाया जा सके। साइकिल फैक्ट्री से लालगणेश तक फैला यह प्रमुख फ्लाईओवर प्रोजेक्ट, शहर के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से में कनेक्टिविटी में काफी सुधार लाने की उम्मीद है। लगभग 2.8 किलोमीटर लंबे इस फ्लाईओवर का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इसके उद्घाटन के साथ ही, अब आर्य नगर से राष्ट्रीय राजमार्ग 27 के लखरा खंड तक वाहनों की आवाजाही निर्बाध और तेज हो जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि चिकित्सा उपचार, शिक्षा और रोजगार के लिए यात्रा करने वाले लोगों सहित, प्रतिदिन आवागमन करने वाले हजारों यात्रियों को इस परियोजना से बहुत लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि डॉ. बी. बरूआ कैंसर संस्थान, प्रागज्योतिषपुर मेडिकल कॉलेज और राष्ट्रीय राजमार्ग के पास स्थित कई अन्य अस्पतालों जैसे चिकित्सा संस्थानों में जाने वाले मरीजों को इस फ्लाईओवर के माध्यम से यात्रा करना अधिक सुविधाजनक लगेगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह फ्लाईओवर बेतकुची में निर्माणाधीन एकीकृत निदेशालय परिसर के साथ-साथ बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम तक भी सुगम पहुंच प्रदान करेगा। मुख्य तीन-लेन वाले फ्लाईओवर के अलावा, फ्लाईओवर के दोनों ओर 6 मीटर चौड़ी सर्विस रोड और 2 मीटर चौड़ी आरसीसी नालियां, गुवाहाटी-गरभंगा रोड पर स्थानीय ट्रैफिक को सुचारू बनाने और भीड़ कम करने में मदद करेंगी, साथ ही पानी के निर्बाध बहाव को भी सुनिश्चित करेंगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस प्रोजेक्ट के तहत, भविष्य में बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम की ओर जाने वाली 320 मीटर लंबी एक कनेक्टिंग सड़क भी बनाई जाएगी, जिससे फ्लाईओवर के रास्ते सीधे स्टेडियम तक पहुंचा जा सकेगा। इसी तरह, भविष्य में ट्रैफिक के दबाव को संभालने में मदद के लिए, साइकिल फैक्ट्री की तरफ 330 मीटर लंबी एक बीच की सड़क बनाने का भी प्रावधान रखा गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह नया बना फ्लाईओवर महान राष्ट्रवादी नेता डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को समर्पित किया गया है, जिन्होंने *एक राष्ट्र, एक झंडा, एक संविधान* के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया था। डॉ. मुखर्जी और उनके पिता सर आशुतोष मुखर्जी के असम के साथ गहरे जुड़ाव का जिक्र करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि सर आशुतोष मुखर्जी ने कलकत्ता विश्वविद्यालय के तहत उच्च शिक्षा में असमिया भाषा की पढ़ाई शुरू करने में अहम भूमिका निभाई थी। 1918 में तत्कालीन कॉटन कॉलेज के अपने दौरे के दौरान, सर आशुतोष मुखर्जी ने हेमचंद्र गोस्वामी को असमिया साहित्य के प्राचीन और मध्यकालीन दौर की साहित्यिक रचनाओं को संकलित करने के लिए प्रोत्साहित किया था, और 1919 में उन्होंने सत्यनाथ बोरा के बेटे अंबिकानाथ बोरा को कलकत्ता विश्वविद्यालय में नियुक्त किया था। मुख्यमंत्री ने आगे बताया कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पहल पर, जो बाद में कलकत्ता विश्वविद्यालय के कुलपति बने, स्कूली शिक्षा -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

निर्धनता प्रकट करना निर्धन होने से अधिक दुखदायी होता है।
-प्रेमचंद

न्यूज गैलरी

रास की 26 सीटों के लिए चुनाव 18 जून को

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने राज्यसभा चुनाव के तारीखों का एलान कर दिया है। आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार, राज्यसभा की 26 सीटों के लिए आगामी 18 जून को मतदान होगा और इसी दिन मतगणना भी होगी। चुनाव आयोग के नोटिफिकेशन के मुताबिक, एक जून को नोटिफिकेशन जारी होगा। इसके बाद 9 जून -शेष पृष्ठ दो पर

बाघ के हमले में चार महिलाओं की मौत

चंद्रपुर (हि.स.)। महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले के सिंदेवाही तालुका के गुंजेवाही इलाके में शुक्रवार को तेंदू पत्ता संग्रह के लिए जंगल गई महिलाओं पर बाघ ने हमला कर दिया। इस भीषण हमले में 4 महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई, जिससे पूरे इलाके में भय और तनाव का माहौल बन गया है। तेंदू पत्ता सीजन के दौरान जंगल में काम करने वाले लोगों की सुरक्षा का मुद्दा एक बार फिर गंभीर हो गया है। आधिकारिक जानकारी के अनुसा, गर्मी के मौसम में -शेष पृष्ठ दो पर

15वें वित्त आयोग की अवधि (2022-26)

असम के लिए 955.57 करोड़ का निवेश

गुवाहाटी। पूर्वोत्तर परिषद (एनईसी) ने 15वें वित्त आयोग की अवधि के दौरान बुनियादी ढांचे, शिक्षा, संस्कृति, खेल, स्वास्थ्य सेवा, कनेक्टिविटी और सामाजिक कल्याण में लगातार निवेश के माध्यम से असम में अपनी विकासात्मक भागीदारी को मजबूत किया है। पूर्वोत्तर में सबसे अधिक आबादी वाला और आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण राज्य होने के नाते, असम को एनईसी की योजनाओं (एसओएनईसी) और एनईएसआईडीएस सड़क कार्यक्रमों के तहत कुल खर्च प्राप्त हुआ, जिसमें 15वें वित्त आयोग की अवधि के दौरान कुल खर्च 955.57 करोड़ तक पहुंच गया। एसओएनईसी के तहत, असम ने 15वें वित्त आयोग के चक्र के दौरान महत्वपूर्ण विकासात्मक प्रगति दर्ज की, जिसमें 214.86 करोड़ का खर्च शैक्षिक संस्थानों, छात्रावासों, नर्सिंग और विज्ञान सुविधाओं, खेल बुनियादी ढांचे, पर्यटन परियोजनाओं, सांस्कृतिक केंद्रों और सामुदायिक विकास पहलों के विकास पर केंद्रित था। कृषि और संबद्ध क्षेत्रों पर भी विशेष जोर दिया गया, जिसमें चाय उत्पादकों, डेयरी विकास, मशरूम की खेती, रेशम और हथकरघा क्षेत्रों, बायो-इनपुट उत्पादन, वनीकरण और आजीविका-आधारित कौशल विकास कार्यक्रमों के लिए सहायता शामिल थी। एनईसी द्वारा वित्तपोषित परियोजनाओं ने संग्रहालयों, सांस्कृतिक परिसरों, स्मारकों और सामुदायिक संस्थानों के विकास के माध्यम से असम की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण को भी बढ़ावा दिया, जबकि पर्यटन बुनियादी ढांचा परियोजनाओं -शेष पृष्ठ दो पर

विपक्ष के हंगामे के बीच राज्यपाल ने पूरा अभिभाषण पढ़ा, शांति, स्थिरता और समग्र विकास पर दिया जोर

गुवाहाटी (हि.स.)। असम विधानसभा के प्रथम सत्र के दूसरे दिन शुक्रवार को सदन की कार्यवाही राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य के अभिभाषण के साथ शुरू हुई। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 176(1) के तहत दिए गए अपने संबोधन में राज्यपाल ने राज्य में शांति एवं स्थिरता, आर्थिक विकास, अवैध घुसपैठ रोकने तथा भाषाई और सांस्कृतिक पहचान की सुरक्षा के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। हालांकि अभिभाषण के दौरान सदन में विपक्ष के जोरदार हंगामे के कारण माहौल काफी तनावपूर्ण बना रहा। राज्यपाल के संबोधन के दौरान विपक्षी दलों के विधायक हाथों में प्लेकार्ड लेकर सदन में नारेबाजी करते नजर आए। अभिभाषण शुरू होने के कुछ ही देर बाद कांग्रेस पार्टी के विधायकों ने महंगाई और आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमतों के मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। कांग्रेस सदस्यों ने आरोप लगाया कि केंद्र और राज्य सरकार महंगाई पर नियंत्रण करने में विफल रही है। विरोध कर रहे विधायक अध्यक्ष और राज्यपाल के आसन के सामने पहुंचकर नारे लगाने लगे, जिससे सदन में तीखी नोकझोंक की स्थिति उत्पन्न हो गई। भारी शोर-शराबे और विरोध के बावजूद राज्यपाल ने अपना पूरा अभिभाषण जारी रखा और निर्धारित संबोधन पूरा किया। अभिभाषण समाप्त होने के बाद कांग्रेस विधायकों ने विरोधस्वरूप सदन से वॉकआउट कर दिया। वहीं विधायक अखिल गोगोई ने भी लगातार हस्तक्षेप करते हुए कहा कि राज्यपाल के भाषण में असम की -शेष पृष्ठ दो पर

नीट के भौतिक विज्ञान प्रश्न पत्रों के लीक मामले में एनटीए की विशेषज्ञ गिरफ्तार

नई दिल्ली (हि.स.)। सीबीआई ने नीट-यूजी 2026 परीक्षा के भौतिक विज्ञान के प्रश्न पत्रों के लीक के स्रोत के रूप में एक और प्रमुख आरोपित की पहचान की है। महाराष्ट्र के पुणे स्थित सेठ हीरालाल सर्राफ प्रशाला में कार्यरत मनीषा संजय हवलदार को सीबीआई ने गहन पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया गया है। वह नीट-यूजी 2026 परीक्षा प्रक्रिया में शामिल थीं और एनटीए की ओर से विशेषज्ञ के रूप में नियुक्त की गई थीं। उनके पास भौतिक विज्ञान के प्रश्न पत्रों तक पूरी पहुंच थी। सीबीआई के अनुसार अप्रैल 2026 के दौरान उन्होंने नीट-यूजी 2026 परीक्षा के भौतिक विज्ञान विषय से संबंधित कुछ प्रश्न -शेष पृष्ठ दो पर

पांच साल की उम्र के देवित शाह इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज किया अपना नाम

वलसाड़ (हि.स.)। गुजरात के वापी के छरवाड़ा रोड क्षेत्र में पांच वर्षीय देवित शाह ने मात्र 2 मिनट 30 सेकंड में 44.8 मीटर तैराकी कर अपना नाम इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज कराया है। देवित शाह के पिता भावुक शाह ने बताया कि बचपन से ही तैराकी में रुचि रखने वाले देवित ने नियमित अभ्यास और मेहनत से यह उपलब्धि हासिल की है। बेटा की इस उपलब्धि के बाद परिवार में खुशी का माहौल है, वहीं पूरे क्षेत्र में लोग देवित की सराहना कर रहे हैं।

बिजली सरप्लस वाले राज्यों में तेजी से अग्रसर है असम : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को कहा कि ऊर्जा अवसंरचना को मजबूत करने और विश्वसनीय बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से किए गए बड़े निवेशों के समर्थन से असम लगातार बिजली अधिशेष वाला राज्य बनने की ओर अग्रसर है। एक्स पर एक पोस्ट में मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य ने 2035 तक 14,202 करोड़ रुपए की ऊर्जा अवसंरचना की परिकल्पना तैयार की है और वर्तमान में 6,235 करोड़ रुपए की चार प्रमुख परियोजनाओं को कार्यान्वित कर रहा है। असम लगातार बिजली अधिशेष वाला राज्य बनने की ओर अग्रसर है। 14,202 करोड़ रुपए की ऊर्जा योजना और 6,235 करोड़ रुपए की परियोजनाओं के साथ, हम विकास को गति देने और अपने लोगों के लिए विश्वसनीय आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए अपने बिजली बुनियादी ढांचे को मजबूत कर रहे हैं, शर्मा ने कहा। अधिकारियों ने कहा कि राज्य सरकार शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ती बिजली की मांग -शेष पृष्ठ दो पर

पता लगाओ और निर्वासित करो नीति पर सख्त असम : सीएम

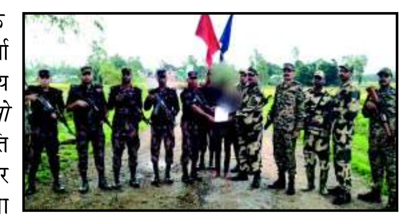

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने 22 मई को कहा कि राज्य सरकार अपनी *पता लगाओ और निर्वासित करो* नीति को पूरी तरह से लागू कर रही है, क्योंकि सुरक्षा एजेंसियों की सहायता से एक बांग्लादेशी नागरिक को, जिसने कथित तौर पर अवैध रूप से असम में प्रवेश किया था, निर्वासित कर दिया गया था। अधिकारियों के अनुसार, असम पुलिस ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के सहयोग से 15 मई को उस व्यक्ति को गिरफ्तार किया था। बाद में उसे बांग्लादेश सीमा रक्षक बल को सौंप दिया गया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस घटनाक्रम को साझा करते हुए -शेष पृष्ठ दो पर

मप्र की ऐतिहासिक भोजशाला में वर्षों बाद हुई महाआरती, वाग्देवी की प्रतिमा रखकर किया पूजन

धार (हि.स.)। मध्य प्रदेश के धार जिला मुख्यालय स्थित ऐतिहासिक भोजशाला में लंबे अंतराल के बाद शुक्रवार को हिंदू समाज को सूर्योदय से सूर्यास्त तक पूजा-अर्चना का अधिकार मिला है। सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु भोजशाला पहुंचे और मां वाग्देवी की पूजा-अर्चना की। उच्च न्यायालय के फैसले के बाद अब यहां जुमे की नमाज नहीं होगी। जिला प्रशासन ने भोजशाला में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। पूरे शहर को छावनी में तब्दील कर दिया गया है। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ ने भोजशाला विवाद में गत 15 मई को ऐतिहासिक फैसला सुनाया था। अदालत द्वारा भोजशाला को मंदिर घोषित किए जाने के बाद आज पहला शुक्रवार है। आज भोज उत्सव समिति ने परिसर में विशेष प्रतिमा स्थापित की है, जिसके दर्शन और पूजन के लिए लोग सुबह से ही पहुंच रहे हैं। भोजशाला में सुबह 9 बजे महाआरती हुई। इसके बाद दोपहर एक बजे पूजन-हवन के लिए भोजशाला परिसर के बाहर ज्योति मंदिर पर हिंदू संगठन के सदस्य इकट्ठा होने लगे। अधिकारियों ने इन्हें -शेष पृष्ठ दो पर

देशभर में गर्मी बनी जानलेवा, 300 से ज्यादा हीटस्ट्रोक के मामले, उत्तर भारत में हीटवेव अलर्ट

नई दिल्ली। देश में बढ़ती गर्मी के बीच हीटस्ट्रोक के मामलों में तेजी देखी जा रही है। दक्षिण भारत के आंध्र प्रदेश में मार्च से मई के बीच 300 से ज्यादा संदिग्ध हीटस्ट्रोक के मामले सामने आए हैं। राज्य स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, 1 मार्च से 19 मई तक कुल 325 संदिग्ध मामले दर्ज किए गए। इनमें से करीब एक-तिहाई मामले मई की शुरुआत के बाद सामने आए। हीटस्ट्रोक शरीर के जरूरत से ज्यादा गर्म हो जाने पर होने वाली गंभीर स्थिति है। इसमें चक्कर आना, उल्टी, भ्रम, बेहोशी, दौरे पड़ना और अंगों के काम करना बंद करने जैसी समस्याएं हो सकती हैं। समय पर इलाज नहीं मिलने पर यह जानलेवा भी साबित हो सकता है। आंध्र प्रदेश प्रशासन ने लोगों को सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक घर से बाहर निकलने से बचने की सलाह दी है। अधिकारियों का कहना है कि इस दौरान हीटवेव और अत्यधिक तापमान अपने चरम पर रहता है। भारतीय मौसम विभाग ने चेतावनी -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

स्मार्ट बॉर्डर परियोजना से भारत-बांग्लादेश और पाकिस्तान सीमा होगी अभेद्य : अमित शाह

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि सरकार भारत-बांग्लादेश और भारत-पाकिस्तान सीमा को अत्याधुनिक तकनीक से लैस *स्मार्ट बॉर्डर* में बदलने की दिशा में तेजी से काम कर रही है और अगले एक वर्ष के भीतर अभेद्य सीमा सुरक्षा ग्रिड तैयार कर लिया जाएगा। विज्ञान भवन में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) अलंकरण समारोह और रुस्तमजी स्मृति व्याख्यान को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि गृह मंत्रालय बहुत जल्द ड्रोन, रडार, आधुनिक कैमरों और अन्य तकनीकों से लैस स्मार्ट बॉर्डर परियोजना देश के सामने प्रस्तुत करेगा। शाह ने कहा कि दो महीने के अंदर ही मोदी सरकार बीएसएफ और सभी सीएपीएफ के जवानों के कल्याण के लिए एक बहुत बड़ा कार्यक्रम लाएगी। इसके बाद हमारे जवान सुनिश्चित होकर सीमाओं की सुरक्षा कर सकेंगे और उनके परिवारजनों की चिंता भारत सरकार का गृह मंत्रालय करेगा। उन्होंने कहा कि स्मार्ट बॉर्डर कॉन्सेप्ट के तहत सीमा सुरक्षा बल की सुरक्षा व्यवस्था में सभी प्रकार की आधुनिक तकनीकों को समाहित किया जा रहा है, जिससे बीएसएफ का काम न केवल आसान होगा बल्कि और अधिक मजबूत भी बनेगा। शाह ने कहा कि केंद्र सरकार ने तय किया है कि बीएसएफ की स्थापना के 60वें वर्ष तक गृह मंत्रालय 6,000 किलोमीटर लंबी सीमा पर एक समान डिजाइन वाला स्मार्ट बॉर्डर स्थापित करने के लिए तकनीकी सहयोग उपलब्ध कराएगा। उन्होंने बीएसएफ जवानों को भरोसा दिलाया कि इस परियोजना के लागू होने के बाद बांग्लादेश और पाकिस्तान से लगी पूरी सीमा को और अधिक अभेद्य बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार ने तय किया है कि हम न केवल घुसपैठ को रोकेंगे, बल्कि एक-एक घुसपैठिए को चुन-चुन कर देश से बाहर निकाल देंगे और अपनी जनसांख्यिकी में कृत्रिम बदलाव नहीं होने देंगे। सीमा सुरक्षा बल को जनसांख्यिकी में बदलाव करने के षड्यंत्र को रोकना होगा। गृहमंत्री ने कहा कि अब पारंपरिक तरीकों से सीमाओं की सुरक्षा संभव नहीं है। राज्य पुलिस, सशस्त्र बलों, अन्य अर्धसैनिक बलों, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एससीबी), खुफिया एजेंसियों और राज्य प्रशासन के साथ मिलकर सुरक्षा ग्रिड को मजबूत करना होगा। उन्होंने कहा कि सीमा सुरक्षा को अलग-थलग कार्य के बजाय क्षेत्रीय जिम्मेदारी के रूप में देखने की आवश्यकता है। शाह ने कहा कि अवैध घुसपैठ, नकली मुद्रा, साइबर चुनौतियां, ड्रोन के जरिए हथियार और नशीले पदार्थों की तस्करी तथा हाइब्रिड वारफेयर जैसी नई चुनौतियों से निपटने के लिए नई रणनीति अपनानी होगी। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में *एक सीमा, एक बल* का सिद्धांत लागू किया गया था, जिसके बाद बीएसएफ को पाकिस्तान और बांग्लादेश से लगी देश की सबसे संवेदनशील सीमाओं की जिम्मेदारी सौंपी गई। शाह ने कहा कि बीएसएफ ने हर चुनौती का मजबूती से सामना किया और दुश्मनों को हर बार मुंहतोड़ जवाब दिया। गृह मंत्री ने कहा कि 1965 में 25 बटालियनों से शुरू हुआ बीएसएफ आज लगभग 2.70 लाख कर्मियों के साथ दुनिया का सबसे बड़ा सीमा सुरक्षा बल बन चुका है। उन्होंने 1965 से अब तक सर्वोच्च बलिदान देने वाले 2,000 से अधिक बीएसएफ जवानों को श्रद्धांजलि भी दी।

पीएम को झालमुड़ी खिलाने वाले दुकानदार को विदेश से मिल रही हैं धमकियां, दहशत में परिवार

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल के झाड़ग्राम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को झालमुड़ी खिलाकर चर्चा में आए दुकानदार विक्रम साव को अब विदेश से लगातार जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। विक्रम साव का दावा है कि उन्हें पिछले कुछ दिनों से पाकिस्तान और बांग्लादेश से फोन तथा वीडियो कॉल के जरिए धमकी दी जा रही है, जिससे उनका पूरा परिवार भयभीत है। दरअसल, हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी झाड़ग्राम पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने स्थानीय दुकानदार विक्रम साव की दुकान पर रुककर प्रसिद्ध बंगाली व्यंजन झालमुड़ी का स्वाद लिया था। प्रधानमंत्री और विक्रम साव के बीच हुई बातचीत और तस्वीरें सोशल मीडिया से लेकर राष्ट्रीय मीडिया तक चर्चा का विषय बन गई थीं। इसके बाद विक्रम साव अचानक सुर्खियों में आ गए थे। अब यही पहचान उनके लिए परेशानी का कारण बनती दिखाई दे रही है। विक्रम साव ने बताया कि प्रधानमंत्री के उनकी दुकान पर आने के कुछ समय बाद से ही उन्हें लगातार धमकी भरे फोन और वीडियो कॉल आने लगे। उनका कहना है कि कॉल करने वाले लोग पाकिस्तान और बांग्लादेश से होने का दावा करते हैं। विक्रम साव के अनुसार, धमकी देने वाले लोग वीडियो कॉल पर हथियार दिखाकर उन्हें डराने की कोशिश करते हैं और बम से उड़ाने जैसी धमकियां देते हैं।

घूसखोर एसीएस अधिकारी के घर से नकदी और सोने के आभूषणों का जखीरा बरामद

गुवाहाटी (हिंस)। घूस लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किए गए एसीएस अधिकारी लाचित दास के आवास पर चलाए गए छापामारी अभियान में भारी मात्रा में नकदी और सोने के आभूषण बरामद किए गए हैं। सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय द्वारा देर रात तक चलाए गए अभियान में लगभग 50 लाख रुपए नकद तथा 500 ग्राम से अधिक सोने के आभूषण बरामद होने की जानकारी सामने आई है। लाचित दास भूमि अभिलेख निदेशालय में अतिरिक्त भूमि अभिलेख अधिकारी के पद पर कार्यरत थे। उन्हें गुरुवार को 45 हजार रुपए की घूस लेते समय सतर्कता टीम ने रंगे हाथ गिरफ्तार किया था। शिकायत मिलने के बाद अधिकारियों ने जाल बिछाकर कार्रवाई की थी। गिरफ्तारी के बाद उनके आवास पर व्यापक तलाशी अभियान चलाया गया, जिसमें बड़ी मात्रा में नकदी और बहुमूल्य आभूषण मिलने से मामले ने और गंभीर रूप ले लिया है। जांच एजेंसियां अब बरामद संपत्ति के स्रोत की जांच में जुट गई हैं। इस कार्रवाई के बाद सरकारी विभागों में भ्रष्टाचार को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

पढ़ने की आदत खत्म होने पर समाज गहराई से समझने की क्षमता खो देता है : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली (हि.स.)। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने युवाओं में घटती पढ़ने की आदत पर चिंता जताते हुए कहा कि जो समाज पढ़ना छोड़ देता है, वह धीरे-धीरे आलोचनात्मक ढंग से सोचने, रचनात्मक रूप से कल्पना करने और गहराई से समझने की अपनी क्षमता खो देता है। उपराष्ट्रपति ने शुक्रवार को उपराष्ट्रपति भवन में पी.पी. सत्यन द्वारा लिखित पुस्तक *द लाइब्रेरी मैन ऑफ इंडिया : द स्टोरी ऑफ पी.एन. पणिक्कर* का विमोचन किया। इस अवसर पर उन्होंने पणिक्कर को श्रद्धांजलि देते हुए उन्हें ऐसा दूरदर्शी व्यक्तित्व बताया, जिन्होंने पुस्तकों और ज्ञान की शक्ति से लाखों लोगों के जीवन में बदलाव लाया। उन्होंने कहा कि साधारण जीवन जीने वाले पणिक्कर का सपना था कि जाति, वर्ग, गरीबी और भौगोलिक सीमाओं से परे हर व्यक्ति को ज्ञान तक पहुंच मिले। उपराष्ट्रपति ने कहा कि पणिक्कर ने केरल में पुस्तकालय और साक्षरता आंदोलन की शुरुआत कर सामाजिक और बौद्धिक परिवर्तन की नींव रखी।

भारत-साइप्रस के बीच होगी रणनीतिक साझेदारी, निवेश भी होगा दोगुना

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलाइड्स के साथ दोनों देशों के बीच व्यापक एवं भरोसेमंद साझेदारी को और अधिक मजबूत बनाने को लेकर शुक्रवार को व्यापक चर्चा की। एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में भारत और साइप्रस ने अपने द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाया। दोनों नेताओं ने आतंकवाद-विरोधी, समुद्री सुरक्षा, राजनयिक प्रशिक्षण, नवाचार, शिक्षा और संस्कृति सहित कई समझौतों पर भी हस्ताक्षर किए। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया कि चर्चा में व्यापार और निवेश, रक्षा और सुरक्षा, समुद्री और वित्तीय संपर्क, प्रौद्योगिकी और नवाचार, गतिशीलता, शिक्षा, संस्कृति और भारत-यूरोपीय संघ के संबंधों जैसे विषयों को शामिल किया गया। उन्होंने क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी अपने विचार साझा किए। दोनों नेताओं ने सीमा पार आतंकवाद सहित आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों से निपटने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। विदेश मंत्रालय के अनुसार भारत और साइप्रस के बीच 14 विषयों पर सहमति बनी है। दोनों देश अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी में तब्दील करने पर सहमत हुए हैं। इससे दोनों देशों के बीच व्यापार मजबूत होगा और सुरक्षा के क्षेत्र में भी दोनों देश सहयोग करेंगे। आतंकवाद के खिलाफ दोनों देश संयुक्त कार्य समूह का गठन करेंगे। साइप्रस ने भारत की हिन्द-प्रशांत महासागरीय पहल में शामिल होने का फैसला किया है। भारत अत्याधुनिक स्वदेशी मोबाइल अस्पताल भीष्म क्यूब साइप्रस को उपहार स्वरूप देगा। दोनों देशों ने अगले 5 सालों के लिए रक्षा सहयोग का रोड मैप तैयार किया है। दोनों देशों के बीच राजनयिक प्रशिक्षण, उच्च शिक्षा एवं शोध, सांस्कृतिक आदान-प्रदान एवं सहयोग, नवाचार एवं तकनीक से जुड़े विषयों पर दोनों देशों के बीच में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए हैं। दोनों देश सर्च एवं रेस्क्यू क्षेत्र में भी सहयोग करेंगे। दोनों देशों के बीच साइबर सुरक्षा और राजनयिक संवाद की भी स्थापना की जाएगी। दोनों देशों ने 18 मई को भारत-साइप्रस स्पेस डे मनाया और इसके अलावा मुंबई में साइप्रस वाणिज्य केंद्र खोला गया है। वार्ता के बाद दोनों नेताओं ने संयुक्त वक्तव्य दिया। इसमें प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और साइप्रस के बीच बढ़ते भरोसे तथा भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) से नई संभावनाएं उभरी हैं और दोनों देश अगले पांच वर्षों में साइप्रस से भारत में होने वाले निवेश को फिर से दोगुना करने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ेंगे। उन्होंने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी में बदले जाने की भी घोषणा की। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले एक दशक में साइप्रस से भारत में निवेश लगभग दोगुना हुआ है, जो दोनों देशों के बीच बढ़े विश्वास का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते से नई आर्थिक संभावनाएं बनी हैं और इन्हीं अवसरों का लाभ उठाते हुए दोनों देश अगले पांच वर्षों में निवेश को फिर से दोगुना करने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ेंगे।

पृष्ठ एक का शेष

ग्रुपिंग के खिलाफ ...

असमिया माध्यम में देने का प्रस्ताव, खासकर प्रवेश परीक्षाओं के लिए, अपनाया गया था। उन्होंने कहा कि मैट्रिक तक शिक्षा का माध्यम असमिया को बनाने में डॉ. मुखर्जी की गहरी रुचि और प्रयासों का बड़ा योगदान था। उन्होंने यह भी बताया कि डॉ. मुखर्जी ने कलकत्ता विश्वविद्यालय के तहत जे.बी. कॉलेज को मान्यता दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी और असम के लिए एक अलग विश्वविद्यालय बनाने की मांग का जोरदार समर्थन किया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने असम की विशिष्ट सांस्कृतिक और बौद्धिक पहचान को पहचाना था और राज्य की अनूठी जरूरतों के हिसाब से एक विश्वविद्यालय बनाने की आकांक्षा का समर्थन किया था। डॉ. मुखर्जी के अनुसार, असम में भाषा, मानवशास्त्र, भूविज्ञान, वनस्पति विज्ञान और वानिकी जैसे विषयों में अपार शैक्षणिक क्षमता थी, और इन सभी का विशेष विद्वतापूर्ण महत्व था। मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. मुखर्जी का मानना था कि असम में एक विश्वविद्यालय उन्नत अनुसंधान के लिए और असमिया भाषा तथा संस्कृति के संरक्षण एवं विकास के लिए राष्ट्रीय महत्व के केंद्र के रूप में उभरेगा। ऐसे समय में जब विश्वविद्यालय आंदोलन के प्रति जन-उत्साह कभी-कभी कमजोर पड़ जाता था, डॉ. मुखर्जी जैसे व्यक्तित्व का समर्थन असम के लोगों में एक नया आत्मविश्वास और नैतिक बल भर देता था। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र से परे, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने असम के राजनीतिक इतिहास पर भी एक अमिट छाप छोड़ी है। भारत के विभाजन के दौरान, यह सुनिश्चित करने में उनका समर्थन कि असम पश्चिम बंगाल के साथ-साथ भारत का ही हिस्सा बना रहे, लोकप्रिय गोपीनाथ बरदलै और असम के लोगों को बहुत मजबूती प्रदान की। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि 1940-41 के उन उथल-पुथल भरे वर्षों के दौरान—जब असम को गहन राजनीतिक अनिश्चितता तथा जनसांख्यिकीय और सांप्रदायिक चिंताओं का सामना करना पड़ रहा था—डॉ. मुखर्जी असम के लोगों के साथ पूरी दृढ़ता से खड़े रहे। उन्होंने आगे कहा कि 1941 में जब असम प्रांतीय मुस्लिम लीग ने *पाकिस्तान प्रस्ताव* को अपनाया, तो पूरे राज्य में भारी चिंता और अनिश्चितता फैल गई। ऐसे हालात में, डॉ. मुखर्जी—जो उस समय हिंदू महासभा के नेता थे—असम आए और लोगों से अपील की कि वे हिम्मत और उम्मीद न हारें। जुलाई 1941 में पानबाजार हरि सभा में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए, डॉ. मुखर्जी ने हिंदू एकता पर जोरदार बल दिया। उनकी अपील के बाद, नवंबर 1941 में विनायक दामोदर सावरकर असम आए और उन्होंने गुवाहाटी, जोरहाट, डिब्रूगढ़ और शिलांग में कई सभाओं को संबोधित किया। इस दौरे के दौरान, सावरकर ने असम में अपनाई गई जनगणना पद्धति की आलोचना की और भारत सरकार से आग्रह किया कि वह असम सरकार द्वारा तैयार किए गए आंकड़ों को खारिज कर दे और इसके बजाय एक निष्पक्ष और पारदर्शी जनगणना प्रक्रिया संचालित करे। मुख्यमंत्री ने कहा कि 1941 में डॉ. मुखर्जी का असम दौरा राज्य के लिए एक अत्यंत संवेदनशील समय पर हुआ था। लोगों से सीधे संवाद करके और उनकी चिंताओं को समझते हुए, उन्होंने समाज के विभिन्न वर्गों में नैतिक साहस और आत्मविश्वास जगाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि असम के राजनीतिक इतिहास में ग्रुपिंग (समूहीकरण) के खिलाफ डॉ. मुखर्जी की भूमिका को इतिहास हमेशा कृतज्ञता के साथ याद रखेगा। शरत चंद्र बोस और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी द्वारा संयुक्त रूप से तैयार किए गए विभिन्न दस्तावेजों ने ग्रुपिंग के खिलाफ लोकप्रिय गोपीनाथ बरदलै को असम के लिए अपना संघर्ष जारी रखने हेतु प्रेरित किया। डॉ. मुखर्जी का राजनीतिक जीवन आदर्शों, देशभक्ति, नैतिक साहस और राष्ट्रीय हित के प्रति अटूट समर्पण से ओत-प्रोत था। वे असम के सच्चे हितैषी थे। एक बंगाली सज्जन होने के बावजूद, उन्होंने स्कूलों में शिक्षा के माध्यम के रूप में असमिया भाषा को लागू करने में खुलकर योगदान दिया। असम की राजनीतिक यात्रा के सबसे नाजुक दौर में, डॉ. मुखर्जी असमिया लोगों के साथ मजबूती से खड़े रहे और उन्होंने लोकप्रिय गोपीनाथ बरदलै को नैतिक संबल प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि ऐसी विशिष्ट हस्ती के नाम पर इस नवनिर्मित फ्लाईओवर को समर्पित करना हमारे लिए गर्व की बात है। अपने भाषण में, मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 14 फरवरी को गुवाहाटी और उत्तरी गुवाहाटी को जोड़ने वाले कुमार भास्कर वर्मा पुल के उद्घाटन का भी जिक्र किया। उन्होंने सरकार के पिछले कार्यकाल के दौरान पूरे हुए कई बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स पर भी रोशनी डाली, जिनमें सुपरमार्केट, आर्य नगर, मालीगांव के फ्लाईओवर; आर.जी. बरुआ रोड पर श्रद्धांजली फ्लाईओवर; ब्रह्मपुत्र के दक्षिणी किनारे पर भूतनाथ से माछखोवा तक एलिवेटेड कॉरिडोर; जी.एस. रोड पर भगदत्त फ्लाईओवर; पानीखैती में रेलवे क्रॉसिंग के ऊपर जयंत हजारिका फ्लाईओवर; पानबाजार में पुराने रेलवे ओवरब्रिज की जगह बना नया फ्लाईओवर; भरालुमुख का फ्लाईओवर; और दिघलीपुखुरी से नूनमाटी में एफसीआई गोदाम क्षेत्र तक फैला महाराजा पृथु फ्लाईओवर शामिल हैं। उन्होंने कहा कि आज के उद्घाटन के साथ, गुवाहाटी में लोक निर्माण विभाग द्वारा चलाए जा रहे सभी फ्लाईओवर प्रोजेक्ट्स अब पूरे हो चुके हैं। मुख्यमंत्री ने हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनावों में सरकार को भारी जनादेश देने के लिए लोगों का आभार भी व्यक्त किया। इस अवसर पर सांसद बिजली कलिता मेधी, विधायक प्रद्युत बरदलै, विजय कुमार गुप्ता, दिप्लू रंजन शर्मा और तपन दास, जीएमसी के मेयर मृगेन सरानिया, वरिष्ठ अधिकारी और कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

असम के लिए ...

ने पूर्वोत्तर में एक प्रमुख सांस्कृतिक और इको-पर्यटन स्थल के रूप में राज्य की क्षमता को बढ़ाया। एनईएसआईडीएस सड़क योजना के तहत, असम के लिए ?935.19 करोड़ की 14 परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं, जिनमें से 529.40 करोड़ मूल्य की 7 परियोजनाएं पहले ही पूरी हो चुकी हैं। हाल ही में पूरी हुई परियोजनाओं में दिखौ नदी पर बना आरसीसी पुल संख्या 3/1 शामिल है, जो अजानपीर दरगाह के रास्ते चिरिपुरिया को जोड़ता है; इसने असम के नदी-तटीय इलाकों में कनेक्टिविटी में काफी सुधार किया है और निर्बाध परिवहन बुनियादी ढांचे के प्रति एनईसी की प्रतिबद्धता को मजबूत किया है। 2025-26 में, एनईसी ने असम में कई बड़ी परियोजनाओं को मंजूरी दी, जिनका उद्देश्य सांस्कृतिक संरक्षण, शैक्षिक बुनियादी ढांचा, खेल विकास और वैज्ञानिक शिक्षा को बढ़ावा देना है। मुख्य परियोजनाओं में गुवाहाटी में श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र में लगभग 14 करोड़ की लागत से भूपेन हजारिका संग्रहालय की स्थापना शामिल है। यह संग्रहालय *ब्रह्मपुत्र के कवि* की विरासत का सम्मान करने वाला एक ऐतिहासिक सांस्कृतिक केंद्र होगा। इसके अलावा, उभरते हुए खिलाड़ियों को सहयोग देने के लिए अमिनगांव में 100 बिस्तरों वाले खेल छात्रावास का निर्माण; कोकराझार में बिनेश्वर ब्रह्म इंजीनियरिंग कॉलेज में लड़कियों के छात्रावास का विकास, ताकि तकनीकी शिक्षा तक महिलाओं की पहुंच मजबूत हो सके; शिवसागर के गरगांव कॉलेज में एनईपी-2020 के अनुरूप एक केंद्रीय विज्ञान प्रयोगशाला की स्थापना; और गोलाघाट के हेमो प्रोवा बोरबोरा गर्ल्स कॉलेज में एक शैक्षणिक-सह-बहुउद्देशीय भवन का निर्माण भी इन परियोजनाओं में शामिल है। परिषद ने अष्टलक्ष्मी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम जैसे अपने प्रमुख कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं और वैज्ञानिक क्षेत्र में अपनी पहुंच का भी विस्तार किया।

विपक्ष के हंगामे के ...

वास्तविक स्थिति को सही ढंग से प्रस्तुत नहीं किया गया है। इससे पहले अपने संबोधन की शुरुआत राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने ऋग्वेद के एक श्लोक के साथ की। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से मतभेदों से ऊपर उठकर राज्य के लोगों के कल्याण, शांति और विकास के लिए मिलकर कार्य करने का आह्वान किया। राज्यपाल ने कहा कि हाल ही में संपन्न चुनावों में जनता द्वारा दिया गया स्पष्ट जनादेश लोकतांत्रिक व्यवस्था में विश्वास और सरकार की नीतियों के प्रति समर्थन को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि सरकार शांति, आर्थिक स्थिरता और समग्र विकास के एजेंडे पर तेजी से काम कर रही है। आर्थिक विकास का उल्लेख करते हुए राज्यपाल ने बताया कि पिछले पांच वर्षों में असम की सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) में लगभग 16 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि असम वर्ष 2028-29 तक 10 लाख करोड़ रुपए की अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसके साथ ही राज्य की प्रति व्यक्ति आय में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है तथा वर्ष 2025-26 में पूंजीगत व्यय वर्ष 2020-21 की तुलना में दोगुना हो गया है। राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में अंतर्राष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा और घुसपैठ को रोकने के लिए सरकार की ओर से कठोर कदम उठाए जाने की बात भी कही। उन्होंने कहा कि सरकार सामाजिक समरसता, साझा सांस्कृतिक मूल्यों और व्यापक असमिया समाज को मजबूत करने के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि श्रीमंत शंकरदेव के आदर्शों से प्रेरित होकर राज्य सरकार असम की भाषाई, सांस्कृतिक और सामाजिक पहचान की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। साथ ही स्वदेशी और जनजातीय समुदायों के अधिकारों, परंपराओं, भूमि और विरासत की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भी सरकार निरंतर कार्य कर रही है। राज्यपाल ने अपने अभिभाषण का समापन असमिया साहित्यकार लक्ष्मीनारायण बेजबरुआ की कविता की पंक्तियों और स्वामी विवेकानंद के प्रेरणादायी विचारों के साथ किया।

नीट के भौतिक विज्ञान ...

सह-आरोपित मनीषा मंधारे (जिन्हें 16-05-2026 को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है) के साथ साझा किए थे। उनकी ओर से साझा किए गए प्रश्न नीट-यूजी 2026 परीक्षा के भौतिक विज्ञान के प्रश्न पत्रों से मेल खाते हैं। इस मामले में सीबीआई ने देशभर में कई स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया है और कई आपत्तिजनक दस्तावेज, लैपटॉप, बैंक स्टेटमेंट और मोबाइल फोन जब्त किए हैं। जब्त की गई वस्तुओं का विस्तृत विश्लेषण जारी है। उल्लेखनीय है कि सीबीआई ने शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग की ओर से आयोजित नीट-यूजी 2026 परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक होने के आरोप में दी गई लिखित शिकायत के आधार पर 12 मई को मामला दर्ज किया था। मामला दर्ज होते ही विशेष टीमें गठित की गईं और देशभर में कई स्थानों पर तलाशी अभियान चलाए गए, जिनमें से कई संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। अबतक दिल्ली, जयपुर, गुरुग्राम, नासिक, पुणे, लातूर और अहिलियानगर से इस मामले में 11 आरोपितों को गिरफ्तार किया जा चुका है। विशेष टीमों की जांच जारी है और अबतक की गई जांच से प्रश्नपत्र लीक होने के असली स्रोत का पता चला है। छात्रों को जुटाने में शामिल बिचौलियों की भी पहचान कर ली गई है। नीट-यूजी-2026 परीक्षा में आने वाले प्रश्नपत्रों को बांटने वाले विशेष कोचिंग केंद्रों में भाग लेने के लिए लाखों रुपए का भुगतान किया था।

बिजली सरप्लस वाले...

को पूरा करने के लिए बिजली उत्पादन क्षमता बढ़ाने, पारेषण नेटवर्क में सुधार करने और वितरण प्रणालियों का आधुनिकीकरण करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। सरकार अपनी दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा और सतत विकास रणनीति के तहत सौर ऊर्जा परियोजनाओं सहित नवीकरणीय ऊर्जा पहलों को प्राथमिकता दे रही है। दक्षता में सुधार और समग्र आपूर्ति क्षमता बढ़ाने के लिए जलविद्युत और तापीय ऊर्जा परियोजनाओं का उन्नयन किया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार, असम की ऊर्जा संबंधी परिकल्पना का उद्देश्य औद्योगिक विकास, बुनियादी ढांचे के विकास और राज्य भर में निर्बाध बिजली आपूर्ति के माध्यम से जीवन की गुणवत्ता में सुधार करना है। बिजली अधिशेष वाला राज्य बनने की दिशा में उठाया गया कदम पूर्वोत्तर में निवेश के लिए असम को एक आकर्षक गंतव्य के रूप में मजबूत करने की उम्मीद है। अधिकारियों ने बताया कि तीव्र शहरीकरण, औद्योगिक विस्तार और घरों में बिजली की बढ़ती उपलब्धता के कारण हाल के वर्षों में राज्य में बिजली की मांग में लगातार वृद्धि हुई है। सरकार सबस्टेशनों, ट्रांसमिशन कॉरिडोर और ग्रामीण विद्युतीकरण बुनियादी ढांचे को उन्नत करने के लिए कई परियोजनाएं लागू कर रही है। शर्मा ने असम की व्यापक आर्थिक विकास योजनाओं और भविष्य के औद्योगिक विस्तार को समर्थन देने के लिए बिजली क्षेत्र को मजबूत करने के महत्व पर बार-बार जोर दिया है। अधिकारियों ने आगे कहा कि कई ऊर्जा परियोजनाएं वर्तमान में कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं और आने वाले वर्षों में राज्य की बिजली उत्पादन और पारेषण क्षमताओं को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाने की उम्मीद है।

पता लगाओ और निर्वासित...

मुख्यमंत्री ने कहा कि असम में अवैध रूप से प्रवेश करने वाले एक बांग्लादेशी नागरिक को असम पुलिस ने बीएसएफ के सहयोग से गिरफ्तार किया है। उसे बांग्लादेश सीमा सुरक्षा बल को सौंप दिया गया है। अवैध अप्रवासन को रोकने के लिए पता लगाओ और निर्वासित करो अभियान पूरी सख्ती से चलाया जा रहा है। हाल के महीनों में असम सरकार ने अवैध अप्रवासन और अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है, जिसके तहत कई जिलों में सरकारी और वन भूमि पर कथित अतिक्रमणों को निशाना बनाते हुए बेदखली अभियान चलाए जा रहे हैं। इससे पहले, हिमंत विश्व शर्मा ने कहा था कि असम में एनडीए सरकार राज्य भर में अतिक्रमित 1,250 वर्ग किलोमीटर से अधिक भूमि को वापस लेने के लिए प्रतिबद्ध है और जमीनी स्तर पर अभियान पहले से ही चल रहे हैं। मुख्यमंत्री ने प्रशासन द्वारा हाल ही में चलाए गए अतिक्रमण विरोधी अभियानों के दृश्य भी साझा किए थे। ये घटनाक्रम असम में नागरिकता सत्यापन और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभ्यासों से संबंधित प्रस्तावों पर चल रही राजनीतिक चर्चाओं के बीच सामने आए हैं। इस बीच, अखिल भारतीय संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (एआईयूडीएफ) ने राज्य में किसी भी नए सामाजिक-आर्थिक या नागरिकता संबंधी सर्वेक्षण का विरोध किया। एआईयूडीएफ के महासचिव रफीकुल इस्लाम ने कहा कि राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) प्रक्रिया की पहले ही गहन जांच हो चुकी है और इसे अंतिम माना जाना चाहिए।

मप्र की ऐतिहासिक ...

हटाने की कोशिश की तो हल्की बहस हो हुई। प्रशासन ने श्रद्धालुओं को ज्योति मंदिर से करीब 50 कदम दूर जाने के लिए कहा। इसके बाद लोग निर्धारित जगह पर इकट्ठा हुए। दोपहर में भोजशाला आंदोलन में जान गंवाने वाले कार सेवकों के परिजन का सम्मान किया गया। वहीं भोजशाला मामले में याचिका दायर करने वाले कुलदीप तिवारी पहुंचे, जिनका श्रद्धालुओं ने स्वागत किया। कुलदीप तिवारी ने परिसर से मेहराब और अयातुल्ला कुर्सी हटाने की मांग की है। वहीं, एक श्रद्धालु अमृता सावन ने कहा कि मैं पहली बार शुक्रवार को यहां आई हूं। खुशी है कि अब पूरे साल यहां मां सरस्वती की पूजा कर सकेंगे। भोज उत्सव समिति के संरक्षक अशोक जैन ने कहा कि हम शोभायात्रा भी निकालने वाले थे, जिसे किसी वजह से रद्द कर दिया गया है। आज का दिन बेहद ऐतिहासिक है। भोजशाला में 721 वर्षों के लंबे संघर्ष के बाद आज हिंदू समाज ने पूरे स्वाभिमान और सम्मान के साथ भोजशाला में मां सरस्वती का पूजन और महाआरती की है। साल 1305 ई. में मुगल आक्रांता अलाउद्दीन खिलजी ने इस मंदिर पर अवैध कब्जा कर इसे अपवित्र कर दिया था, जिसके बाद से हिंदू समाज निरंतर संघर्ष कर रहा था। इधर, पूरे धार में हाई अलर्ट घोषित कर सुरक्षा के अभूतपूर्व इंतजाम किए गए हैं। भोजशाला परिसर से लेकर संवेदनशील और मुस्लिम बहुल इलाकों तक अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। शहर में करीब दो हजार अधिकारी और जवान तैनात हैं। पुलिस की एक खास टीम सोशल मीडिया पर भी निगरानी रख रही है। कलेक्टर राजीव रंजन मीना ने नागरिकों से शांति और सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने की अपील की है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय डावर ने बताया कि शहर में आठ विशेष सुरक्षा कंपनियां भी लगाई गई हैं। इनमें रैपिड एक्शन फोर्स, पैरामिलिट्री फोर्स, एसडीएफ, स्पेशल टास्क फोर्स, घुड़सवार पुलिस शामिल हैं। जिला प्रशासन द्वारा लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है, ताकि शहर में शांति और कानून व्यवस्था बनी रहे। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि उच्च न्यायालय के आदेश का अक्षरश: पालन कराया जाएगा। किसी भी प्रकार से माहौल बिगाड़ने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है। इससे पहले 19 मई को हिंदू समाज ने विजय महासत्याग्रह मनाया था। सुबह 8:55 बजे सरस्वती स्तुति के बाद हनुमान चालीसा और महाआरती की गई। महासत्याग्रह भोज उत्सव समिति ने उन लोगों को समर्पित किया, जिनकी भोजशाला आंदोलन में जान चली गई या जेल गए थे। दोपहर में ही करीब एक घंटे तक आतिशबाजी की गई। संकल्प लिया गया कि जल्द ही लंदन से मां वाग्देवी की मूल प्रतिमा लाकर भोजशाला में स्थापित की जाएगी। अधिवक्ता मनीष गुप्ता ने बताया कि केंद्र सरकार को तीन सूत्री मांग का प्रतिवेदन भेजा गया है। इसमें पहली मांग वाग्देवी की प्रतिमा वापस लाने के लिए ठोस कदम उठाने की है। दूसरी मांग यह है कि गर्भगृह में लिखी इस्लामिक आयतों को हटाया जाए। हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस के याचिकाकर्ता आशीष गोयल ने बताया कि एएसआई सर्वे के दौरान परिसर से निकली ब्रह्माजी और वाग्देवी सहित सभी 94 देवी-देवताओं की मूर्तियों को तत्काल भोजशाला में स्थापित करने के लिए पत्र भी लिखा गया है। भोज उत्सव समिति के सदस्य गोपाल शर्मा ने कहा कि यह मुक्ति अभी अधूरी है। जब तक भोजशाला का पूरा वैभव और स्वरूप राजा भोज के काल जैसा नहीं हो जाता, तब तक यह सत्याग्रह जारी रहेगा।

देशभर में गर्मी बनी ...

दी है कि 22 से 27 मई के बीच दिल्ली और उत्तर भारत के कई हिस्सों में हीटवेव से लेकर गंभीर हीटवेव जैसी स्थिति बन सकती है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दिल्ली के एक सरकारी अस्पताल में हीटस्ट्रोक के दो मरीज भर्ती किए गए हैं और उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। देश के कई हिस्सों में तेज गर्मी के कारण अस्पतालों में डायरिया और डिहाइड्रेशन के मरीजों की संख्या भी बढ़ रही है। वहीं गुजरात जैसे राज्यों में पानी की कमी की समस्या भी सामने आ रही है। मौसम विभाग के अनुसार, मैदानी इलाकों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक होने और सामान्य से 4.5 से 6.4 डिग्री ज्यादा रहने पर हीटवेव घोषित की जाती है। अगर तापमान 45 डिग्री तक पहुंच जाए तो स्थिति और गंभीर मानी जाती है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस साल अब तक का सबसे अधिक तापमान उत्तर प्रदेश के बांदा में दर्ज किया गया, जहां पारा 48 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। पिछले साल मार्च से जून के बीच देश में 7,000 से ज्यादा संदिग्ध हीटस्ट्रोक के मामले और 14 मौतें दर्ज हुई थीं। वहीं 2024 की इसी अवधि में 40,000 संदिग्ध मामले और 110 मौतें सामने आई थीं।

रास की 26 सीटों ...

को नामांकन की जांच की जाएगी, 11 जून को नामांकन वापस लिया जाएगा। इसके बाद 12 राज्यों की 26 सीटों पर 18 जून को मतदान होगा। राज्यसभा चुनाव के लिए मतदान सुबह 9 से शाम 4 बजे तक होगा। चुनाव आयोग ने शुक्रवार को 18 जून को 26 राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव की घोषणा की। एक बयान में, ईसी ने कहा कि राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव 10 राज्यों में होंगे, जहां मौजूदा सदस्य 21 जून से 19 जुलाई के बीच अलग-अलग तारीखों पर रिटायर हो रहे हैं। इसके अलावा तमिलनाडु और महाराष्ट्र में खाली हुई एक-एक सीट पर उपचुनाव होंगे। राज्यसभा चुनाव आंध्र प्रदेश, गुजरात और कर्नाटक में चार-चार सीटों पर, मध्य प्रदेश और राजस्थान में तीन-तीन सीटों पर, झारखंड में दो सीटों पर और मणिपुर, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम में एक-एक सीट पर होंगे। निर्वाचन आयोग ने महाराष्ट्र और तमिलनाडु से राज्यसभा के लिए उपचुनावों की घोषणा की है। ये उपचुनाव महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार और एआईएडीएमके नेता सी. वे. षणमुगम के इस्तीफे के बाद खाली हुई दो सीटों को भरने के लिए होंगे। बता दें कि राज्यसभा में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा, मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, केंद्रीय मंत्री जॉर्ज कूरियन, और रवनीत सिंह बिट्टू समेत 24 नेताओं क कार्यकाल समाप्त हो रहा है।

बाघ के हमले में चार ...

तेंदू पत्ता तोड़ाई शुरू होने के कारण ग्रामीण बड़ी संख्या में जंगल में जा रहे हैं। आज तड़के गुंजेवाही गांव की कुछ महिलाएं हमेशा की तरह तेंदू पत्ता संग्रह के लिए जंगल गई थीं। सुबह करीब 8 बजे के आसपास जंगल में घात लगाकर बैठे बाघ ने अचानक उन पर हमला कर दिया। इस हमले में चारों महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में दहशत फैल गई है और स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है और वे बाघ को जल्द से जल्द पकड़ने या नियंत्रित करने की मांग कर रहे हैं। बाघ हमले की सूचना मिलते ही सिंदेवाही वन क्षेत्र अधिकारी अंजली सायंकर ने तुरंत घटनास्थल का दौरा किया। वन विभाग और पुलिस टीम ने मौके का निरीक्षण कर पंचनामा शुरू कर दिया है। मृत महिलाओं में कवडूबाई दादाजी मोहुर्ले (45), अनुबाई दादाजी मोहुर्ले (46), संगीता संतोष चौधरी (36) और सुनीता कौशिक मोहुर्ले (33) हैं। वन विभाग ने लोगों से जंगल क्षेत्र में सावधानी बरतने की अपील की है और संबंधित इलाके में गश्त बढ़ा दी गई है।

राजीव भवन में *हर हर महादेव* से अब *धर धर मार मार* तक : भूपेन बोरा

गुवाहाटी (हिंस)। असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) के पूर्व अध्यक्ष एवं भाजपा विधायक भूपेन कुमार बोरा ने शुक्रवार को कांग्रेस के भीतर चल रहे विवाद को लेकर तीखी टिप्पणी की। उन्होंने राजीव भवन में कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई और पार्टी नेता जुबैर अनम के बीच कथित विवाद पर प्रतिक्रिया व्यक्त हुए कांग्रेस नेतृत्व पर निशाना साधा। भूपेन बोरा ने कहा कि जब मैं वहां था तब राजीव भवन में *हर हर महादेव* के नारे लगते थे, लेकिन अब *धर धर मार मार* कहा जा रहा है। उन्होंने इस टिप्पणी के जरिए कांग्रेस के भीतर बढ़ती गुटबाजी और आंतरिक कलह पर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि *एपीसीसी-आर ऐसे ही चलता रहेगा*। बोरा ने आरोप लगाया कि जब तक *ल'ड़ा राजा और उनके सलाहकार* पार्टी में बने रहेंगे, तब तक कांग्रेस की स्थिति में कोई बदलाव नहीं आएगा। भाजपा विधायक ने यह बयान असम विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष के चयन को लेकर चल रहे राजनीतिक घटनाक्रम और कांग्रेस के अंदरूनी विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए आज विधानसभा परिसर में दिया।

असम विधानसभा की *हाई टी* में अब पारंपरिक असमिया स्वाद होंगे शामिल

स्थानीय व्यंजनों को मिलेगा बढ़ावा

गुवाहाटी (हिंस)। असम विधानसभा प्रशासन ने राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और पारंपरिक खानपान को बढ़ावा देने की दिशा में एक नई पहल की है। अब विधानसभा के *हाई टी* मेन्यू में पारंपरिक असमिया व्यंजन शामिल किए जाएंगे। विधानसभा अध्यक्ष रंजीत कुमार दास ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य स्थानीय खाद्य परंपराओं को सम्मान देना और असमिया संस्कृति को प्रोत्साहित करना है। नई व्यवस्था के तहत विधानसभा सत्र के दौरान विधायकों, अधिकारियों और अतिथियों को *हाई टी* में पारंपरिक असमिया खाद्य सामग्री परोसी जाएगी। मेन्यू में

नारियल का पिठा, तिल के लड्डू, निमकी और कुकीज जैसी लोकप्रिय असमिया खाद्य वस्तुएं शामिल होंगी। विधानसभा अध्यक्ष रंजीत कुमार दास ने कहा कि सरकारी कार्यक्रमों और औपचारिक आयोजनों में स्थानीय व्यंजनों को स्थान देना बेहद जरूरी है। असमिया व्यंजन केवल भोजन नहीं, बल्कि राज्य की परंपरा, संस्कृति और सामाजिक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। उन्होंने आगे कहा कि इस पहल से स्थानीय उत्पादों और पारंपरिक खाद्य सामग्री को बढ़ावा मिलेगा। इससे छोटे उद्यमियों, घरेलू उद्योगों और स्थानीय उत्पादकों को आर्थिक रूप से लाभ मिलने की संभावना भी बढ़ेगी। राज्य में पारंपरिक खानपान को संरक्षित करने और नई पीढ़ी तक पहुंचाने की दिशा में असम विधानसभा की इस पहल को एक सकारात्मक और सराहनीय कदम माना जा रहा है। सांस्कृतिक जानकारों का मानना है कि ऐसे प्रयासों से स्थानीय परंपराओं के प्रति लोगों में जागरूकता और गर्व की भावना मजबूत होगी। विधानसभा प्रशासन का भी मानना है कि इससे स्थानीय स्वाद और सांस्कृतिक पहचान को नई पहचान मिलेगी।

कांग्रेस अब *मियां पार्टी* बन गई है : पबित्र मार्घेरिटा

गुवाहाटी (हिंस)। असम विधानसभा में विपक्ष के नेता के चयन में हो रही देरी को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस के बीच राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। भाजपा नेताओं ने कांग्रेस पर तीखे हमले करते हुए पार्टी की आंतरिक स्थिति पर सवाल उठाए हैं। केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री पबित्र मार्घेरिटा ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस अब *मियां पार्टी* (बांग्लादेशी मूल के नागरिक) में बदल चुकी है। उन्होंने यह भी दावा किया कि कांग्रेस विधायक दल का नेता भी एक *मियां विधायक* ही होगा। समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लेकर उन्होंने कहा कि देशभर में लोग इसका स्वागत कर रहे हैं। भाजपा विधायक मानब डेका ने भी कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि बहुत मियांओं के बीच से एक मियां निकलेगा। वहीं भाजपा नेता चक्रधर गोगोई ने आरोप लगाया कि कांग्रेस अब मुस्लिम लीग में परिवर्तित हो चुकी है। इसपर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए पूर्व कांग्रेस सांसद तथा भाजपा विधायक प्रद्युत बरदलै ने कहा कि उन्होंने सुना है कि कांग्रेस नेताओं के भीतर *मानसिक अंतद्वंद* चल रहा है, इसलिए उन्हें जल्द निर्णय लेना चाहिए। इधर, भाजपा विधायक प्रशांत फूकन ने भी कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि विपक्ष के नेता के चयन में हो रही देरी यह साबित करती है कि राजनीतिक रूप से कांग्रेस *मल्टी ऑर्गन फेल्योर* की स्थिति में पहुंच चुकी है।

हाजो के लाह शहीद बेदी चौक पर भयावह आग

कामरूप (हिंस)। हाजो के लाह शहीद बेदी चौक इलाके में बीती रात भयावह आग की घटना में लगभग 20 लाख रुपए की संपत्ति जलकर राख हो गई। आग लगने के पीछे सिलेंडर विस्फोट को कारण माना जा रहा है। जानकारी के अनुसार, मोहन नाथ नामक व्यक्ति के घर में यह हादसा उस समय हुआ जब मधुमक्खियों को भगाने के लिए बकरी के पास रखे कचरे में आग लगाई गई थी। आशंका जताई जा रही है कि उसी आग की लपटें पास में रखे गैस सिलेंडर तक पहुंच गईं, जिससे विस्फोट हुआ और देखते ही देखते आग ने पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया। आगजनी में घर का सारा सामान, बकरियां, बत्तख समेत अन्य घरेलू सामग्री जलकर नष्ट हो गई। घटना में मोहन नाथ के भाई के परिवार को भी आंशिक नुकसान पहुंचा है। स्थानीय लोगों की मदद और दमकल विभाग की तीन गाड़ियों के लंबे प्रयास के बाद आग पर काबू पाया जा सका।

कोकराझाड़ में दो आदिवासी नाबालिग लड़कियों की दुष्कर्म के बाद हत्या, तालाब से मिले शव

कोकराझाड़ (हिंस)। असम के कोकराझाड़ जिले से मानवता को झकझोर देने वाली एक दर्दनाक घटना सामने आई है। जिले में दो आदिवासी नाबालिग लड़कियों के साथ कथित तौर पर दुष्कर्म करने के बाद उनकी हत्या कर दी गई। शुक्रवार सुबह दोनों लड़कियों के शव एक तालाब से बरामद किए गए, जिसके बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस के अनुसार, दोनों किशोरियां रोज की तरह स्कूल जाने के लिए घर से निकली थीं। इसी दौरान रास्ते में दो लोगों ने उन्हें कथित तौर पर अगवा कर लिया और उनके साथ जघन्य अपराध को अंजाम दिया। बाद में आरोपियों ने सबूत मिटाने की नीयत से दोनों लड़कियों की हत्या कर शव तालाब में फेंक दिए। घटना की जानकारी मिलने के बाद स्थानीय लोग बड़ी संख्या में मौके पर जुट गए। लोगों में इस घटना को लेकर भारी गुस्सा देखा गया। ग्रामीणों ने आरोपियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई और फास्ट ट्रैक अदालत में मुकदमा चलाने की मांग की है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों की पहचान गोलाम मोस्तफा, जो नितुल चाय बागान का प्रबंधक बताया जा रहा है और एजाहान अली के रूप में हुई है। पुलिस दोनों से पूछताछ कर रही है और मामले की गहन जांच जारी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले में सभी पहलुओं की जांच की जा रही है और आरोपियों को कानून के तहत सख्त सजा दिलाने का प्रयास किया जाएगा।

सात कुख्यात डकैत गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी की बशिष्ठ पुलिस ने एक बड़े अभियान में सात कुख्यात डकैतों को गिरफ्तार कर महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। पुलिस ने हाजो, नलबाड़ी, आदाबाड़ी और नौ-माइल इलाके में चलाए गए समन्वित अभियान के दौरान डकैतों के इस गिरोह को दबोचा। पुलिस के अनुसार, यह गिरोह राज्य के विभिन्न हिस्सों में आतंक फैलाने और कई आपराधिक घटनाओं में शामिल था। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अब्दुल्ला अली, जाकिर अली, अली, चांद मोहम्मद अली, मोस्तफा अहमद, काफिलुद्दीन अली और बादशाह अली के रूप में हुई है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि गिरोह मवेशी चोरी, डकैती और अन्य संगठित अपराधों में संलिप्त था। जांच के दौरान गिरोह के एटीएम लूट की घटनाओं में भी शामिल होने की जानकारी सामने आई है। पुलिस के मुताबिक, आरोपित पहले भी कई आपराधिक गतिविधियों को अंजाम दे चुके हैं। मवेशी चोरी की घटनाओं से जुड़े सीसीटीवी फुटेज में गिरोह के सदस्यों की गतिविधियां कैद हुई थीं। अभियान के दौरान पुलिस ने बिना नंबर प्लेट की एक चारपहिया वाहन जब्त किया, जिसका उपयोग अपराध में किए जाने का संदेह है। इसके अलावा पुलिस ने अपराध में इस्तेमाल की गई रस्सियां, धारदार हथियार, नकदी और चार मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं। गिरफ्तार सभी आरोपियों से बशिष्ठ पुलिस लगातार पूछताछ कर रही है। पुलिस का कहना है कि गिरोह के अन्य मामलों में संलिप्तता की भी जांच की जा रही है।

असम पुलिस के अभियान में कोडीन सिरप की 21,600 बोतलें जब्त

कछार (हिंस)। असम पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग-27 (एनएच-27) पर भारी मात्रा में प्रतिबंधित कोडीन फॉस्फेट सिरप जब्त किया है। यह कार्रवाई बरखोला थाना क्षेत्र के अंतर्गत पुटीचेरा टोल गेट के समीप की गई। पुलिस ने इस मामले में एक छह चक्का ट्रक को भी जब्त किया है और तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, विश्वसनीय सूचना मिलने के बाद एनएच-27 पर विशेष नाका चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान संदिग्ध गतिविधियों वाले एक ट्रक को रोककर उसकी जांच की गई। स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी और पूरी वीडियोग्राफी के बीच वाहन की तलाशी ली गई, जिसमें भारी मात्रा में कोडीन फॉस्फेट सिरप बरामद हुआ। जांच में ट्रक से कुल 21,600 बोतल कोडीन फॉस्फेट सिरप बरामद किया गया। ये बोतलें 144 कार्टून में पैक थीं और प्रत्येक कार्टून में 150 बोतलें रखी गई थीं।

राज्य में मातृ मृत्यु दर में उल्लेखनीय कमी

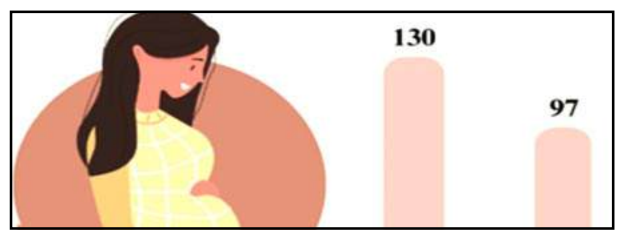

गुवाहाटी (हिंस)। असम के स्वास्थ्य क्षेत्र ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। राज्य में मातृ मृत्यु दर (एमएमआर) में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है, जो स्वास्थ्य सेवाओं और मातृ देखभाल व्यवस्था में सुधार का परिणाम माना जा रहा है। ताजा आंकड़ों के अनुसार, मातृ मृत्यु दर के मामले में असम अब राष्ट्रीय औसत से भी बेहतर स्थिति में पहुंच गया है। देश में जहां मातृ मृत्यु दर प्रति एक लाख जीवित जन्म पर 87 दर्ज की गई है, वहीं असम में यह आंकड़ा घटकर 84 हो गया है। वर्ष 2021-2023 के दौरान राज्य में मातृ मृत्यु दर 110 थी। हालांकि 2026 में यह घटकर मात्र 84 रह गई है, जिसे राज्य सरकार और स्वास्थ्य विभाग के लगातार प्रयासों का परिणाम बताया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार, संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने, ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार, मातृ स्वास्थ्य निगरानी और जागरूकता अभियानों के कारण यह सफलता संभव हो सकी है।

मणिपुर के मुख्यमंत्री ने जनता से बंद और नाकाबंदी से बचने समेत मुद्दों के समाधान के लिए बातचीत का आह्वान किया

इंफाल। मणिपुर के मुख्यमंत्री युमनाम खेमचंद सिंह ने लोगों से बंद, नाकाबंदी या कामकाज ठप करने के बजाय बातचीत के माध्यम से अपनी शिकायतों का समाधान करने की अपील की। इंफाल पश्चिम जिले के लामसांग विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत तीन पुलों-अखम ब्रिज, सलाम ब्रिज और मकलांग ब्रिज के उद्घाटन के दौरान एक सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बंद और विरोध के अन्य रूप दैनिक वेतन भोगियों और मजदूरों को बुरी तरह प्रभावित करते हैं। उन्होंने लोगों से सरकार के प्रति किसी भी प्रकार की नाराजगी को दूर करने के लिए चर्चा और संवाद में शामिल होने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री खेमचंद ने कहा कि उन्हें राज्य में रहने वाले विभिन्न समुदायों के बीच विश्वास कायम करने और विभिन्न क्षेत्रों में विभिन्न समुदायों के बीच निर्बाध आवागमन सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी दी गई है। मुख्यमंत्री ने जिरीबाम जिले की अपनी हालिया यात्रा को याद करते हुए कहा कि उन्होंने वहां दो बार यात्रा

की थी, और जिले के सभी समुदाय जैसे हमार, कुकी, पाइते और मेइतेई एक साथ आए और शांति लाने की दिशा में काम करने पर सहमत हुए। उन्होंने कहा कि ये समुदाय धीरे-धीरे अपने-अपने गांवों में लौट रहे हैं और सद्भाव से रह रहे हैं। उन्होंने अपने दौरे के कुछ ही समय बाद बिष्णुपुर जिले के ट्रोंगलाओबी गांव में हुए बम विस्फोट का भी जिक्र किया, जिसमें दो बच्चों की मौत हो गई थी, और इसे एक बेहद दुर्भाग्यपूर्ण घटना बताया। अखम गांव के स्थानीय क्लब द्वारा सामुदायिक सभागार, बांध और जल आपूर्ति योजना के निर्माण के संबंध में प्रस्तुत ज्ञापन के जवाब में, मुख्यमंत्री खेमचंद ने आश्वासन दिया कि स्थानीय विधायक के परामर्श से जल्द ही एक नए सामुदायिक सभागार का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि लघु सिंचाई विभाग द्वारा व्यवहार्यता अध्ययन के बाद बांध के निर्माण के लिए कदम उठाए जाएंगे। मकलांग में उन्होंने कहा कि पटसोई लामखाई से मणिपुर ओलंपियन पार्क, संगाइथेल तक की सड़क का निर्माण कार्य शीघ्र ही शुरू किया जाएगा और अगले विधानसभा चुनाव से पहले पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने आगे बताया कि महिला विक्रेताओं के लिए एक बाजार शेड की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार की जा रही है, जिसे जमा करने के बाद मंजूरी दे दी जाएगी, और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रस्ताव की भी जांच की जाएगी। महिला विक्रेताओं की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि मणिपुर इस मायने में अनूठा है कि यहां के बाजार पूरी तरह से महिलाओं द्वारा संचालित हैं, और उन्होंने एमा बाजार में केवल सब्जियां और पारंपरिक सामान बेचकर अपने परिवारों का भरण-पोषण करने में उनकी हिम्मत और इच्छाशक्ति को उजागर किया। मुख्यमंत्री ने यह भी आश्वासन दिया कि मकलांग में सार्वजनिक स्वास्थ्य अवसंरचना की मरम्मत और सुधार से संबंधित प्रस्तावों पर विचार किया जाएगा। अखम मायाई लीकाई में नामबुल नदी पर बने आरसीसी पुल का निर्माण राज्य योजना के तहत 3 करोड़ रुपए की लागत से किया गया, जबकि मकलांग नदी पर बने पक्के पुल का निर्माण ग्रामीण अवसंरचना विकास निधि (आरआईडीएफ) योजना के तहत लगभग 2 करोड़ रुपए की लागत से हुआ। सलाम ममांग लीकाई में मेराखोंग नाले पर बने पक्के पुल का निर्माण भी अनुमानित 2 करोड़ रुपए की लागत से किया गया। उद्घाटन कार्यक्रम में विधायक एस राजेन सिंह (लामसांग एसी), विधायक ख. इबोमचा सिंह (लामलाई एसी), मुख्य अभियंता (पीडब्ल्यूडी) चोंगथम बिश्वचंद्र सिंह, विभिन्न विभागों के अधिकारी और स्थानीय निवासी उपस्थित थे।

असम में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की पर्याप्त उपलब्धता : ऑयल मार्केटिंग कंपनियां

गुवाहाटी (हिंस)। सार्वजनिक क्षेत्र की ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने असम में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की पर्याप्त उपलब्धता होने का आश्वासन दिया है। कंपनियों ने कहा कि राज्य में ईंधन आपूर्ति की स्थिति पूरी तरह स्थिर और पर्याप्त है। शुक्रवार को जारी संयुक्त बयान में इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन, भारत पैट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड और हिंदुस्तान पैट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड ने कहा कि टर्मिनल, डिपो, पेट्रोल पंप तथा एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटरशिप सहित पूरी आपूर्ति श्रृंखला बिना किसी बाधा के सुचारु रूप से कार्य कर रही है। कंपनियों के अनुसार राज्यभर में ईंधन की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए स्टॉक की लगातार निगरानी की जा रही है तथा सभी स्थानों पर समय

पर आपूर्ति एवं पुनर्भरण का कार्य जारी है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे सामान्य रूप से ईंधन की खरीद जारी रखें और किसी प्रकार की घबराहट में अतिरिक्त खरीदारी न करें। साथ ही, लोगों से केवल कंपनियों द्वारा जारी आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करने का आग्रह किया गया है, ताकि ईंधन उपलब्धता को लेकर सही और प्रमाणित जानकारी प्राप्त हो सके।

अवैध खनन में शामिल दो माफिया गिरफ्तार, पत्थरों से भरे दो डंपर जब्त

कोकराझाड़ (विभास)। छठी वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), रानीगुली की बाह्य सीमा चौकी दादागिरी को प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर सीमा चौकी दादागिरी एवं वन विभाग देवश्री द्वारा संयुक्त अभियान चलाया गया। संयुक्त अभियान के दौरान भारत-भूटान सीमा स्तंभ संख्या 169/5 से लगभग 11 किलोमीटर भारत की ओर स्थित देवश्री क्षेत्र में संयुक्त नाका लगाया गया। अभियान के दौरान पत्थरों से भरे दो डम्परों के साथ अवैध खनन में संलिप्त दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। जब्त किए गए डम्परों सहित गिरफ्तार अभियुक्तों को अग्रिम विधिक कार्रवाई हेतु वन विभाग, देवश्री को सुपुर्द कर दिया गया है। छठी वाहिनी सशस्त्र सीमा बल द्वारा भारत-भूटान सीमा क्षेत्र में नियमित गश्त, निगरानी एवं सतर्कता बरती जा रही है, जिसके परिणामस्वरूप तस्करी एवं अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा रहा है। सशस्त्र सीमा बल भविष्य में भी सीमा क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा बनाए रखने हेतु प्रतिबद्ध है।

बकरीद से पहले धुबड़ी पुलिस का गो-तस्करी विरोधी अभियान

धुबड़ी (हिंस)। बकरीद की कुर्बानी के आगमन से पहले धुबड़ी पुलिस ने गो-तस्करी के खिलाफ विशेष अभियान चलाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। अभियान के दौरान पुलिस ने चार गो-धन को जब्त करने में सफलता हासिल की। जानकारी के अनुसार, ब्रह्मपुत्र नदी के पार कुन्तीरचर इलाके में नाव के जरिए यह अभियान चलाया गया। पुलिस टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए कई गो-धन को बरामद किया। यह अभियान धुबड़ी सदर थाना के प्रभारी अधिकारी प्रीतम दास के नेतृत्व में चलाया गया। पुलिस की इस कार्रवाई को क्षेत्र में गो-तस्करी रोकने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

नगांव के कठियातली विकासखंड में जनजातीय गौरव उत्सव आयोजित

200 लोगों को दी गई चिकित्सा सेवा

नगांव (निसं)। केंद्र सरकार के जनभागीदारी अभियान के तहत बुधवार को नगांव जिले के कठियातली विकासखंड अंतर्गत कठियातली और दक्षिण ननोई पंचायत में *जनजातीय गौरव उत्सव 2026* आयोजित किया गया। नगांव जिला प्रशासन की पहल पर आयोजित इस कार्यक्रम में लगभग दो सौ से अधिक मरीजों को आंखों सहित विभिन्न रोगों के उपचार हेतु दवाइयां उपलब्ध कराई गईं। इस कार्यक्रम में विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ. दीपांकर बोरा के नेतृत्व में स्वास्थ्यकर्मियों की एक टीम ने लगभग डेढ़ सौ मरीजों की स्वास्थ्य जांच की। ननोई गांव पंचायत की सचिव गीतांजलि मुदई ने कहा कि हमारे लिए बहुत अच्छा दिन है। दक्षिण ननोई पंचायत के छोटी कंदली ग्रांट गांव ने इस कार्यक्रम में भाग लिया है। केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्रालय के निर्देशानुसार आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य चाय जनजाति समुदाय के लोगों को सरकारी सुविधाओं के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने आगे कहा कि लोगों को आधार लिंकिंग को लेकर काफी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। यहां उस व्यवस्था को भी करने का प्रयास किया गया है। कृषि क्षेत्र में भी उन्हें कई समस्याएं हैं। हम प्रयास कर रहे हैं कि शिविर लगाकर एक साथ सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। लोगों से बातचीत भी की गई है। यहां आए अधिकांश लोग लाभान्वित हुए हैं। उनसे बातचीत कर यह जानकर अच्छा लगा कि वे इस पहल से संतुष्ट हैं। यह असम सरकार और हमारे विभाग की एक अच्छी पहल है। यह वर्ग ऐसा है जो स्वयं आगे बढ़कर सरकारी सुविधाओं का लाभ नहीं उठा पाता। यदि इस तरह जागरूक किया जाए तो वे काफी आगे बढ़ सकते हैं। उनके आगे बढ़ने से समाज भी आगे बढ़ेगा। कठियातली

पंचायत की सभानेत्री अंजना भुइयां ने कहा कि इस योजना के तहत उनके गांव का चयन किया गया है। उन्होंने कहा कि यहां काफी पिछड़े वर्ग के लोग रहते हैं। मुझे विश्वास है कि इस योजना से अनेक लोग लाभान्वित होंगे। इसके लिए सरकार को धन्यवाद देती हूं। वहीं, कठियातली पंचायत के सचिव राजीव देवगोस्वामी ने कहा कि हमारे कठियातली पंचायत अंतर्गत नामबर लालुंगगांव को जनजातीय गौरव दिवस के लिए चयनित किया गया था। कठियातली पंचायत के नामबर लालुंगगांव और दक्षिण ननोई पंचायत के छोटी कंदली ग्रांट गांव-दोनों स्थानों पर शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इस कार्यक्रम के माध्यम से आदिवासी समुदाय के लोगों को स्वास्थ्य जांच, नेत्र जांच सहित विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। लोगों से संवाद भी किया गया है और उन्होंने लाभ मिलने की बात कही है। पिछले वर्ष भी इस शिविर का आयोजन किया गया था और इस वर्ष भी सरकारी निर्देशानुसार इसे चलाया जा रहा है। जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी विकास शर्मा ने बताया कि जिले के अन्य क्षेत्रों में भी 18 मई से 25 मई तक यह अभियान चलाया जाएगा।

संपादकीय

प्रधानमंत्री 'गद्दार' नहीं

राहुल गांधी लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं। दूसरा सबसे महत्वपूर्ण और संवैधानिक पद...! प्रोटोकॉल और राजनीति के लिहाज से नेता प्रतिपक्ष को 'छाया प्रधानमंत्री' माना जाता है। प्रधानमंत्री के बाद नेता विपक्ष के संसदीय दल के पक्ष में ही सर्वाधिक जनादेश होता है, लिहाजा इस सम्मान, प्रतिष्ठा की गरिमा रखी जानी चाहिए, लेकिन देश के तीसरी बार निर्वाचित प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह को सार्वजनिक तौर पर 'गद्दार' कहकर राहुल गांधी ने 'लाल लकीर' पार कर दी है। जब प्रधानमंत्री मोदी विदेश में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हों और नेता प्रतिपक्ष उन्हें 'गद्दार' करार दें, तो भारत भी अपमानित हुआ है। प्रधानमंत्री कभी भी 'गद्दार' नहीं हो सकते, क्योंकि उन्हें जनादेश हासिल है, बेशक आप उनका नीतिपरक विरोध कर सकते हैं। राहुल के 'गद्दार' अपशब्द से देश की 147 करोड़ से अधिक आबादी भी अपमानित हुई है। यकीनन यह निंदनीय, शर्मनाक, असंसदीय, असंवैधानिक और अमर्यादित अपशब्द है। हम भी मानते हैं और बराबर विश्लेषण कर रहे हैं कि देश में आर्थिक, तेल, खाद के संकट हैं, किल्लत है, लेकिन कोई 'आर्थिक तूफान' आ रहा है, इससे हम सहमत नहीं हैं। यदि विपक्ष के नेता के तौर पर राहुल गांधी के भीतर गुस्सा, आक्रोश है, किसान, युवा, महिलाएं, मजदूर, छोटे व्यापारी वाकई रो रहे हैं, तो प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और आरएसएस को 'गद्दार' की गाली देने के बजाय उन्हें जन-आंदोलन खड़ा करने का आह्वान करना चाहिए था। विपक्षी नेता राहुल गांधी 'वैकल्पिक आर्थिक हालात' का प्रारूप देश के सामने पेश कर सकते थे, लेकिन वह 'तू-तड़ाक' की भाषा पर उतर आए। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री के लिए अपमानजनक भाषा में कहा- 'एक दिन प्रधानमंत्री टीवी पर आएगा और फिर रोयेगा। जिस तरह कोविड में रोया था, उसी तरह फिर रोयेगा और देश से माफी मांगेगा।' यह एक राष्ट्रीय, लोकतांत्रिक नेता की भाषा नहीं है, बल्कि राहुल की सामंतवादी सोच ऐसा बुलवा रही है। इसी सोच के मद्देनजर उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के लिए 'चौकीदार चोर है' जुमला 2019 में उछाला था। उस लोकसभा चुनाव में कांग्रेस किस रसातल तक लुढ़क आई थी, राहुल गांधी को आज भी याद होगा। देश के युवा प्रधानमंत्री मोदी को डंडे मारेंगे, यह भी सार्वजनिक बयान दिया था। राहुल ने प्रधानमंत्री को 'पनौती' और सैनिकों के 'खून की दलाली' करने वाला भी कहा था। राहुल की यह जुबान लगातार चुनाव हारने की कुंठा और हताशा हो सकती है, लेकिन नियंत्रण खुद राहुल गांधी को करना है। आज वह नेता प्रतिपक्ष हैं। कल ऐसे राजनीतिक समीकरण बन सकते हैं कि समूचा विपक्ष उन्हें 'प्रधानमंत्री का उम्मीदवार' घोषित कर दे, लिहाजा उन्हें 'आदतन अपशब्दों' के आचरण से बचना होगा और अपना व्यक्तित्व, बयानों, आह्वानों को गंभीर, तार्किक, देशहित में करना होगा। देश तभी उन्हें 'वैकल्पिक प्रधानमंत्री' के रूप में देखना शुरू कर सकता है। सिर्फ मोदी-विरोध की नफरती सियासत से वह कभी भी प्रधानमंत्री नहीं बन सकते, यह हमारा मूल्यांकन और विश्लेषण है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी प्रधानमंत्री के लिए 'जहरीला सांप' और '100 सिर वाला रावण' अपशब्दों के इस्तेमाल किए थे। ऐसा कांग्रेस और उसके नेताओं के लिए 'आदतन' नहीं है, दरअसल ये प्रधानमंत्री मोदी से नफरत करते हैं और 12 साल की सत्ता के बावजूद 'आपका प्रधानमंत्री' करार देते हैं। राहुल गांधी ने यह भी कहा कि यदि संघ के लोग आपके पास आएं और मोदी-शाह की बात करें, तो उनसे कहिए कि आपके प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और संगठन 'गद्दार' हैं। उन्होंने हिंदुस्तान बेचा है। हमारे संविधान, अंबेडकर जी, गांधी जी पर हमले किए हैं। देश और संविधान किसे बेचा है? देश आज भी मौजूद है और उसकी लोकसभा में राहुल गांधी नेता प्रतिपक्ष हैं। कांग्रेस के भीतर एक जमात ऐसी भी है, जिसके कुछ नेताओं ने प्रधानमंत्री मोदी के लिए 'नीच', 'दानव', 'यमदूत', 'भस्मासुर', 'बिच्छू', 'सांप', 'अनपढ़', 'बंदर', 'राक्षस' सरीखे अपशब्दों का प्रयोग किया है। इनसे देश और पार्टी को तो कोई राजनीतिक फायदा नहीं हुआ। दरअसल राहुल गांधी 22 लंबे सालों से सांसद होने के बावजूद यह सामान्य-सी बात समझ नहीं पाए हैं कि राजनीति की अपनी भाषा होती है, आलोचना-निंदा के ये मायने नहीं होते कि गालियां दी जाएं। उन्होंने अपने लिए एक आवरण बना रखा है, एक मिथ गढ़ रखा है, उसी के भीतर वह आचरण करते रहते हैं। किसी को गद्दार कहने से देश का भला होने वाला नहीं है।

प्रधानमंत्री के बाद नेता विपक्ष के संसदीय दल के पक्ष में ही सर्वाधिक जनादेश होता है, लिहाजा इस सम्मान, प्रतिष्ठा की गरिमा रखी जानी चाहिए, लेकिन देश के तीसरी बार निर्वाचित प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह को सार्वजनिक तौर पर 'गद्दार' कहकर राहुल गांधी ने 'लाल लकीर' पार कर दी है। जब प्रधानमंत्री मोदी विदेश में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हों और नेता प्रतिपक्ष उन्हें 'गद्दार' करार दें, तो भारत भी अपमानित हुआ है। प्रधानमंत्री कभी भी 'गद्दार' नहीं हो सकते, क्योंकि उन्हें जनादेश हासिल है, बेशक आप उनका नीतिपरक विरोध कर सकते हैं। राहुल के 'गद्दार' अपशब्द से देश की 147 करोड़ से अधिक आबादी भी अपमानित हुई है। यकीनन यह निंदनीय, शर्मनाक, असंसदीय, असंवैधानिक और अमर्यादित अपशब्द है। हम भी मानते हैं और बराबर विश्लेषण कर रहे हैं कि देश में आर्थिक, तेल, खाद के संकट हैं, किल्लत है, लेकिन कोई 'आर्थिक तूफान' आ रहा है, इससे हम सहमत नहीं हैं। यदि विपक्ष के नेता के तौर पर राहुल गांधी के भीतर गुस्सा, आक्रोश है, किसान, युवा, महिलाएं, मजदूर, छोटे व्यापारी वाकई रो रहे हैं, तो प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और आरएसएस को 'गद्दार' की गाली देने के बजाय उन्हें जन-आंदोलन खड़ा करने का आह्वान करना चाहिए था।

सनातन केवल एक धार्मिक शब्द नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता की सांस्कृतिक चेतना, जीवन-दर्शन और मूल्य परंपरा का प्रतीक है

राजनीति सनातन विरोध की बजाय आममुद्दों पर केंद्रित हो

भारतीय राजनीति के वर्तमान परिदृश्य में एक ऐसा विमर्श लगातार उभर रहा है, जिसने राजनीतिक बहस को विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक न्याय जैसे मूल प्रश्नों से हटाकर धार्मिक पहचान और आस्था के इर्द-गिर्द खड़ा कर दिया है। यह विमर्श है-सनातन समर्थन बनाम सनातन विरोध। आज देश में एक ओर सनातन संस्कृति को भारतीय जीवन का शाश्वत आधार मानने वाली शक्तियां हैं, तो दूसरी ओर कुछ राजनीतिक वक्तव्य और प्रवृत्तियां ऐसी दिखती हैं जिन्हें जनमानस सनातन विरोध के रूप में देखता है। प्रश्न यह नहीं कि किसी विचारधारा से सहमति या असहमति क्यों है, बल्कि प्रश्न यह है कि क्या राजनीति का केंद्र धर्म होना चाहिए या जनजीवन के वास्तविक मुद्दे? भारत का लोकतंत्र धर्मनिरपेक्ष संविधान पर आधारित है, जहां राज्य का कार्य किसी धर्म का पक्ष या विरोध नहीं, बल्कि सभी नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करना है। राजनीतिक दलों का दायित्व भी यही होना चाहिए कि वे जनता की समस्याओं, विकास और राष्ट्रीय एकता को प्राथमिकता दें। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में धार्मिक विमर्श राजनीति का बड़ा केंद्र बन गया है। सनातन केवल एक धार्मिक शब्द नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता की सांस्कृतिक चेतना, जीवन-दर्शन और मूल्य परंपरा का प्रतीक है। "सत्यं वद, धर्मं चर", "वसुधैव कुटुम्बकम्", "सर्वे भवन्तु सुखिनः" जैसे सूत्र इसी सनातन दृष्टि के अंग हैं। इसलिए जब कोई राजनीतिक वक्तव्य सनातन को लेकर अपमानजनक या आक्रामक भाषा का उपयोग करता है, तो उसका प्रभाव केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और भावनात्मक स्तर पर भी पड़ता है। तमिलनाडु में द्रमुक नेता उदयनिधि स्टालिन द्वारा सनातन धर्म की तुलना बीमारी से करने वाला वक्तव्य इसी कारण व्यापक विवाद का कारण बना। विपक्ष के अनेक दलों ने उससे दूरी बनाने का प्रयास किया, क्योंकि यह स्पष्ट था कि भारत जैसे देश में करोड़ों लोगों की आस्था को आहत करने वाला कथन राजनीतिक रूप से भी असहज स्थिति उत्पन्न करेगा। यहां यह समझना आवश्यक है कि द्रविड़ आंदोलन की अपनी ऐतिहासिक और सामाजिक पृष्ठभूमि रही है। उसका मूल संघर्ष सामाजिक विषमताओं और जातीय वर्चस्व के विरुद्ध था। लेकिन जब सामाजिक सुधार का विमर्श पूरे धर्म या संस्कृति के विरोध जैसा प्रतीत होने लगे, तब वह जनस्वीकृति खो देता है। यह भी सत्य है कि अनेक विपक्षी दल स्वयं को सनातन विरोधी नहीं, बल्कि सामाजिक कुरीतियों, जातिवाद और भेदभाव के विरोधी बताते हैं। उनका तर्क है कि वे सामाजिक न्याय और संवैधानिक मूल्यों की बात करते हैं। यह दृष्टि लोकतंत्र में स्वीकार्य है, क्योंकि हर परंपरा में आत्मसमीक्षा और सुधार की आवश्यकता होती है। स्वयं भारतीय दर्शन में भी संवाद, बहस और आत्मचिंतन की परंपरा रही है। बुद्ध, महावीर, कबीर, नानक, दयानंद और गांधी-सभी ने समाज की विसंगतियों पर प्रश्न उठाए, लेकिन उन्होंने समाज को तोड़ने नहीं, सुधारने का मार्ग चुना।

समस्या तब उत्पन्न होती है जब राजनीतिक भाषा संतुलन खो देती है। जब आलोचना सुधार की जगह अस्वीकार की भाषा बन जाती है, तब वह समाज में ध्रुवीकरण को जन्म देती है। भारत जैसे बहुलतावादी देश में यह प्रवृत्ति लोकतांत्रिक स्वास्थ्य के लिए उचित नहीं कही जा सकती। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में भारतीय राजनीति में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और हिंदुत्व का विमर्श अधिक प्रभावी होकर उभरा है। राम मंदिर निर्माण, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, महाकाल लोक, सांस्कृतिक धरोहरों के पुनरुत्थान जैसे विषयों ने एक बड़े वर्ग में सांस्कृतिक आत्मविश्वास को मजबूत किया है। इससे भारतीय जनता पार्टी को राजनीतिक लाभ भी मिला। दूसरी ओर विपक्षी दल इस बदलते राजनीतिक मानस को समझने में कई बार असहज दिखाई दिए। कहीं उन्होंने धर्मनिरपेक्षता और आस्था के बीच संतुलन बनाने में चूक की, तो कहीं उनके कुछ नेताओं के बयान उन्हें कठिन स्थिति में ले आए। उत्तर प्रदेश से लेकर पश्चिम बंगाल तक चुनावी राजनीति में यह देखा गया कि केवल जातीय समीकरण या पारंपरिक वोट बैंक अब पर्याप्त नहीं हैं। जनता सांस्कृतिक पहचान, विकास और राष्ट्रीय विमर्श को भी महत्व देने लगी है। ऐसे में यदि कोई दल हिंदू आस्था के प्रति असंवेदनशील दिखता है, तो उसका राजनीतिक प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है। लेकिन इस पूरे विमर्श का दूसरा पक्ष भी है। क्या राजनीति का उद्देश्य केवल धार्मिक पहचान के आधार पर समर्थन जुटाना होना चाहिए? क्या देश के सामने मौजूद बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, कृषि संकट, आर्थिक असमानता और सामाजिक विघटन जैसे प्रश्न पीछे छूट जाने चाहिए? यह चिंता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। भारतीय राजनीति में पिछले कुछ वर्षों के दौरान धर्म, विशेषकर सनातन और हिंदू आस्था को लेकर कांग्रेस, सपा, बसपा, तृणमूल कांग्रेस, द्रमुक आदि विपक्षी दलों एवं उनके कुछ नेताओं द्वारा दिए गए बयानों को व्यापक जनसमुदाय ने सनातन पर आक्षेप या हिंदू भावनाओं के प्रति असंवेदनशीलता के रूप में देखा, जिसके राजनीतिक प्रभाव भी दिखाई दिए। किंतु इस विषय को केवल "हिंदू विरोध" बनाम "राजनीतिक विरोध" के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। भारत एक लोकतांत्रिक और बहुलतावादी राष्ट्र है, जहां किसी भी राजनीतिक दल को सरकार, नीतियों या नेतृत्व का विरोध करने का अधिकार है, लेकिन यदि वह विरोध आस्था, संस्कृति और बहुसंख्यक समाज की भावनाओं से टकराता हुआ प्रतीत हो, तो उसका राजनीतिक मूल्य चुकाना पड़ सकता है। यही कारण है कि कई दलों के लिए यह धारणा चुनौती बनी कि वे सत्ता-विरोध की राजनीति करते-करते सांस्कृतिक और धार्मिक संवेदनाओं से दूर हो गए हैं। भारत में सनातन केवल धार्मिक पहचान नहीं, बल्कि जीवन-दर्शन, परंपरा, संस्कृति, सहिष्णुता और सभ्यता का प्रतीक माना जाता है, इसलिए उसके प्रति असावधान भाषा या नकारात्मक संकेत जनमानस में प्रतिकूल प्रतिक्रिया उत्पन्न करते रहे हैं। दूसरी ओर लोकतंत्र की स्वस्थ परंपरा यह भी अपेक्षा करती है कि राजनीतिक विमर्श व्यक्तियों, नीतियों और शासन के मुद्दों पर केंद्रित रहे, न कि धार्मिक ध्रुवीकरण पर। राजनीतिक दलों के लिए यह आवश्यक है कि वे मतभेद रखें, आलोचना करें, लेकिन भारतीय समाज की सांस्कृतिक चेतना, धार्मिक संवेदनशीलता और आस्था के सम्मान का संतुलन बनाए रखें, क्योंकि जनता अंततः उसी नेतृत्व को स्वीकार करती है जो उसकी भावनाओं, परंपराओं और राष्ट्रीय मानस को समझने का प्रयास करता है। भारत की राजनीति को "धर्म बनाम धर्म" की लड़ाई से ऊपर उठकर "जन बनाम जनसमस्या" के विमर्श की ओर बढ़ना होगा। राजनीतिक दलों को यह समझना होगा कि जनता मंदिर भी चाहती है और रोजगार भी, आस्था भी चाहती है और अवसर भी, संस्कृति भी चाहती है और आधुनिकता भी। केवल धार्मिक ध्रुवीकरण किसी राष्ट्र की स्थायी प्रगति का आधार नहीं बन सकता। आज आवश्यकता है कि राजनीतिक दल सनातन विरोध या हिंदू विरोध जैसे आरोप-प्रत्यारोपों की राजनीति से बाहर निकलें। यदि किसी परंपरा में सुधार की बात करनी है, तो वह सम्मानजनक भाषा और रचनात्मक दृष्टि से हो। सामाजिक न्याय का अर्थ सांस्कृतिक अस्वीकार नहीं होना चाहिए और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का अर्थ अन्य दृष्टियों का निषेध भी नहीं होना चाहिए। भारतीय सभ्यता की शक्ति उसकी विविधता और सहिष्णुता रही है। यहां शंकराचार्य भी हैं, बुद्ध भी हैं, महावीर भी हैं, कबीर भी हैं, वेद भी हैं और संविधान भी। भारत ने सदैव संवाद को संघर्ष से ऊपर रखा है। इसलिए राजनीति का भी दायित्व है कि वह समाज को जोड़ने वाली भाषा बोले। आज जब विश्व संघर्षों, सांस्कृतिक तनावों और पहचान की राजनीति से जूझ रहा है, तब भारत के पास "वसुधैव कुटुम्बकम्" का संदेश है। यही सनातन का वास्तविक स्वरूप भी है-समावेश, करुणा और सहअस्तित्व। राजनीतिक दलों को आत्ममंथन करना होगा कि वे जनता को किस दिशा में ले जाना चाहते हैं- धार्मिक टकराव की ओर या राष्ट्रीय निर्माण की ओर? यदि राजनीति केवल आस्था के विवादों में उलझी रही, तो जनजीवन के वास्तविक प्रश्न पीछे छूट जाएंगे।

राजनीतिक बहस को विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक न्याय जैसे मूल प्रश्नों से हटाकर धार्मिक पहचान और आस्था के इर्द-गिर्द खड़ा कर दिया है। यह विमर्श है-सनातन समर्थन बनाम सनातन विरोध। आज देश में एक ओर सनातन संस्कृति को भारतीय जीवन का शाश्वत आधार मानने वाली शक्तियां हैं, तो दूसरी ओर कुछ राजनीतिक वक्तव्य और प्रवृत्तियां ऐसी दिखती हैं जिन्हें जनमानस सनातन विरोध के रूप में देखता है। प्रश्न यह नहीं कि किसी विचारधारा से सहमति या असहमति क्यों है, बल्कि प्रश्न यह है कि क्या राजनीति का केंद्र धर्म होना चाहिए या जनजीवन के वास्तविक मुद्दे? भारत का लोकतंत्र धर्मनिरपेक्ष संविधान पर आधारित है, जहां राज्य का कार्य किसी धर्म का पक्ष या विरोध नहीं, बल्कि सभी नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करना है। राजनीतिक दलों का दायित्व भी यही होना चाहिए कि वे जनता की समस्याओं, विकास और राष्ट्रीय एकता को प्राथमिकता दें। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में धार्मिक विमर्श राजनीति का बड़ा केंद्र बन गया है।

देश दुनीया से

राहुल गांधी का नया रास्ता

राहुल गांधी ने उत्तर प्रदेश में एक सभा में सार्वजनिक रूप से नरेंद्र मोदी, अमित शाह और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ पर एक गंभीर आरोप लगाया है। राहुल गांधी ने कहा कि ये तीनों राष्ट्र के गद्दार हैं। इसका सबूत के रूप में उन्होंने कहा कि ये बाबा साहिब अंबेडकर के बनाए संविधान को नष्ट कर रहे हैं। इस पर चर्चा करने से पहले यह विचार करना लाजिमी है कि आखिर राहुल गांधी के इस आरोप पर चर्चा करना जरूरी क्यों है? क्या कोई कुछ भी बोलेगा तो जरूरी है कि उसका उत्तर दिया जाए? राहुल गांधी क्या 'कोई भी' की कैटेगरी में आते हैं? इसका उत्तर सकारात्मक व नकारात्मक दोनों हो सकता है। यदि कोई अनर्गल प्रलाप करता है तो कई बार डाक्टर भी कह देते हैं कि इसकी बात को गंभीरता से लेने की जरूरत नहीं है। इसकी स्थिति ठीक नहीं है। लेकिन दिक्कत यह है कि जो अनर्गल प्रलाप कर रहा है, वह भारत की लोक सभा में विपक्षी नेता भी है। यानी वह भारत के विपक्ष का प्रतिनिधित्व करता है। दूसरे वह उस राज परिवार का चिराग है जिसने लंबे अर्से तक भारत पर राज किया है। इसलिए उसकी बात का जवाब देना जरूरी हो जाता है। सबसे पहले संघ पर राष्ट्रद्रोही होने की बात, इसमें नरेंद्र मोदी और अमित शाह भी शुमार हैं क्योंकि वे भी संघ के स्वयंसेवक ही हैं। भारत एक प्राचीन राष्ट्र है, उतना सभी मानते हैं। लेकिन इस अवधारणा से हृदय से जुड़ना पड़ता है। तभी राष्ट्र व्यक्ति के हृदय के भीतर से स्पंदित होता है। तभी भारत केवल भारत न रह कर भारत माता बनता है। पंडित जवाहर लाल नेहरू राष्ट्र के इस भाव को स्वीकारते थे। यह उनकी लिखी किताबों से जाहिर है। वे इस प्रकार की बातें अपनी बेटी इंदिरा गांधी को भी लिखा करते थे। लेकिन एटीएम (अरब, तुर्क, मुगल) मूल के मुसलमान भारत को एक राष्ट्र नहीं मानते थे। उनके लिए भारत, भारत माता नहीं थी, बल्कि भारत ऐसा देश था जिसे उनके पूर्वजों ने जीता था। लेकिन वे यह भी बखूबी जानते थे कि मुगलों से सत्ता अंग्रेजों ने छीन ली थी और अब उन्हें वापस मिलने वाली नहीं थी। लेकिन एटीएम के सात सौ साल के राज में भारत के बहुत से लोग भी सत्ता के जोर से इस्लाम में शामिल कर लिए गए थे। इसलिए

उनकी नई रणनीति थी कि मुसलमानों का एक नया संगठन बनाया जाए और एटीएम और देसी मुसलमानों के लिए भारत के एक हिस्से को तोड़ कर एक नया देश बनाया जाए जिस पर एटीएम मूल के मुसलमानों का राज हो। एटीएम ने इस काम के लिए 1905 में मुस्लिम लीग की स्थापना कर ली। मुस्लिम लीग भारत माता को खंडित करने के लिए डट गई। लेकिन कांग्रेस ने इसका विरोध किया। क्योंकि कांग्रेस भारत को भारत माता मानती थी, इसलिए उसको खंडित करने का तो सोच ही नहीं सकती थी। लेकिन फिर आया 1947 का समय। ब्रिटेन इस बात पर आमादा था कि वे भारत को तभी छोड़ेंगे जब कांग्रेस भी भारत को खंडित करने के लिए सहमत हो जाएगी। यदि कांग्रेस सहमत नहीं होती तो शायद स्वतंत्रता संग्राम और लंबा चलता। कांग्रेस इतिहास के उस मोड़ पर पहुंच गई थी जहां या तो उसे राष्ट्र से द्रोह कर भारत माता के दो टुकड़े करने की सहमति देनी थी या फिर स्वतंत्रता के लिए संघर्ष जारी रखना था ताकि राष्ट्र खंडित न हो। कांग्रेस ने पहला रास्ता चुना। राष्ट्र द्रोह का। उसने बाकायदा प्रस्ताव पारित किया कि वह भारत को दो टुकड़ों में विभाजित करने के लिए सहमत है। बाबा साहिब अंबेडकर ने कांग्रेस की इस फितरत का बहुत पहले अनुमान लगा लिया था। यही कारण था कि उन्होंने बहुत पहले ही कह दिया था कि मुझे शक है कि कांग्रेस देश की आजादी के लिए नहीं लड़ रही बल्कि वह सत्ता के लिए लड़ रही है। यही कारण है कि जब राष्ट्र और सत्ता में से एक चुनने का वक्त आया तो कांग्रेस ने राष्ट्र से द्रोह किया और सत्ता को चुना। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ने भारत विभाजन का अंत तक विरोध किया। अंबेडकर ने भी शायद अंदाजा लगा लिया था कि कुछ साल बाद कम से कम भारत के देसी मुसलमान समझ जाएंगे कि एटीएम ने ब्रिटेन से मिल कर उन्हें भारत विभाजन के अपने जाल में फंसा लिया था और उसके बाद वे भारत के साथ पुनः विलय की बात करेंगे। यही कारण है कि उन्होंने लिखा था कि हमें कम से कम दस साल तक ऐसी व्यवस्था कर लेनी चाहिए जिससे यदि पाकिस्तान चाहे तो पुनः वापस आ सके। लेकिन कांग्रेस को यह स्वीकार नहीं था। अलबत्ता इतना जरूर रहा कि कांग्रेस राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और बाबा साहिब अंबेडकर दोनों को ही अंग्रेजों के एजेंट कहने लगी। अंबेडकर के साथ कांग्रेस और खासकर पंडित जवाहर लाल नेहरू ने जो दुर्व्यवहार किया उसे राजनीति विज्ञान और इतिहास के सभी विद्यार्थी जानते हैं। अंबेडकर को लोकसभा चुनाव में पराजित करने के लिए जो हथकंडे अपनाए, उससे अंबेडकर को जितनी पीड़ा हुई थी, इसका जिक्र अनेक जगह मिलता है। नेहरू के दुर्व्यवहार के कारण तो अंबेडकर को विधि मंत्री के पद से इस्तीफा देना पड़ा। यहां तक कि नेहरू ने अंबेडकर को अपने इस्तीफे पर लोक सभा में वक्तव्य तक देने की अनुमति नहीं दी। तब बाबा साहिब को इस्तीफे के कारणों पर बाहर सार्वजनिक रूप से अपना पत्र छपवाना पड़ा। उस पत्र से ही साफ हो जाता है कि अंबेडकर की जिस नाव पर सवार होकर राहुल गांधी एक बार फिर सत्ता के जहाज तक पहुंचना चाहते हैं, किसी वक्त उस नाव को तोडने में जवाहर लाल नेहरू कितने मशगूल रहते थे। अब राष्ट्र द्रोह की अगली कड़ी। 1991 में भारत की लोक सभा के लिए चुनाव होने वाले थे। लंका के प्रभाकरण की पार्टी को लगता था कि राजीव गांधी की पार्टी जीत सकती है।

कुछ अलग

अहं का जन्म

लोग सोचते हैं कि कुछ करने के लिए आत्मविश्वास की जरूरत होती है, लेकिन आत्मविश्वास से भरे हुए आप मूर्खतापूर्ण काम भी कर सकते हैं। कुछ करने के लिए आपको आत्मविश्वास की जरूरत नहीं है, आपको बस जरूरत है समझदारी की। उचित तो यह होगा कि आप पहले उस काम को तौलें। अगर आप कर सकते हैं, तो आप उसे करेंगे, अगर नहीं कर सकते, तो नहीं करेंगे। आपको बस अपनी योग्यता के अनुसार काम करना चाहिए, न कि आत्मविश्वास की वजह से या उसकी कमी की वजह से। सिर्फ एक अहं ही है, जिसे आत्मविश्वास या उसकी कमी महसूस होती है। आखिर यह अहं है क्या? आप में अहं इसलिए नहीं आया, क्योंकि आपने कोई काम बहुत अच्छे ढंग से किया या आप अमीर बन गए, या आप सुंदर हो गए या आपने अपने शरीर को सुगठित बना लिया। जब आप पहली बार मां के पेट में लात चलाने लगे थे, तभी अहं का जन्म हो गया था। अपने स्थूल शरीर से स्वयं की पहचान बनाने की सबसे पहली गलती का मतलब है- अहं का जन्म। अहं एक रक्षात्मक प्रतिक्रिया है। इस नन्हे से शरीर से आपकी पहचान बनी ही इस वजह से कि आपको अपना वजूद बचाए रखना है, इस विशाल जगत में, जिसकी आपको इतनी भी समझ नहीं है कि यह कहां आरंभ होता है और कहां समाप्त? स्वयं को बस सुरक्षित बनाए रखने के लिए, आपको स्वयं को एक बड़े इंसान की तरह दिखाना पड़ता है। इसलिए, अहं पैदा हुआ है। यह एक झूठी हकीकत है। अगर यह 'कुछ और' कल सुबह शरीर से निकल जाए, तो इस शरीर को कोई छूना भी नहीं चाहेगा, जो एक लाश बन गया होगा। आज जब वह शरीर में है, हमें उसका ध्यान रखना चाहिए।

आप का नजरीया

मौसम का आक्रमण

तपते सूरज ने हिमाचल के परिवेश को लांघते हुए, गर्मी का जबरदस्त एहसास ही नहीं कराया, बल्कि पहाड़ों की रानी शिमला के गाल भी लाल कर दिए हैं। ऊना के तापमान में बढ़ोतरी को देखते हुए वहां 44 डिग्री सेल्सियस के नीचे तमाम बाधाएं और जीवन की सख्त परीक्षाएं शुरू हुई हैं। सिर्फ एक डिग्री पीछे बद्दी भी चुनौतियों का पिंड बना है। गर्मी की लहरें पांवटा साहिब, सोलन, बिलासपुर होते हुए समूचे प्रदेश को आहत किए हुए हैं, तो इसका असर जीवन और आर्थिकी पर भी पड़ रहा है। किसान, बागबान, छात्र समुदाय और उपभोक्ता परेशान हैं, तो इस परिस्थिति के लिए भी हम सभी जिम्मेदार हैं। भीषण गर्मी के आंचल में हिमाचल की शून्यताएं, लापरवाही और संवेदनहीनता दर्ज हो रही है। यहां मैदान से पहाड़ तक अगर तापमान हैरत में डाल रहा है, तो पर्वतीय परिवेश को कब्रगाह बनाने में हम ही दोषी हैं। कुछ नीतियों और विकास के प्रति हमारी भौतिक दृष्टि ने प्रकृति से असंतुलन पैदा कर दिए हैं। नतीजतन हम 68 प्रतिशत वन भूमि घोषित करके भी हवाओं का रुख गर्म कर रहे हैं या वनों की छांव से महरूम रह गए। विडंबना यह है कि चीड़ के जंगल उगाता रहा वन विभाग यह तय नहीं कर पाया कि इसके पेड़ सिर्फ गर्मियों के मौसम में पतझड़ करके चारों तरफ आग ही सुलगाएंगे। पहाड़ से चीड़ का रिश्ता केवल आंकड़ों में अच्छा साबित होता रहा। वन विभाग ने सत्तर के दशक से जिस वनीकरण को अपनाया, वह आज सूखे ठूंठ की तरह गर्मियों में माचिस की तीली बन रहा है। अभी खबरें इतनी भयंकर नहीं हुई, लेकिन पैंतीस डिग्री के ऊपर जब सूरज जंगलों को तपाएगा, तो परिवेश माचिस की डिब्बी बन जाएगा। वनों से हमारे मौसम के रिश्ते को सुदृढ़ करने के लिए चौड़ी पत्ती के पौधों को माकूल परवरिश चाहिए। हमारे पड़ोसी राज्य उत्तराखंड ने अदालती लड़ाई लड़ते हुए चीड़ के जंगलों को अलविदा कहने का रास्ता चुना और कुछ सफलता हासिल भी की। इसी तरह वन संरक्षण के मायने जंगल में चीड़ के पौधे गिनना नहीं, बल्कि परिवेश संरक्षण का नारा बुलंद करना होगा। हिमालयी हिमनद, ग्लेशियर, झीलों तथा नदी-नालों के लिए अगर परिवेश संरक्षण की अवधारणा व नीति-नियम सुदृढ़ नहीं होंगे, तो मौसम के आक्रमण हमारे जीने की छतरी को बर्बाद कर देंगे। हिमाचल में बढ़ती गर्मी का प्रकोप शिक्षा, कृषि-बागबानी, सिंचाई-जलापूर्ति और विद्युत आपूर्ति तक पहुंच गया है। ऐसे में सर्वप्रथम स्कूलों में बच्चों की उपस्थिति को सुरक्षित करने के लिए समयावधि के अलावा अन्य बचाव व राहत के उपायों पर जोर देना चाहिए। इसी तरह कृषि और बागबानी की जरूरत में जल संग्रहण और वितरण पर नए उपायों पर गौर करना होगा। विडंबना यह है कि हिमाचल का सारा जल हमने बड़ी बांध परियोजनाओं को देकर यह नहीं सोचा कि हमें सिंचाई व जलापूर्ति के लिए स्थायी बांध बनाने होंगे। हमारी गर्मी, हमारी बरसात का अलार्म है और भारी बरसात-अति सर्दी की सूचना बन जाते हैं। अतः मौसमों पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को देखते हुए हमारे कृषि-बागबानी विश्वविद्यालयों को नवाचार, तकनीक व उपयुक्त बीजों के लिए अनुसंधान के पैमाने बदलने होंगे। शिक्षा विभाग को भी गर्मी-बरसात और सर्दी के बदलते पैमानों के अनुरूप छुट्टियों के कैलेंडर दुरुस्त करने की जरूरत है।

ऊना के तापमान में बढ़ोतरी को देखते हुए वहां 44 डिग्री सेल्सियस के नीचे तमाम बाधाएं और जीवन की सख्त परीक्षाएं शुरू हुई हैं। सिर्फ एक डिग्री पीछे बद्दी भी चुनौतियों का पिंड बना है। गर्मी की लहरें पांवटा साहिब, सोलन, बिलासपुर होते हुए समूचे प्रदेश को आहत किए हुए हैं, तो इसका असर जीवन और आर्थिकी पर भी पड़ रहा है। किसान, बागबान, छात्र समुदाय और उपभोक्ता परेशान हैं, तो इस परिस्थिति के लिए भी हम सभी जिम्मेदार हैं। भीषण गर्मी के आंचल में हिमाचल की शून्यताएं, लापरवाही और संवेदनहीनता दर्ज हो रही है। यहां मैदान से पहाड़ तक अगर तापमान हैरत में डाल रहा है, तो पर्वतीय परिवेश को कब्रगाह बनाने में हम ही दोषी हैं। कुछ नीतियों और विकास के प्रति हमारी भौतिक दृष्टि ने प्रकृति से असंतुलन पैदा कर दिए हैं। नतीजतन हम 68 प्रतिशत वन भूमि घोषित करके भी हवाओं का रुख गर्म कर रहे हैं या वनों की छांव से महरूम रह गए। विडंबना यह है कि चीड़ के जंगल उगाता रहा वन विभाग यह तय नहीं कर पाया कि इसके पेड़ सिर्फ गर्मियों के मौसम में पतझड़ करके चारों तरफ आग ही सुलगाएंगे। पहाड़ से चीड़ का रिश्ता केवल आंकड़ों में अच्छा साबित होता रहा। वन विभाग ने सत्तर के दशक से जिस वनीकरण को अपनाया, वह आज सूखे ठूंठ की तरह गर्मियों में माचिस की तीली बन रहा है। अभी खबरें इतनी भयंकर नहीं हुई, लेकिन पैंतीस डिग्री के ऊपर जब सूरज जंगलों को तपाएगा, तो परिवेश माचिस की डिब्बी बन जाएगा।

दृष्टि कोण

डिजिटल युग में लोकतांत्रिक असहमति का नया स्वर

भारतीय लोकतंत्र में असहमति व्यक्त करने के तरीके समय के साथ बदलते रहे हैं। कभी स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान सत्याग्रह और धरने राजनीतिक प्रतिरोध के प्रमुख माध्यम थे, तो कभी साहित्य, रंगमंच और पत्रकारिता ने सत्ता से सवाल पूछने का कार्य किया। इक्कीसवीं सदी के तीसरे दशक में प्रवेश करते हुए यह परिदृश्य एक बार फिर बदलता दिखाई दे रहा है। आज सोशल मीडिया, मीम्स, व्यंग्य और डिजिटल अभियानों ने राजनीतिक अभिव्यक्ति के नए मंच तैयार कर दिए हैं। युवा पीढ़ी अब केवल सभाओं, रैलियों और ज्ञापनों तक सीमित नहीं है; वह अपने विचारों को इंटरनेट की दुनिया में नए प्रतीकों और नई भाषा के माध्यम से सामने ला रही है। मई 2026 में अचानक चर्चा में आई "कॉकरोच जनता पार्टी" इसी बदलते राजनीतिक और सामाजिक यथार्थ का एक महत्वपूर्ण उदाहरण है। पहली दृष्टि में यह एक हास्यास्पद नाम प्रतीत होता है। किसी राजनीतिक दल या आंदोलन का नाम "कॉकरोच" रखना सामान्य नहीं माना जा सकता। लेकिन राजनीति में प्रतीकों का महत्व हमेशा से रहा है। कई बार जो शब्द अपमान के लिए प्रयुक्त किए जाते हैं, वही प्रतिरोध और पहचान के प्रतीक बन जाते हैं। इतिहास में ऐसे अनेक उदाहरण मिलते हैं जब समाज के किसी वर्ग ने अपने ऊपर लगाए गए नकारात्मक विशेषणों को ही अपनी शक्ति में बदल दिया। कॉकरोच जनता पार्टी का उदय भी इसी प्रवृत्ति को दर्शाता है। यह केवल एक नाम नहीं, बल्कि उस मानसिकता के विरुद्ध व्यंग्यात्मक प्रतिक्रिया है जिसे युवा अपने प्रति उपेक्षापूर्ण मानते हैं। इस पूरे घटनाक्रम की शुरुआत एक न्यायिक टिप्पणी को लेकर उत्पन्न विवाद से हुई। सोशल मीडिया पर यह धारणा तेजी से फैली कि बेरोजगार युवाओं की तुलना कॉकरोच से की गई है। यद्यपि बाद में इस टिप्पणी के संदर्भ को लेकर स्पष्टीकरण भी सामने आए, लेकिन तब तक स्थिति बदल चुकी थी। युवाओं के एक बड़े वर्ग ने इस शब्द को अपने अपमान के प्रतीक के रूप में ग्रहण किया और

फिर उसी को प्रतिरोध के प्रतीक में बदल दिया। यह वही प्रक्रिया है जिसे आधुनिक राजनीतिक सिद्धांत में "रीक्लेमिंग द नैरेटिव" कहा जाता है—अर्थात जिस शब्द या पहचान का इस्तेमाल आपको कमजोर करने के लिए किया गया हो, उसे अपनी ताकत में बदल देना। सोशल मीडिया के युग में किसी विचार को जनांदोलन का रूप लेने में अब महीनों या वर्षों की आवश्यकता नहीं होती। कुछ घंटे और कुछ वायरल पोस्ट ही पर्याप्त होते हैं। कॉकरोच जनता पार्टी का उदय इसी डिजिटल युग की देन है। पूर्व राजनीतिक सोशल मीडिया कार्यकर्ता अभिजीत दीपके द्वारा इसकी घोषणा किए जाने के बाद देखते ही देखते लाखों लोग इससे जुड़ने लगे। इंस्टाग्राम, एक्स और अन्य प्लेटफॉर्मों पर इसके समर्थन में बड़ी संख्या में पोस्ट, मीम्स और वीडियो साझा किए जाने लगे। यह स्पष्ट संकेत था कि यह केवल एक मजाक नहीं है, बल्कि युवाओं के भीतर मौजूद किसी गहरी बेचैनी और असंतोष की अभिव्यक्ति है। भारत आज दुनिया की सबसे युवा आबादी वाले देशों में से एक है। यह जनसांख्यिकीय स्थिति देश के लिए अवसर भी है और चुनौती भी। अवसर इसलिए क्योंकि युवा ऊर्जा विकास की गति को तेज कर सकती है, और चुनौती इसलिए क्योंकि यदि इस ऊर्जा को सही दिशा न मिले तो असंतोष और निराशा बढ़ सकती है। पिछले कुछ वर्षों में रोजगार का प्रश्न भारतीय युवाओं के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बनकर उभरा है। लाखों छात्र वर्षों तक प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं, लेकिन भर्तियों में देरी, पेपर लीक, सीमित पदों और प्रशासनिक जटिलताओं के कारण उनका भविष्य अनिश्चित बना रहता है। निजी क्षेत्र में भी रोजगार की गुणवत्ता और स्थिरता को लेकर अनेक प्रश्न मौजूद हैं। ऐसे में युवाओं के भीतर व्यवस्था के प्रति असंतोष बढ़ना स्वाभाविक है। कॉकरोच जनता पार्टी की लोकप्रियता को इसी संदर्भ में समझना होगा। यह आंदोलन केवल एक टिप्पणी की प्रतिक्रिया नहीं है। यह उस व्यापक मनोदशा का परिणाम है जो लंबे समय से बन रही थी। बेरोजगारी, महंगाई, बढ़ती प्रतिस्पर्धा, मानसिक तनाव, सामाजिक अपेक्षाएँ और भविष्य की अनिश्चितता—इन सभी कारकों ने युवाओं के भीतर एक ऐसी बेचैनी पैदा की है जिसे पारंपरिक राजनीति पर्याप्त रूप से संबोधित नहीं कर सकी।

पंजाब निकाय चुनावों में बैलेट पेपर से मतदान पर रोक लगाने से हाई कोर्ट का इनकार

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने पंजाब में होने जा रहे नगर निगम, नगर परिषद और नगर पंचायत चुनावों में ईवीएम की जगह बैलेट पेपर से मतदान कराने के फैसले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया है। अदालत ने कहा कि चुनाव प्रक्रिया काफी आगे बढ़ चुकी है और याचिकाकर्ता बहुत देर से अदालत पहुंचे हैं। मुख्य न्यायाधीश शील नागू और न्यायमूर्ति संजीव बेरी की खंडपीठ ने शुक्रवार को याचिकाएं खारिज करते हुए कहा कि चुनाव कार्यक्रम 13 मई को जारी हो चुका था और नामांकन वापसी की अंतिम तिथि 19 मई निकल चुकी है। ऐसे में अब किसी प्रकार का आदेश या रिट जारी करना उचित नहीं होगा। हालांकि, अदालत ने याचिकाकर्ताओं को यह स्वतंत्रता दी कि वे चुनाव संपन्न होने के बाद चुनाव याचिका दायर कर चुनाव प्रक्रिया को चुनौती दे सकते हैं। यह मामला उन याचिकाओं से जुड़ा था, जिनमें पंजाब निकाय चुनावों में ईवीएम के बजाय बैलेट पेपर से मतदान कराने के फैसले को चुनौती दी गई थी। याचिकाकर्ताओं ने इसे *पुराने दौर में वापसी* बताते हुए कहा था कि संवैधानिक अदालतें पहले ही ईवीएम की वैधता को बरकरार रख चुकी हैं। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के *एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स बनाम चुनाव आयोग* फैसले का हवाला देते हुए तर्क दिया कि ईवीएम प्रणाली पर सवाल उठाना लोकतांत्रिक प्रक्रिया को कमजोर करता है। सुनवाई के दौरान चुनाव आयोग की ओर से अदालत को बताया गया था कि राजस्थान से पंजाब के लिए ईवीएम मशीनें पहले ही भेजी जा चुकी थीं और उनकी कमीशनिंग का काम एक दिन में पूरा किया जा सकता था। चुनाव आयोग के वकील प्रतीक गुप्ता ने कहा था कि अब सिर्फ पंजाब राज्य चुनाव आयोग को मशीनें प्राप्त करने के लिए स्थान और अधिकृत अधिकारी तय करना था। पंजाब सरकार की ओर से महाधिवक्ता मनींदरजीत बेदी ने याचिकाओं की सुनवाई योग्य होने पर ही सवाल उठाए थे। उन्होंने अदालत को बताया कि चुनाव अधिसूचना जारी होने के बाद चुनाव प्रक्रिया में दखल नहीं दिया जा सकता। साथ ही बैलेट पेपर की छपाई का काम भी शुरू हो चुका है।

मंत्री मदन दिलावर का राहुल गांधी पर तीखा हमला

बोले, देश विरोधियों के सरगना

कोटा (हिंस)। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोलते हुए उन्हें देश विरोधियों का सरगना बताया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी विदेशों में जाकर देश की छवि खराब करते हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ अभद्र टिप्पणियां करते हैं। मंत्री दिलावर शुक्रवार को रामगंजमंडी में 200 बेड के नए जिला अस्पताल के भूमि पूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान ओम बिरला भी मौजूद रहे। सभा को संबोधित करते हुए दिलावर ने कहा कि राहुल गांधी देश को तोड़ने और विदेशों में भारत की बुराई करने का काम करते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी आतंकवादियों के प्रति सहानुभूति रखते हैं और प्रधानमंत्री को गद्दार, चोर और बेईमान कहते हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी से नीच और निकम्मा इस देश में कोई दूसरा व्यक्ति नहीं हो सकता। यह देश के साथ गद्दारी है। मंत्री दिलावर ने अपने भाषण में बटला हाउस एनकाउंटर का जिक्र करते हुए कहा कि राहुल गांधी ने खुद कहा था कि आतंकवादियों की मौत पर उनकी मां रातभर रोती रहीं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस हमेशा देश विरोधी ताकतों का समर्थन करती रही है। मदन दिलावर ने कहा कि देश की जनता कभी भी आतंकवादियों या गद्दारों के हाथ में सत्ता नहीं सौंपेगी। उन्होंने दावा किया कि लगातार चुनावों में हार के बाद कांग्रेस बौखला गई है। उन्होंने पश्चिम बंगाल सहित कई राज्यों में कांग्रेस की हार का जिक्र करते हुए कहा कि देश में राष्ट्रवादी सोच मजबूत हो रही है और जनता देशभक्त नेतृत्व के साथ खड़ी है। दिलावर ने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का रास्ता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में साफ हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने मंदिर निर्माण रोकने की कोशिश की, लेकिन अंतत: करोड़ों श्रद्धालुओं का सपना पूरा हुआ। इसके अलावा उन्होंने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने का जिक्र करते हुए कहा कि अब वहां अनुसूचित जाति वर्ग और महिलाओं को आरक्षण तथा हिंदुओं को मतदान का अधिकार मिला है। कार्यक्रम में ओम बिरला और मंत्री दिलावर ने नए जिला अस्पताल का भूमि पूजन किया। करीब 63.60 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाला यह 200 बेड का अस्पताल डेढ़ साल में तैयार होने की उम्मीद है। अस्पताल बनने से रामगंजमंडी और आसपास के क्षेत्रों के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकेंगी।

भारत में अवैध रूप से दाखिल दो पाकिस्तानी नागरिकों को बीएसएफ ने पकड़ा

चंडीगढ़ (हिंस)। बीएसएफ के जवानों ने भारत-पाकिस्तान सीमा से अवैध रूप से भारतीय क्षेत्र में दाखिल हुए दो पाकिस्तानी नागरिकों को उनकी निजी गाड़ी समेत पकड़ा है। दोनों व्यक्ति लाहौर के रहने वाले बताए जा रहे हैं और फिलहाल उनसे गहन पूछताछ की जा रही है। बीएसएफ के अनुसार दोनों पाकिस्तानी नागरिक पाकिस्तान के कसूर इलाके में दुकानों पर अलग-अलग तरह का सामान सप्लाई करने का काम करते थे। वे अपनी निजी गाड़ी में सवार होकर सीमा क्षेत्र की तरफ आए और गलती या अन्य कारणों से भारतीय सीमा में प्रवेश कर गए, जहां सीमा पर तैनात बीएसएफ जवानों ने उन्हें पकड़ लिया। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान मोहम्मद लाहौर के नास्टर कॉलोनी, फिरोजपुर रोड निवासी सलीम पुत्र नजीर अहमद (उम्र 60 वर्ष) और जसहीन टाउन, गज्जी रोड निवासी अमीर नवाज पुत्र मोहम्मद नवाज के रूप में हुई है। बीएसएफ के अधिकारियों ने जीरो लाइन पर खड़े होकर पाकिस्तान रेंजर्स के अधिकारियों को भी इस घटना की जानकारी दे दी है। फिलहाल दोनों पाकिस्तानी नागरिकों से अमृतसर सेक्टर में बीएसएफ के वरिष्ठ अधिकारी गहन पूछताछ कर रहे हैं।

पुलिस कांस्टेबल भर्ती मामला : रिव्यू बोर्ड में चयनित 41 अभ्यर्थियों का दस्तावेज सत्यापन 26 मई को

जयपुर (हिंस)। पुलिस कमिश्नरेट जयपुर में कांस्टेबल सामान्य ड्यूटी के पदों पर रिव्यू चयन बोर्ड द्वारा अंतिम रूप से चयनित किए गए 41 अभ्यर्थियों की सूची जारी कर दी गई है। इन सभी चयनित अभ्यर्थियों के मूल दस्तावेजों का सत्यापन और स्वास्थ्य परीक्षण आगामी 26 मई 2026 को सुबह 9 बजे से किया जाएगा। पुलिस उपायुक्त मुख्यालय जयपुर पुलिस कमिश्नरेट राजेश कावंत ने बताया कि कांस्टेबल सामान्य ड्यूटी के कुल 674 रिक्त पदों पर भर्ती के लिए लिखित परीक्षा और शारीरिक दक्षता परीक्षा आयोजित की गई थी। पूर्व में चयनित अभ्यर्थियों में से कई उम्मीदवारों के दस्तावेज सत्यापन व स्वास्थ्य परीक्षण में अनुपस्थित रहने, नियुक्ति के अनिच्छुक होने, अन्यत्र नियोजन, स्वास्थ्य परीक्षण में स्थाई रूप से अयोग्य होने, आपराधिक प्रकरणों में अपात्र पाए जाने और खेल कोटे जैसे विभिन्न कारणों से पद रिक्त रह गए थे। इन रिक्त पदों को भरने के लिए रिव्यू चयन बोर्ड का गठन कर 41 नए अभ्यर्थियों का अंतिम रूप से चयन किया गया है। इस रिव्यू में चयनित सभी 41 अभ्यर्थियों को 26 मई 2026 को प्रात: 06 रिजर्व पुलिस लाइन चांदपोल जयपुर में अनिवार्य रूप से उपस्थित होना होगा। अभ्यर्थियों को अपने साथ ऑनलाइन आवेदन पत्र की प्रति, दो पासपोर्ट साइज रंगीन फोटो और विज्ञप्ति में वर्णित सभी आवश्यक मूल दस्तावेज (एजुकेशन सर्टिफिकेट, जाति प्रमाण पत्र, मूल निवास आदि) मय स्व-प्रमाणित प्रतियों के साथ लाने होंगे। चयनित अभ्यर्थियों को दस्तावेज सत्यापन के समय एक निर्धारित प्रारूप में इशारे/शपथ-पूर्वक घोषणा पत्र भी प्रस्तुत करना होगा। इस शपथ-पत्र में अभ्यर्थियों को यह प्रमाणित करना होगा कि पात्रता जांच और दस्तावेज सत्यापन के लिए अपलोड किए गए उनके सभी मूल दस्तावेज पूरी तरह वैध और असली हैं। यदि किसी भी स्तर पर कोई भी दस्तावेज कूटरचित (फर्जी) या तथ्य छुपाया हुआ पाया जाता है, तो राजस्थान पुलिस को संबंधित अभ्यर्थी की पात्रता निरस्त करने और उसके खिलाफ वैधानिक/कानूनी कार्रवाई करने का पूर्ण अधिकार होगा। पुलिस प्रशासन ने साफ चेतावनी दी है कि जो अभ्यर्थी निर्धारित तिथि 26 मई 2026 को दस्तावेज सत्यापन और स्वास्थ्य परीक्षण के लिए उपस्थित नहीं होंगे, उन्हें भविष्य में अन्य कोई अवसर नहीं दिया जाएगा। ऐसे अभ्यर्थियों को नियुक्ति का अनिच्छुक मानते हुए उनकी अभ्यर्थिता/पात्रता स्वत: ही निरस्त कर दी जाएगी। चयनित अभ्यर्थियों की विस्तृत सूची और विस्तृत निर्देश राजस्थान पुलिस की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध करा दिए गए हैं।

आवारा कुत्तों संबंधी सुप्रीम कोर्ट के आदेशों को लागू करेगी पंजाब सरकार : भगवंत सिंह मान

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के कई हिस्सों में आवारा कुत्तों के हमलों की बढ़ती घटनाओं को लेकर मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने शुक्रवार को कहा कि पंजाब सरकार आवारा कुत्तों के संबंध में सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों को पूरी तरह लागू करेगी। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि आवारा कुत्तों को अधिक भीड़भाड़ वाली जगहों से हटाया जाएगा और उनकी उचित देखभाल के लिए आवश्यक शेल्टर होम बनाए और संचालित किए जाएंगे। सुप्रीम कोर्ट के 19 मई को जारी निर्देशों का हवाला देते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब सरकार ने पूरे राज्य में इन आदेशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के लिए पहले ही आवश्यक निर्देश जारी कर दिए हैं। उन्होंने आगे कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसार आवारा कुत्तों को सभी अधिक भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक स्थानों से हटाया जाएगा, ताकि बच्चे, बुजुर्ग और परिवार बिना किसी डर के स्वतंत्र रूप से घूम सकें। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि पंजाब सरकार आवश्यक संख्या में डॉग शेल्टर (आश्रय गृह) बनाएगी, जहां आवारा कुत्तों की उचित तरीके से देखभाल की जा सकेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस कदम से पूरे पंजाब के लोगों को बड़ी राहत मिलेगी, क्योंकि आवारा कुत्तों की बढ़ती समस्या मानव जीवन के लिए गंभीर खतरा बन चुकी है। आवारा कुत्तों के हमलों की घटनाओं ने नागरिकों में व्यापक चिंता पैदा की है, जिसके कारण पंजाब सरकार के लिए इस मुद्दे पर निर्णायक कार्रवाई करना जरूरी हो गया था।

प्रधानमंत्री के सोना-चांदी खरीदारी संबंधी बयान के विरोध में स्वर्णकार समाज का प्रदर्शन

जौनपुर (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देशवासियों से सोना-चांदी की खरीदारी न करने की अपील के विरोध में शुक्रवार को जौनपुर के हनुमान घाट पर सोनार नरहरि सेना के बैनर तले स्वर्णकार समाज ने विशाल धरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में स्वर्णकार समाज के लोग, पदाधिकारी, कारीगर और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए। सभा को संबोधित करते हुए सोनार नरहरि सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार वर्मा ने कहा कि देशभर में लाखों परिवार सोना-चांदी के व्यवसाय से जुड़े हुए हैं और इसी से उनका जीवनयापन होता है। उन्होंने कहा कि यदि सोना-चांदी की खरीदारी प्रभावित होती है तो स्वर्णकार समाज के सामने रोजी-रोटी का गंभीर संकट खड़ा हो जाएगा। धर्मेंद्र कुमार वर्मा ने कहा कि स्वर्णकार समाज केवल व्यापार नहीं करता, बल्कि यह एक पारंपरिक कला और पीढ़ियों से चला आ रहा रोजगार है। उन्होंने सरकार से स्वर्णकार समाज की भावनाओं और हितों को ध्यान में रखने की मांग की। जौनपुर सराफा एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष अमर जौहरी ने कहा कि स्वर्णकार समाज हमेशा भारतीय जनता पार्टी का समर्थक रहा है, लेकिन यदि इस प्रकार के बयानों से सोना-चांदी का कारोबार प्रभावित होता है तो लाखों कारीगर, दुकानदार और मजदूर बेरोजगारी की समस्या से जूझने लगेंगे।धरना-प्रदर्शन के दौरान *जोर-जुल्म के टक्कर में संघर्ष हमारा नारा है* जैसे नारों से हनुमान घाट गूंज उठा। वक्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने स्वर्णकार समाज की समस्याओं और रोजगार को लेकर गंभीरता नहीं दिखाई तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा।

अननोन डेस्टिनेशंस और ऑफ-सीजन टूरिज्म को बढ़ावा देना पर्यटन विभाग की प्राथमिकता : उप मुख्यमंत्री

जयपुर (हिंस)। उप मुख्यमंत्री तथा पर्यटन मंत्री दीया कुमारी की अध्यक्षता में शुक्रवार को सचिवालय से पर्यटन सेक्टर के स्टेकहोल्डर्स के साथ वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से बैठक आयोजित हुई। पर्यटन सचिव शुचि त्यागी और पर्यटन आयुक्त रुक्मिणी रियार, अतिरिक्त निदेशक पर्यटन आनंद त्रिपाठी, पवन जैन सहित आरएटीओ प्रेजिडेंट महेन्द्र सिंह राठौड़, एवं शांभवी सिंह, एफएचटीआर प्रेजिडेंट सुरेंद्र सिंह शाहपुरा, एडीटीओआई प्रेजिडेंट हेम सिंह, एफआरटीओ प्रेजिडेंट योगेंद्र सिंह, एचआरएआर से तरुण बंसल एवं अधीरज सिंह, होटल फेडरेशन ऑफ राजस्थान के प्रेजिडेंट हुसैन खान एवं सचिव रणविजय सिंह, एचएफआर प्रेजिडेंट पवन मेहता एवं अन्य सम्बंधित स्टेकहोल्डर्स के साथ आयोजित वीडियो कांफ्रेंस में राजस्थान में वर्ष पर्यंत पर्यटन बनाए रखने पर चर्चा की गई। उप मुख्यमंत्री तथा पर्यटन मंत्री ने होटल एवं ट्रैवल इंडस्ट्री के स्टेकहोल्डर्स को सम्बोधित करते हुए कहा कि राजस्थान में पर्यटन को नए आयाम देने के लिए *अननोन डेस्टिनेशंस* और ऑफ-सीजन टूरिज्म पर विशेष फोकस किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पर्यटन विभाग फैसिलिटेटर की भूमिका में है जो होटल इंडस्ट्री और ट्रैवल इंडस्ट्री को बिजनेस बढ़ाने के लिए हर संभव सहयोग करेगा। उन्होंने स्टेकहोल्डर्स से आग्रह किया कि वे समय-समय पर सुझाव, प्लान और प्रपोजल लेकर आएं जिससे नए आइडिया के साथ काम किया जा सके। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि आज सबसे बड़ी आवश्यकता राजस्थान को *वर्षपर्यंत पर्यटन राज्य* के रूप में विकसित करने की है। इसके लिए ऑफ-सीजन के साथ साथ शोल्डर सीजन का भी प्रभावी उपयोग किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पीक सीजन में टूरिस्ट ओवरफ्लो की स्थिति रहती है, जबकि मानसून और शोल्डर मंथ्स में टूरिज्म कम रहता है। इन महीनों में शादियां और बड़े आयोजन भी कम होते हैं। ऐसे में ऑफ-सीजन और मानसून टूरिज्म को बढ़ाने के लिए ट्रैवल मार्ट्स, रोड शो और विशेष कैंपेन पर काम किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री ने स्टेकहोल्डर्स के सुझाव पर आश्वस्त किया कि अलग-अलग राज्यों में राजस्थान को प्रमोट करने के लिए रोड शो जल्द शुरू किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि राजस्थान में घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देने के अच्छे अवसर है। उन्होंने *हॉलीडे इन राजस्थान* और *विजिट माय स्टेट* जैसे विशेष अभियान चलाने का सुझाव देते हुए कहा कि इन्हें सोशल मीडिया के जरिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक रूप से प्रचारित किया जाए ताकि अधिकाधिक पर्यटक राजस्थान में अपनी यात्राएं प्लान करें। उप मुख्यमंत्री ने बैठक में कहा कि बांसवाड़ा, झालावाड़, कोटा और शेखावाटी जैसे क्षेत्रों में अभी पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। इन डेस्टिनेशंस को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रमोट करने के लिए विभाग तेजी से काम कर रहा है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले डेढ़ साल में पर्यटन विभाग की फॉरेन ट्रैवल मार्ट्स में भागीदारी बढ़ी है और आगे इसे और बढ़ाया जाएगा। विभाग का मानना है कि सिर्फ पार्टिसिपेशन से काम नहीं चलेगा। ट्रैवल मार्ट के दौरान लोकल टूर ऑपरेटर्स, ट्रैवल इन्फ्लुएंसर्स, मीडिया और एजेंट्स के साथ मीटिंग, कल्चरल इवनिंग, राजस्थानी खान-पान और प्रेजेंटेशन आयोजित कर *मेक द मोस्ट ऑफ इट* की रणनीति पर काम होगा। उन्होंने कहा कि चीन में आयोजित होने वाले ट्रैवल मार्ट में भी राजस्थान पर्यटन विभाग सहभागिता करेगा। दीया कुमारी ने स्टेकहोल्डर्स से अपील करते हुए कहा कि जब वे विदेशी ट्रैवल मार्ट्स में जाएं तो विभाग को सुझाव दें कि वहां और क्या इनक्लूड किया जा सकता है: लोकल एजेंट्स, मीडिया या इन्फ्लुएंसर्स के साथ बैठक, चाय पर चर्चा आदि। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यटकों की सुविधा के लिए कई मॉन्यूमेंट्स और सरकारी टूरिस्ट प्लेसेस को सुबह जल्दी और शाम को देर तक खोला जा रहा है। जहां सिक्योरिटी और लाइटिंग की व्यवस्था हो गई है, वहां इसे लागू कर दिया गया है। शेष स्थानों पर भी जल्द काम होगा। उन्होंने बताया कि पर्यटन विभाग का सोशल मीडिया और मीडिया कैंपेन जारी है। जल्द ही राजस्थान पर्यटन का नया कैंपेन लॉन्च किया जाएगा। उपमुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री की अपील का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्तमान जियोपॉलिटिकल स्थिति और फ्यूल सिचुएशन को देखते हुए कारपूलिंग और पब्लिक ट्रांसपोर्ट को बढ़ावा दिया जाए। दीया कुमारी ने कहा कि 2019 से पहले जितने विदेशी पर्यटक राजस्थान आते थे, अभी उसमें अंतर है। उसी स्थिति में राजस्थान को फिर से लाना है। इसके लिए हम सभी को मिलकर प्रयास करना होगा। एविएशन, रेल कनेक्टिविटी, टैक्स में रिडक्शन जैसे मुद्दों पर भारत सरकार के स्तर पर स्टेकहोल्डर्स के साथ मिलकर प्रयास किए जाएंगे।

वंदे मातरम को पूरे उत्तर प्रदेश में लागू किया जाना चाहिए : ओपी राजभर

आजमगढ़ (हिंस)। जिले के अतरौलिया निरीक्षण भवन में शुक्रवार को उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और विपक्षी राजनीति पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कांग्रेस नेताओं की मायावती से मुलाकात, राहुल गांधी के बयानों, ईवीएम विवाद, बिजली संकट और *वंदे मातरम्* जैसे मुद्दों पर खुलकर अपनी बात रखी। कांग्रेस नेताओं और बसपा सुप्रीमो मायावती की मुलाकात पर तंज कसते हुए राजभर ने कहा कि बिना समय लिए मायावती से मिलने पहुंचना केवल समाजवादी पार्टी पर दबाव बनाने और राजनीतिक सौदेबाजी का हिस्सा था। उन्होंने कहा कि बड़े नेताओं से मिलने के लिए समय लिया जाता है, लेकिन कांग्रेस का उद्देश्य सपा को यह संदेश देना था कि बसपा के साथ भी समझौते की संभावना बनी हुई है। वहीं राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह पर दिए गए बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए राजभर ने कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि ऐसे बयानों की वह निंदा करते हैं और आरोप लगाया कि राहुल गांधी विदेशों में जाकर भारत की छवि खराब करते हैं। ईवीएम को लेकर विपक्ष द्वारा उठाए जा रहे सवालों पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि यदि ईवीएम में गड़बड़ी है तो केरल में कांग्रेस की सरकार कैसे बनी। राजभर ने कहा कि चुनाव हारने के बाद ईवीएम पर सवाल उठाना राजनीतिक बहाना बन गया है। सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रहे *कॉकरोच जनता पार्टी* शब्द और अखिलेश यादव के ट्वीट पर भी उन्होंने प्रतिक्रिया दी। राजभर ने कहा कि एक जज द्वारा युवाओं को *कॉकरोच* कहे जाने के बाद युवाओं में नाराजगी बढ़ी और सोशल मीडिया पर वही गुस्सा दिखाई दिया, जो समय के साथ शांत हो जाएगा। प्रदेश में भीषण गर्मी और बिजली कटौती को लेकर उन्होंने कहा कि सरकार गांवों में 18 घंटे और कस्बों में 22 घंटे बिजली आपूर्ति देने का प्रयास कर रही है।

प्रकृति के प्रति सम्मान और संवेदनशीलता को पुनर्जीवित करना समय की आवश्यकता : कुलगुरु प्रो. सुरेश कुमार अग्रवाल

अजमेर (हिंस)। महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर के कुलगुरु प्रो. सुरेश कुमार अग्रवाल ने विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों से प्रकृति संरक्षण को जनआंदोलन बनाने तथा पर्यावरणीय चेतना को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने का आह्वान किया है। प्रो अग्रवाल अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के अवसर पर म द स विश्वविद्यालय में पर्यावरण संरक्षण एवं जैव विविधता संवर्धन को समर्पित विविध कार्यक्रमों, व्याख्यानों एवं प्रतियोगिताओं के आयोजन पर प्रतिभागियों को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम का संयुक्त आयोजन पर्यावरण विज्ञान विभाग, वनस्पति विज्ञान विभाग, बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसायटी तथा राजस्थान राज्य जैव विविधता बोर्ड के तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं कुलगुरु प्रो. सुरेश कुमार अग्रवाल ने कहा कि जैव विविधता पृथ्वी पर जीवन की मूल आधारशिला है तथा इसके संरक्षण के बिना सतत विकास संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन एवं प्राकृतिक आवासों के विनाश के कारण जैव विविधता गंभीर संकट का सामना कर रही है। प्रो. अग्रवाल ने भारतीय ज्ञान परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में प्रकृति को सदैव पूज्य माना गया है। ऋग्वेद से लेकर कालिदास के साहित्य तक प्रकृति और मानव के सहअस्तित्व की भावना स्पष्ट दिखाई देती है। उन्होंने अंतर्विषयी शोध को बढ़ावा देने तथा साहित्य, संस्कृति एवं पर्यावरण को जोड़ते हुए *ईको-क्रिटिसिज्म* जैसे विषयों पर शोध कार्य करने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ. सुजीत नरवाडे, बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसायटी ने *अजमेर क्षेत्र में लेसर फ्लोरिकन पक्षी का संरक्षण* विषय पर विशेष व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने शोकलिया एवं आसपास के क्षेत्रों में पाए जाने वाले दुर्लभ एवं संकटग्रस्त पक्षी लेसर फ्लोरिकन के संरक्षण प्रयासों की जानकारी देते हुए उसके आवास, व्यवहार एवं संरक्षण चुनौतियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने संरक्षण कार्यों पर आधारित एक रोचक वीडियो भी प्रदर्शित किया, जिसे विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों ने अत्यंत रुचि के साथ देखा। पर्यावरण विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. सुब्रतो दत्ता ने कहा कि जैव विविधता संरक्षण केवल वैज्ञानिकों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है।

कानूनी रूप से मान्य जानवरों की ही कुर्बानी करें इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया

लखनऊ (हिंस)। इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया ने बकरीद के मद्देनजर देश भर के मुसलमानों के लिए 12 सूत्रीय दिशा निर्देश जारी किया है। इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया के अध्यक्ष मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने शुक्रवार को निर्देश जारी करते हुए कहा कि हर साल की तरह इस बार भी कुर्बानी जरूर करें। कुर्बानी से बेहतर कोई इबादत नहीं है। इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया की ओर से जारी निर्देश में कहा गया है कि यह ध्यान रखें कि कानूनी रूप से मान्य जानवरों की ही कुर्बानी हो। कुर्बानी के फोटो-वीडियो सोशल मीडिया पर साझा न करें। तय और अनुमति वाले स्थानों पर ही कुर्बानी करें। गली व सड़क पर कुर्बानी न करें। जानवर के खून को नालियों में न बहाएं। कुर्बानी का हिस्सा गरीबों और जरूरतमंदों में बांटें। इसके साथ ही साफ-सफाई और स्वच्छता के बेहतर इंतजाम रखने का निर्देश दिया गया है। नमाज को लेकर कहा गया है कि मुसलमान सड़कों पर नमाज न पढ़ें।

मध्याह्न भोजन में गड़बड़ी और बदहाली को लेकर स्कूल में बवाल, छात्रों ने किया हंगामा

कटिहार (हिंस)। जिले के समेली प्रखंड अंतर्गत मध्य विद्यालय दिरा चांदपुर में शुक्रवार को उस समय अफरा-तफरी का माहौल बन गया, जब मध्याह्न भोजन योजना में कथित अनियमितता और विद्यालय की बदहाल व्यवस्था से नाराज छात्र-छात्राएं सड़क पर उतर आए। बच्चों ने विद्यालय परिसर में जमकर हंगामा करते हुए प्रधानाध्यापक के खिलाफ नारेबाजी की और उन्हें तत्काल हटाने की मांग की। छात्र-छात्राओं का आरोप है कि सरकार द्वारा मध्याह्न भोजन योजना के तहत मिलने वाला अंडा और केला नियमित रूप से नहीं दिया जा रहा है। कई बच्चों ने कहा कि मेन्यू के अनुसार भोजन नहीं मिलने से वे खुद को ठगा महसूस कर रहे हैं। बच्चों का यह भी आरोप है कि विद्यालय में साफ-सफाई की स्थिति बेहद खराब है और परिसर में जगह-जगह गंदगी फैली हुई है। विद्यालय के शौचालय, चापाकल और रसोईघर की बदहाल स्थिति को लेकर भी छात्रों में भारी नाराजगी देखी गई। बच्चों ने बताया कि पीने के पानी और शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाओं की कमी के कारण उन्हें रोज परेशानियों का सामना करना पड़ता है। स्थिति बिगड़ते देख स्थानीय लोगों ने प्रशासन को सूचना दी। सूचना मिलते ही पोठिया थाना के अपर थानाध्यक्ष अमित कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने प्रधानाध्यापक से पूछताछ की और काफी देर तक छात्रों एवं अभिभावकों को समझा-बुझाकर मामला शांत कराया। घटना के बाद शिक्षा व्यवस्था और मध्याह्न भोजन योजना की निगरानी पर सवाल खड़े होने लगे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि अगर समय रहते विद्यालयों की नियमित जांच होती, तो बच्चों को इस तरह विरोध करने के लिए मजबूर नहीं होना पड़ता। समेली प्रखंड के बीडीओ सत्येंद्र सिंह ने मामले को गंभीर बताते हुए जांच कराने की बात कही है। उन्होंने कहा कि यदि जांच में शिकायत सही पाई जाती है, तो संबंधित प्रधानाध्यापक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। ग्रामीणों और अभिभावकों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि विद्यालय की व्यवस्था में जल्द सुधार किया जाए, ताकि बच्चों की पढ़ाई और पोषण दोनों प्रभावित न हों।

इंटुइट में 3000 कर्मचारियों की छंटनी : एआई पर बढ़ते फोकस के बीच कंपनी का पुनर्गठन

वाशिंगटन

ग्लोबल फाइनेंशियल टेक्नोलाजी फर्म इंटुइट (इंटुइट) ने अपने वैश्विक कार्यबल के 17 प्रतिशत कर्मचारियों, यानी करीब 3000 लोगों को नौकरी से निकालने की घोषणा की है। यह बड़ा कदम तब उठाया गया है जब कंपनी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर अपना ध्यान बढ़ा रही है और अपने संगठनात्मक ढांचे को सरल बनाने की दिशा में काम कर रही है। कंपनी के आंतरिक मेमो के अनुसार, सीईओ ससन गुडार्जी ने कर्मचारियों को बताया कि इस पुनर्गठन का मुख्य उद्देश्य जटिलता को कम करना, परिचालन को सुव्यवस्थित करना और ग्राहकों के लिए बेहतर उत्पाद व सेवाएं प्रदान करने के लिए नवाचार की गति को तेज करना है। गुडार्जी ने बताया कि ये छंटनियां एआई द्वारा कर्मचारियों को बदलने के लिए नहीं की जा रही हैं, बल्कि यह कंपनी की कार्यक्षमता और दक्षता बढ़ाने की एक रणनीतिक पहल का हिस्सा है। इंटुइट अपने संसाधनों को एआई-आधारित प्रौद्योगिकियों की ओर स्थानांतरित कर रहा है। हाल ही में, कंपनी ने अपने क्विकबुक्स जैसे प्रमुख वित्तीय और टैक्स साफ्टवेयर में एआई क्षमताओं को जोड़ने के लिए ओपन एआई और एंथ्रोपिक जैसी अग्रणी एआई कंपनियों के साथ साझेदारी की है। यह साझेदारी कंपनी को अपने ग्राहकों को अधिक उन्नत और सहज समाधान प्रदान करने में मदद करेगी। कंपनी का मानना है कि एआई एकीकरण से उसके परिचालन में सुधार आएगा।

रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका में इस छंटनी से प्रभावित कर्मचारियों को 16 सप्ताह का मूल वेतन दिया जाएगा, साथ ही कंपनी में बिताए गए प्रत्येक वर्ष की सेवा के लिए अतिरिक्त 2 सप्ताह का वेतन भी उनके पैकेज में शामिल होगा।

इंटुइट की इस वैश्विक छंटनी का असर भारत पर भी पड़ना तय है, खासकर बेंगलुरु में, जो कंपनी के वैश्विक हब में से एक है। यहां उत्पाद विकास, इंजीनियरिंग और डेटा साइंस की बड़ी टीमें काम करती हैं, जिसके चलते इन कार्यालयों में भी कुछ भूमिकाएं समाप्त की जा सकती हैं। इसके अतिरिक्त, इंटुइट रेनो, नेवादा और वुडलैंड हिल्स, कैलिफोर्निया में अपने कार्यालय भी बंद कर रहा है। यह घोषणा उसी दिन हुई जब मेटा ने अपने यहां से 8000 कर्मचारियों की छंटनी का ऐलान किया था।

न्यूज़ ब्रीफ

निसान इंडिया की सबसे ज्यादा बिकने वाली कार बनी

नई दिल्ली। काम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट में निसान मैग्नाइट लगातार अपनी मजबूत मौजूदगी बनाए हुए है। अप्रैल माह में भी यह निसान इंडिया की सबसे ज्यादा बिकने वाली कार रही। हालिया बिक्री आंकड़ों के अनुसार, कंपनी ने बीते महीने मैग्नाइट की कुल 1,775 यूनिट्स बेचीं। हालांकि, मैग्नाइट की बिक्री में केवल 1 प्रतिशत की मामूली बढ़ोतरी हुई, लेकिन कंपनी की कुल बिक्री में 76 प्रतिशत का बड़ा उछाल दर्ज किया गया, जो निसान के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। अप्रैल माह में निसान इंडिया ने कुल 3,203 कारों की बिक्री की, जबकि पिछले साल इसी महीने यह आंकड़ा 1,825 यूनिट्स का था, जो कंपनी के प्रभावशाली विकास को दर्शाता है। बिक्री सूची में दूसरे स्थान पर कंपनी की नई एसयूवी निसान ग्रेविटी रही, जिसकी 1,428 यूनिट्स बिकीं। हालांकि, मार्च माह की तुलना में इसकी बिक्री में गिरावट दर्ज की गई। दूसरी ओर, निसान एक्स ट्रेल का प्रदर्शन बेहद कमजोर रहा और अप्रैल महीने में इसकी एक भी यूनिट नहीं बिक सकी, जो कंपनी के लिए चिंता का विषय हो सकता है। निसान मैग्नाइट की लोकप्रियता की सबसे बड़ी वजह इसकी किफायती कीमत, दमदार डिजाइन और शानदार फीचर्स माने जा रहे हैं। इसमें 1.0-लीटर नेचुरली एस्पिरेटेड और टर्बो पेट्रोल इंजन का विकल्प मिलता है, जो ग्राहकों को उनकी जरूरत के अनुसार चुनने की आजादी देता है। साथ ही, ग्राहकों को मैनुअल और आटोमैटिक दोनों ट्रांसमिशन की सुविधा दी जाती है।

रुपया लुढ़क रहा, आरबीआई का सख्त वार तय, केंद्रीय बैंक ने बुलाई उच्च-स्तरीय बैठकें रेपो रेट वृद्धि पर गंभीर मंथन जारी

नई दिल्ली। डालर के मुकाबले रुपये की रिकार्ड गिरावट ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को गंभीर चिंता में डाल दिया है। इस सप्ताह रुपया ऐतिहासिक रूप से लगभग 97 प्रति डालर के निचले स्तर पर पहुंच गया, जिसके बाद केंद्रीय बैंक ने अर्थव्यवस्था को स्थिरता प्रदान करने और राष्ट्रीय मुद्रा को संभालने के लिए तत्काल और कड़े कदम उठाने की तैयारी में है। सूत्रों के मुताबिक ब्याज दरों में बढ़ोतरी सहित कई विकल्पों पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार भारतीय रिजर्व बैंक के शीर्ष अधिकारियों ने हाल के दिनों में कई उच्च-स्तरीय बैठकें की हैं। इन बैठकों में रुपये को पाताल में जाने से रोकने और स्थिरता लाने के लिए ब्याज दरें बढ़ाने से लेकर विदेशी निवेशकों से डालर जुटाने जैसे विकल्पों पर मंथन जारी है। नीतिगत ब्याज दरों (रेपो रेट) में बढ़ोतरी को रुपये की कमजोरी थामने का प्रभावी हथियार माना जा रहा है, जिस पर केंद्रीय बैंक गंभीरता से विचार कर रहा है। आरबीआई की अगली मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक 5 जून से निर्धारित है, लेकिन मौजूदा संकट की गंभीरता को देखते हुए रिजर्व बैंक तय कार्यक्रम से पहले भी आपातकालीन बैठक बुलाकर दरों में बदलाव कर सकता है।

डीजल मूल्य अंतर ने बढ़ाई परेशानी, थोक खरीदार खुदरा पंपों पर उमड़े, कुछ जगहों पर मांग में 20-30 फीसदी की वृद्धि हुई

नई दिल्ली। देश के कुछ पेट्रोल पंपों पर डीजल की संभावित कमी की खबरों के बीच सरकार ने स्पष्ट

किया है कि यह स्थिति घबराहट में खरीद और थोक व खुदरा डीजल कीमतों में भारी अंतर के कारण उत्पन्न हुई है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में एक अधिकारी ने बताया कि थोक खरीदार अब खुदरा पंपों का रुख कर रहे हैं, जिससे कुछ ईंधन खुदरा दुकानों पर मांग में लगभग 20-30 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। दिल्ली मे थोक डीजल की कीमत लगभग 149 रुपये प्रति लीटर है, जबकि खुदरा डीजल की दर 91.58 रुपये प्रति लीटर है, जो 40-42 रुपए प्रति लीटर का एक बड़ा अंतर है। तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) ने 1 मई को कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि के बाद थोक डीजल की कीमतों में 12 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि की थी, जबकि खुदरा डीजल की कीमतें पिछले सप्ताह में केवल लगभग 4 रुपये प्रति लीटर बढ़ी हैं। उन्होंने कहा कि पेट्रोल पंपों में आमतौर पर दो से तीन दिनों का स्टाक होता है, और मांग में 20-30 प्रतिशत की अचानक वृद्धि से उन्हें अस्थायी रूप से कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि, ऐसे स्थानों की लगातार निगरानी की जा रही है और उन्हें नियमित रूप से फिर से भरा जा रहा है।

भारतीय दवा उद्योग पर बड़ा संकट, बढ़ सकती हैं पैरासिटामोल और एंटीबायोटिक्स की कीमतें

नई दिल्ली

ईरान और अमेरिका के बीच चल रहे युद्ध और खाड़ी क्षेत्र में बढ़ती अस्थिरता का बुरा असर अब आम इंसान की सेहत और जेब पर पड़ने वाला है। दुनिया भर में सबसे ज्यादा सस्ती (जेनेरिक) दवाएं भेजने वाले भारत के दवा उद्योग पर एक बहुत बड़ा संकट मंडरा रहा है। इस युद्ध के कारण दवा बनाने के लिए जरूरी कच्चे माल की कमी हो सकती है, माल ढुलाई का खर्च बढ़ सकता है और सप्लाई चेन टूट सकती है। इसका सीधा मतलब यह है कि आने वाले दिनों में पैरासिटामोल, एंटीबायोटिक्स और डायबिटीज जैसी आम बीमारियों की दवाओं की कीमतें बढ़ सकती हैं और इनकी कमी भी हो सकती है। ट्रंप मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति हैं और उनके नेतृत्व में अमेरिका का यह युद्ध वैश्विक व्यापार को भारी नुकसान पहुंचा रहा है।

फार्मेक्सिल (भारतीय औषधि निर्यात संवर्धन परिषद) और अन्य उद्योग संगठनों ने साफ चेतावनी दी है कि अगर पश्चिम एशिया में तनाव इसी तरह लंबे समय तक बना रहा, तो इसका बहुत भयंकर असर होगा। भारत लगभग 200 देशों को जेनेरिक दवाएं बेचता है। इस संकट का असर न केवल भारत पर पड़ेगा, बल्कि अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका के उन तमाम गरीब देशों पर भी पड़ेगा, जो सस्ती दवाओं के लिए पूरी तरह से भारत पर निर्भर हैं। वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, भारतीय दवा उद्योग का आकार लगभग 50 अरब डालर का है। दुनिया की

कुल जेनेरिक दवा आपूर्ति में भारत की हिस्सेदारी करीब 20 प्रतिशत है।

भारतीय दवा उद्योग की सबसे बड़ी कमजोरी क्या है

भारत भले ही दुनिया को सस्ती दवाएं बेचता है, लेकिन इसकी सबसे बड़ी कमजोरी यह है कि दवा बनाने के लिए जरूरी कच्चा माल (एपीआई) इसे दूसरे देशों से मंगाना पड़ता है। साल 2025 में भारत ने लगभग 39,215 करोड़ रुपये के कच्चे माल का आयात किया था, जिसमें 70 से 75 प्रतिशत हिस्सा अकेले चीन का था। विशेषज्ञों का कहना है कि युद्ध के कारण समुद्री मार्गों, खासकर होर्मुज जलडमरूमध्य और खाड़ी क्षेत्र में जहाजों की आवाजाही रुकने से कच्चे माल की सप्लाई बुरी तरह प्रभावित हो सकती है।

कौन सी प्रमुख दवाओं की सप्लाई पर सबसे पहले असर पड़ेगा

कच्चा माल न पहुंचने का सबसे पहला और बड़ा असर उन दवाओं पर पड़ेगा जिनका इस्तेमाल हम रोजमर्रा की जिंदगी में करते हैं। सूत्रों के अनुसार, पैरासिटामोल, एंटीबायोटिक्स, ब्लड प्रेशर और डायबिटीज (मधुमेह) की दवाओं की सप्लाई पर सीधा संकट आ सकता है क्योंकि ये दवाएं मुख्य रूप से आयात किए गए कच्चे माल से ही बनती हैं। इसके अलावा, कैंसर की दवाओं और इंजेक्शन जैसी चीजों को तय तापमान में रखना होता है। लाजिस्टिक्स उद्योग के अधिकारियों का कहना है कि रास्ते बदलने और अतिरिक्त सुरक्षा के कारण माल ढुलाई का खर्च और समय दोनों बढ़ेंगे, जिससे दवाओं की लागत में भारी इजाफा होने की पूरी संभावना है।

रियलमी ने पेश किया स्मार्टफोन रियलमी 16टी 5जी

नई दिल्ली

सोशल मीडिया और डिजिटल कंटेंट क्रिएशन के बढ़ते दौर में लोग ऐसे फोन की तलाश कर रहे हैं, जो शानदार तस्वीरें और वीडियो रिकार्डिंग का अनुभव दे सके। डिजिटल कंटेंट क्रिएशन के लिए ही रियलमी ने अपने नए स्मार्टफोन रियलमी 16टी 5जी को पेश किया है। इस फोन में कंपनी ने 50 मेगापिक्सल का सोनी आईएमएक्स852 एआई कैमरा सेंसर दिया है। कंपनी का दावा है कि यह अपने सेगमेंट का सबसे दमदार कैमरा सिस्टम है।

रियलमी 16टी 5जी में एफ1.8 अपर्चर, आटोफोकस और एडवांस्ड इमेज प्रोसेसिंग तकनीक दी गई है, जिससे कम रोशनी में भी स्पष्ट और डिटेल तस्वीरें ली जा सकेंगी। स्मार्टफोन में पहली बार एआई पापआउट फीचर भी दिया गया है, जो फोटो में विषय को अलग तरीके से उभारकर अधिक आकर्षक इमेज तैयार करता है। यह फीचर खासतौर पर सोशल मीडिया कंटेंट क्रिएटर्स और इंस्टाग्राम रील्स बनाने वाले यूजर्स को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। कंपनी के अनुसार, फोन में लूमाकलर इमेज इंजन का उपयोग किया गया है, जो त्वचा के रंग, पोर्ट्रेट और लाइटिंग को प्राकृतिक बनाए रखने में मदद करता है। इसके साथ एआई पोर्ट्रेट ग्लो फीचर भी दिया गया है, जो चेहरे की रोशनी और बैकग्राउंड को बेहतर तरीके से संतुलित करता है। इसमें फ्लैश, रिम लाइट, स्टूडियो लाइट और नेचुरल लाइट जैसे कई मोड दिए गए हैं। रियलमी 16टी 5जी में एआई स्टाइलमी, एआई इंस्टेंट क्लिप और एआई फुटबाल स्टार जैसे फीचर्स भी शामिल किए गए हैं। इनकी मदद से यूजर्स तस्वीरों को स्टूडियो क्वालिटी पोर्ट्रेट, सिनेमाई वीडियो क्लिप और रचनात्मक सोशल मीडिया कंटेंट में बदल सकेंगे। फोन में रियर सेल्फी मिरर फीचर भी दिया गया है, जिससे यूजर्स मुख्य कैमरे से ही बेहतर क्वालिटी की सेल्फी ले सकेंगे।

एसयूवी टाटा सिएरा ईवी को लॉन्च करने की तैयारी

नई दिल्ली। वाहन निर्माता स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स अपनी बहुप्रतीक्षित एसयूवी टाटा सिएरा ईवी को लान्च करने की तैयारी में है। टाटा की नई इलेक्ट्रिक एसयूवी कंपनी के एक्टिव.ईवी प्लेटफार्म पर आधारित होगी और इसे नेक्सान ईवी तथा कर्व ईवी से ऊपर जबकि हैरियर ईवी से नीचे रखा जाएगा। कंपनी ने पुष्टि की है कि यह इलेक्ट्रिक एसयूवी वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी छमाही, यानी त्योहारी सीजन के दौरान भारतीय बाजार में दस्तक देगी। इसकी संभावित एक्स-शोरूम कीमत 20 से 25 लाख रुपये के बीच हो सकती है। टाटा सिएरा ईवी को क्लासिक सिएरा डिजाइन के आधुनिक रूप में पेश किया जाएगा। इसमें क्लोज्ड फ्रंट ग्रिल, कनेक्टेड एलईडी हेडलाइट्स और टेललाइट्स, ब्लैक-आउट पिलर्स तथा आइकानिक रैपअराउंड रियर ग्लास जैसे डिजाइन एलिमेंट देखने को मिलेंगे। कंपनी इसे रेट्रो और मार्डन डिजाइन के मिश्रण के रूप में पेश करने जा रही है। बड़े 19 इंच अलाय व्हील्स और मजबूत रोड प्रजेंस इसे आकर्षक बनाएंगे। कार के इंटीरियर में प्रीमियम फीचर्स दिए जा सकते हैं। इसमें ट्रिपल स्क्रीन सेटअप, पैनोरमिक सनरूफ, डुअल-जोन क्लाइमेट कंट्रोल, वेंटिलेटेड सीट्स, वायरलेस चार्जर, 360 डिग्री कैमरा और डाल्बी एटमास सपोर्ट वाला 12 स्पीकर साउंड सिस्टम मिलने की संभावना है। इसके अलावा वायरलेस एपल कारप्ले और एंड्रायड आटो जैसी कनेक्टेड कार टेक्नोलाजी भी उपलब्ध रहेगी।

दक्षिण कोरिया और ताइवान ने कैसे छीन ली भारत से विदेशी निवेशकों की चमक

विदेशी निवेशकों का भारत से मोहभंग, एआई बाजारों की ओर बढ़ रहा रुझान

नई दिल्ली

विदेशी निवेशक भारतीय शेयर बाजार से लगातार पैसा निकाल रहे हैं और बैंक आफ अमेरिका (बीओएफए) ग्लोबल रिसर्च का मानना है कि यह सिलसिला अगले साल तक जारी रह सकता है। इसकी मुख्य वजह है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जुड़े अन्य एशियाई बाजार भारत की तुलना में बेहतर कमाई और सस्ते वैल्यूएशन दे रहे हैं। बीओएफए के अनुसार इन निवेशकों की भारत में वापसी 2027 या 2028 तक टल सकती है। बीओएफए के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, भारत में कंपनियों की कमाई के अनुमान लगातार घट रहे हैं। इसके विपरीत, ताइवान और दक्षिण कोरिया जैसे एआई केंद्रित बाजारों में कंपनियों की कमाई बढ़ रही है, और वहां के शेयर भारत की तुलना में काफी सस्ते वैल्यूएशन पर उपलब्ध हैं। उदाहरण के लिए, दक्षिण कोरिया का बाजार अपनी अनुमानित कमाई के 7.5 गुना पर ट्रेड कर रहा है, जबकि निफ्टी 50 अब भी 18 गुना पर महंगा बना हुआ है। इसी वजह से विदेशी निवेशक इन बाजारों की ओर आकर्षित हो रहे हैं, जहां उन्हें एआई सेक्टर में तेजी

से वृद्धि और मजबूत कमाई के अवसर दिख रहे हैं। 2026 में भारतीय शेयर बाजार का प्रदर्शन वैश्विक स्तर पर कमजोर रहा है, और रुपये की कमजोरी ने भी विदेशी निवेशकों की चिंता बढ़ाई है। अब तक लगभग 23 अरब डालर की बिकवाली हो चुकी है। उन्होंने भारत को लो ग्रोथ आन लो बेस की स्थिति में बताया है, जहां चालू वित्त वर्ष के लिए निफ्टी कंपनियों की कमाई वृद्धि का अनुमान केवल 7 फीसदी है, जो मार्च 2027 तक खत्म होने वाले वित्त वर्ष के लिए 8.5 फीसदी तक पहुंचने की उम्मीद है। यह दक्षिण कोरिया और ताइवान जैसे बाजारों के मजबूत कमाई के आंकड़ों के बिल्कुल विपरीत है। उन्होंने मध्य पूर्व में जारी तनाव को भी भारत के लिए एक संभावित चुनौती बताया, जिससे कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने से महंगाई और आर्थिक वृद्धि दोनों प्रभावित हो सकती हैं। रुपये की कमजोरी भी एक बड़ी चिंता का विषय है। बीओएफए का मानना है कि विदेशी निवेशकों की भारत में वापसी काफी हद तक दो प्रमुख बातों पर निर्भर करेगी। पश्चिम एशिया का संघर्ष कब समाप्त होता है और वैश्विक एआई निवेश की गति कब धीमी पड़ती है।

जमीन कब्जाने और धन शोधन केस में ईडी का बड़ा एक्शन, कोलकाता से मुर्शिदाबाद तक कई ठिकानों पर छापेमारी

कोलकाता

प्रवर्तन निदेशालय ने शुक्रवार सुबह से कोलकाता और पश्चिम बंगाल के कई इलाकों में बड़े पैमाने पर छापेमारी और तलाशी अभियान शुरू किया। यह कार्रवाई जमीन कब्जाने और उससे जुड़े मनी लान्ड्रिंग मामलों में की जा रही है, जिनमें कोलकाता पुलिस के पूर्व डिप्टी कमिश्नर सिन्हा बिस्वास और कुख्यात स्थानीय भूमि माफिया बिस्वजीत पोद्दार उर्फ सोना पप्पू का नाम सामने आया है।

सिन्हा बिस्वास और सोना पप्पू को इसी महीने केंद्रीय जांच एजेंसी ईडी ने गिरफ्तार किया था। फिलहाल दोनों एजेंसी की हिरासत में हैं और उनसे लगातार पूछताछ की जा रही है। जांच के दौरान मिले इनपुट और पूछताछ में सामने आए नामों के आधार पर शुक्रवार को कई जगहों पर एक साथ छापेमारी की गई।

ईडी ने कैसे मारी रेड

सूत्रों के मुताबिक, ईडी की एक टीम शुक्रवार सुबह दक्षिण कोलकाता के भवानीपुर इलाके के चक्रबेड़िया स्थित एक कारोबारी के घर पहुंची। अधिकारियों ने वहां पहुंचते ही तलाशी अभियान शुरू कर दिया और दस्तावेजों व वित्तीय लेनदेन से जुड़े रिकार्ड की जांच की।

इसके कुछ ही देर बाद ईडी की दूसरी टीम सेंट्रल कोलकाता के रायड स्ट्रीट स्थित एक होटल पहुंची। जांच अधिकारियों ने सबसे पहले होटल

मैनेजर से पूछताछ की और उसके बाद होटल परिसर में तलाशी अभियान शुरू किया। सूत्रों के अनुसार, होटल मालिक को भी तुरंत होटल पहुंचने के लिए कहा गया है ताकि उससे पूछताछ की जा सके।

इसी क्रम में ईडी की तीसरी टीम दक्षिण कोलकाता के कस्बा इलाके में एक पुलिस अधिकारी के घर पहुंची। बताया जा रहा है कि यह पुलिस अधिकारी पूर्व डिप्टी कमिश्नर सिन्हा बिस्वास का करीबी सहयोगी माना जाता है। अधिकारियों ने वहां भी कई दस्तावेजों और अन्य सामग्रियों की जांच की।

कैसे मिले ईडी को सबूत

सूत्रों का कहना है कि कारोबारी, होटल मालिक और पुलिस अधिकारी के नाम सिन्हा बिस्वास और सोना पप्पू से पूछताछ के दौरान सामने आए थे। जांच एजेंसी अब इन लोगों और जमीन सिंडिकेट के बीच संभावित आर्थिक लेनदेन तथा मनी लान्ड्रिंग नेटवर्क से जुड़े सबूत जुटाने में लगी है।

वहीं, ईडी की चौथी टीम मुर्शिदाबाद जिले के कांडी में स्थित सिन्हा बिस्वास के आलीशान पुश्तैनी मकान पर पहुंची। कांडी नगरपालिका के वार्ड नंबर आठ में स्थित इस मकान को लेकर भी जांच एजेंसी सक्रिय है। बताया जाता है कि इस मकान में पहले सिन्हा बिस्वास की बहन गौरी बिस्वास रहती थीं, जो तृणमूल कांग्रेस द्वारा संचालित कांडी नगरपालिका की वाइस चेयरमैन हैं।

स्थानीय लोगों के मुताबिक, सिन्हा बिस्वास की गिरफ्तारी के बाद से यह मकान बंद पड़ा था और उस पर ताला लगा हुआ था। शुक्रवार सुबह जब ईडी की टीम वहां पहुंची तो अधिकारियों को मुख्य गेट का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश करना पड़ा। इसके बाद मकान के भीतर तलाशी अभियान शुरू किया गया, जो लंबे समय तक जारी रहा।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो के दो गोल से अल–नस्त्र बना सऊदी प्रो लीग चैंपियन

नई दिल्ली

अल–नस्त्र ने गुरुवार को दमदार प्रदर्शन करते हुए दमाक को 4–1 से हराकर सऊदी प्रो लीग 2025–26 का खिताब अपने नाम कर लिया। राजधानी रियाद के अल–अव्वल पार्क में खेले गए मुकाबले में स्टार फुटबालर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने दो गोल दागकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई।

यह अल–नस्त्र का 2018–19 सीजन के बाद पहला लीग खिताब है। साथ ही रोनाल्डो ने भी सऊदी क्लब के साथ अपना पहला बड़ा खिताब जीत लिया।

सादियो माने ने दिलाई शुरुआती बढ़त

मैच के 33वें मिनट में सादियो माने ने जोआओ फेलिक्स के कार्नर पर शानदार हेडर लगाकर अल–नस्त्र को 1–0 की बढ़त दिलाई। पहले हाफ में फेलिक्स और माने लगातार दमाक की रक्षा पंक्ति पर दबाव बनाते रहे।

दमाक ने की वापसी की कोशिश

दूसरे हाफ में दमाक ने वापसी की कोशिश की और 58वें मिनट में मोरले सिल?ला ने पेनाल्टी पर गोल कर स्कोर 1–1 कर दिया। हालांकि अल–नस्त्र ने तुरंत जवाब दिया।

किंग्सले कोमान ने शानदार मूव बनाते हुए टीम को फिर बढ़त दिलाई। इसके बाद रोनाल्डो ने मैच पूरी तरह अपने नाम कर लिया।

रोनाल्डो का शानदार डबल

रोनाल्डो का पहला गोल फ्री–किक पर आया, जहां उन्होंने बेहद कठिन कोण से गेंद को सीधे जाल में पहुंचा दिया। इसके बाद 81वें मिनट में कोमान के शानदार पास पर रोनाल्डो ने दूसरा गोल दागकर जीत और खिताब दोनों पक्के कर दिए।

41 वर्षीय रोनाल्डो पूरे मैच में शानदार लय में दिखे और दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया।

अल–नस्त्र का मैच पर पूरा दबदबा

अल–नस्त्र ने मुकाबले में 62 प्रतिशत से ज्यादा बाल पजेशन अपने नाम रखा। टीम ने कुल 13 शाट लगाए, जिनमें आठ निशाने पर रहे। दूसरी ओर दमाक सिर्फ तीन प्रयास ही कर सका। इस हार के साथ दमाक का रेलीगेशन भी तय हो गया, जबकि अल–नस्त्र के लिए यह जीत लंबे इंतजार के बाद बड़ी राहत लेकर आई।

न्यूज ब्रीफ

विराट से टेस्ट प्रारुप में वापसी को लेकर बात कर रहे बचपन के कोच

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद से ही

प्रशंसकों के अलावा पूर्व क्रिकेटरों ने भी मांग की है कि वह एक बार फिर खेल में वापसी करें। इन लोगों का मानना है कि भारतीय टेस्ट टीम को अभी विराट की जरुरत है और उनमें अभी काफी क्रिकेट भी बचा है। इसी को लेकर प्रशंसकों ने विराट के बचपन के कोच राजकुमार शर्मा से भी उन्हें वापसी के लिए मनाने को कहा था। इस मामले में अब कोच का बयान आया है। इसमें उन्होंने कहा है कि ने उनकी इस बारे में विराट से बात हुई है पर अभी पक्के तौर पर कुछ नहीं कहा जा सकता है। विराट ने पिछले साल 12 मई 2025 को अचानक टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर प्रशंसकों को हैरान कर दिया था। भारत के लिए 123 टेस्ट मैचों में 9230 रन बनाकर, वह देश के चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टेस्ट बल्लेबाज के रूप में अपने करियर का समापन कर चुके थे। जून 2011 से जनवरी 2025 तक चले उनके लंबे करियर के बाद यह फैसला अप्रत्याशित था। उनके इस फैसले को एक साल से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन दुनियाभर के क्रिकेट प्रेमी लगातार उन्हें एक बार फिर भारतीय टीम के लिए टेस्ट प्रारूप में खेलते देखना चाहते हैं।
कोच ने बताया कि उन्होंने विराट से टेस्ट में वापसी को लेकर चर्चा की है। उनसे जब यह पूछा गया कि क्या उन्होंने विराट से टेस्ट क्रिकेट में लौटने के लिए कहा है, तो उन्होंने जवाब दिया, कई लोगों ने मुझसे कहा है कि विराट को टेस्ट क्रिकेट में वापसी के लिए कहूं क्योंकि वह मेरी बात सुनता है।

हार्दिक पांड्या को मुम्बई इंडियंस से रिलीज करने की मांग उठी

मुम्बई। हार्दिक पांड्या की कप्तानी में मुम्बई इंडियंस का प्रदर्शन आईपीएल मे लगातार तीसरे सत्र में भी

बेहद खराब रहा है और टीम प्लेआफ में भी नहीं पहुंच पायी है। ऐसे में पांड्या को टीम से रिलीज करने की मांग एक बार फिर तेज हो गयी है। हार्दिक पांड्या की कप्तानी में गुजरात टाइटंस की टीम ने अपने पहले ही सत्र में खिताब जीता था और दूसरे सत्र में वह उपविजेता रही थी। जिसके बाद वह मुम्बई आये थे और रोहित शर्मा की जगह पर उन्हें कप्तान बनाया गया लेकिन टीम का प्रदर्शन बेहद खराब रहा। टीम के प्रदर्शन के अलावा उनका स्वयं का प्रदर्शन भी उम्मीद के अनुसार नहीं रहा। मुंबई इंडियंस पिछले तीन सत्र में केवल एक बार ही प्लेआफ के लिए क्वालीफाई कर पाई है, जबकि दो बार तालिका में सबसे नीचे रही है, जिसमें आईपीएल 2024 भी शामिल है। इसी वजह से अब पांड्या से सिर्फ कप्तानी छीनने की नहीं, बल्कि उन्हें टीम से ही रिलीज करने की मांग उठ रही है। इसी को लेकर इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वान ने भी अपनी राय रखते हुए एक बड़ा सुझाव दिया है। हार्दिक को लेकर वान ने कहा, रिलीज कर दो। हालांकि, उन्होंने तुरंत एक और विकल्प सुझाया। उन्होंने कहा, उसे कैमरून ग्रीन से रिप्लेस कर दो। वान का यह सुझाव कई क्रिकेट जानकारों को काफी पसंद आ रहा है। पांड्या और ग्रीन दोनों एक ही तरह के आलराउंडर खिलाड़ी हैं, ऐसे में मुंबई इंडियंस और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच एक ट्रेड डील की संभावना बन सकती है। इस संभावित अदला–बदली से दोनों ही टीमों को लाभ हो सकता है। इससे कोलकाता नाइट राइडर्स को हार्दिक पांड्या के रूप में एक नया और अनुभवी कप्तान मिल जाएगा, वहीं ग्रीन मुंबई इंडियंस के बालिंग और बैटिंग दोनों डिपार्टमेंट को मजबूती प्रदान करेंगे।

आईपीएल 2026 से बाहर होने पर बोले सीएसके बालिंग कोच एरिक सिमंस, हम खुद को एक यूनिट के रूप में बेहतर समझकर जा रहे हैं

अहमदाबाद। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के गेंदबाजी कोच एरिक सिमंस ने इंडियन प्रीमियर लीग

(आईपीएल) 2026 में टीम के निराशाजनक अभियान के बावजूद कहा कि इस सीजन ने टीम को अपनी ताकत और कमजोरियों को बेहतर ढंग से समझने का मौका दिया। गुजरात टाइटंस के खिलाफ गुरुवार को 89 रन की हार के साथ चेन्नई का अभियान समाप्त हो गया। गुजरात ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट पर 229 रन बनाए। जवाब में चेन्नई सुपर किंग्स की टीम 13.4 ओवर में 140 रन पर सिमट गई और प्लेआफ की दौड़ से बाहर हो गई। मैच के बाद सिमंस ने कहा, हर खिलाड़ी इस सीजन से कुछ सीखकर जाएगा। बतौर गेंदबाजी कोच मैं सभी खिलाड़ियों के लिए रिपोर्ट तैयार करता हूं, ताकि वे अगले नौ महीनों में अपनी कमजोरियों पर काम करके और बेहतर खिलाड़ी बनकर लौटें। जैसे हमने अंशुल कांबोज को पिछले सीजन के बाद बेहतर होकर लौटते देखा। उन्होंने कहा कि इस सीजन ने टीम को एक इकाई के रूप में खुद को समझने में मदद की है। सिमंस ने कहा, अब हम खुद को एक यूनिट के रूप में पहले से बेहतर समझते हैं। हमें पता चला है कि कौन खिलाड़ी क्या कर सकता है और क्या नहीं। कार्तिक ने इस सीजन शानदार प्रदर्शन किया और हमने उसकी क्षमता को करीब से देखा।

हाकी इंडिया ने अंडर–18 महिला एशिया कप 2026 के लिए भारतीय टीम घोषित की, स्वीटी कुजूर को कप्तानी

भोपाल

हाकी इंडिया ने शुक्रवार को जापान में आयोजित होने वाले महिला अंडर–18 एशिया कप काकामिगाहारा 2026 के लिए 18 सदस्यीय भारतीय महिला टीम की घोषणा कर दी है। यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट 29 मई से 6 जून 2026 तक खेला जाएगा। कोच रानी के मार्गदर्शन में भारतीय टीम ने भोपाल में एक महीने तक राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर में तैयारी की। इस दौरान खिलाड़ियों की फिटनेस, टीम संयोजन और रणनीतिक खेल पर विशेष ध्यान दिया गया। टीम की कप्तानी स्वीटी कुजूर करेंगी। भारतीय टीम ने टूर्नामेंट की तैयारियों के तहत भोपाल में आस्ट्रेलिया के खिलाफ चार मैचों की सीरीज भी खेली, जिसमें अंतिम मुकाबले में जीत हासिल कर टीम ने आत्मविश्वास बढ़ाया। भारत को पूल–ए में दक्षिण कोरिया, मलेशिया और सिंगापुर के साथ रखा गया है। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत 30 मई को मलेशिया के खिलाफ करेगी। इसके बाद 31 मई को दक्षिण कोरिया और 2 जून को सिंगापुर से मुकाबला होगा। दोनों पूलों की शीर्ष दो टीमें 5 जून को होने वाले सेमीफाइनल में पहुंचेंगी, जबकि फाइनल 6 जून को खेला जाएगा। टीम की घोषणा के बाद कोच रानी ने कहा, यह टूर्नामेंट युवा खिलाड़ियों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर का अनुभव हासिल करने और दबाव वाले मुकाबलों को समझने का शानदार अवसर है। पिछले कुछ हफ्तों में हमने फिटनेस, रणनीति और टीम समन्वय पर काफी मेहनत की है। टीम देश का प्रतिनिधित्व करने को लेकर उत्साहित है और हमारा लक्ष्य निडर हाकी खेलते हुए खिताब के लिए मजबूत चुनौती पेश करना होगा।

भारतीय महिला अंडर-18 टीम

गोलकीपर: महक परिहार, खिली कुमारी

डिफेंडर: सुगन सांगा, नीलम टोपनो, रुबीना बक्सला, किरण एक्का, सुलोचनी

मिडफील्डर: श्रुति कुमारी, दीया, स्नेहा दावड़े, रश्मीन कौर, नाम्मी गीताश्री, पुष्पा मांझी

फारवर्ड: नौशीन नाज़, स्वीटी कुजूर (कप्तान), प्रियंका मिंज, संदीपा कुमारी, नैन्सी सरोहा

भारत के मुकाबलों का कार्यक्रम (भारतीय समयानुसार)

30 मई 2026: भारत बनाम मलेशिया – सुबह 5:30 बजे

31 मई 2026: भारत बनाम दक्षिण कोरिया – सुबह 5:30 बजे

2 जून 2026: भारत बनाम सिंगापुर – सुबह 9:30 बजे

पूल की स्थिति

पूल–ए: भारत, दक्षिण कोरिया, मलेशिया, सिंगापुर।

पूल–बी: चीन, जापान, चीनी ताइपे, बांग्लादेश।

धीमी ओवर गति पर ऋतुराज गायकवाड़ पर 24 लाख रुपये का जुर्माना, सीएसके के अन्य खिलाड़ियों पर भी कार्रवाई

नई दिल्ली

ऋतुराज गायकवाड़ की कप्तानी वाली चेन्नई सुपर किंग्स पर आईपीएल 2026 के 66वें मुकाबले में धीमी ओवर गति बनाए रखने के कारण कार्रवाई की गई है। आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत ऋतुराज गायकवाड़ पर 24 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

यह इस सीजन में चेन्नई सुपर किंग्स का दूसरा स्लो ओवर रेट अपराध था। इससे पहले टीम पर मैच नंबर 18 में भी इसी कारण कार्रवाई हुई थी। नियमों के अनुसार दूसरी बार दोषी पाए जाने पर कप्तान पर बड़ा जुर्माना लगाया गया। इसके अलावा प्लेइंग इलेवन के बाकी खिलाड़ियों और इम्पैक्ट प्लेयर पर भी जुर्माना लगाया गया है। सभी खिलाड़ियों को उनकी मैच फीस का 25 प्रतिशत या 6 लाख रुपये — जो भी कम हो — बतौर जुर्माना देना होगा। गुजरात टाइटंस ने 89 रन से दर्ज की बड़ी जीत अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गुरुवार को खेले गए मुकाबले में गुजरात टाइटंस ने चेन्नई सुपर किंग्स को 89 रन से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए गुजरात ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 229 रन बनाए। टीम के लिए साई सुदर्शन ने 53 गेंदों में 84 रन और कप्तान शुभमन गिल ने 37 गेंदों में 64 रन की शानदार पारी खेली। दोनों ने पहले विकेट के लिए 125 रन जोड़े। अंत में जोस बटलर ने 27 गेंदों में नाबाद 57 रन बनाकर टीम को विशाल स्कोर तक पहुंचाया।

चेन्नई की बल्लेबाजी पूरी तरह बिखरी

230 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी चेन्नई सुपर किंग्स की शुरुआत बेहद खराब रही। संजू सैमसन खाता खोले बिना आउट हो गए, जबकि ऋतुराज गायकवाड़ सिर्फ 16 रन बना सके।

शिवम दुबे ने 17 गेंदों में 47 रन की तेज पारी खेलकर उम्मीद जगाई, लेकिन उनके आउट होते ही पूरी टीम 13.4 ओवर में 140 रन पर सिमट गई।

सिराज, रबाडा और राशिद का कहर

गुजरात की ओर से मोहम्मद सिराज और कगिसो रबाडा ने तीन–तीन विकेट लेकर चेन्नई के शीर्ष क्रम को तहस–नहस कर दिया। वहीं राशिद खान ने भी 3 विकेट झटके।

मोहम्मद सिराज को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर आफ द मैच चुना गया।

एशियन जूनियर टेनिस : इवाना, चटर्जी, आरुष व तारुष खिताबी मुकाबले में पहुंचे

इंदौर। मप्र टेनिस संघ द्वारा आयोजित तथा पाथ फाउंडेशन व मोयरा सरिया द्वारा प्रायोजित पुनित मेमोरियल एशियन जूनियर अंडर–12 इंदौर ओपन टेनिस टूर्नामेंट अब अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंच गया है। इंदौर टेनिस क्लब में खेली जा रही इस प्रतिष्ठित स्पर्धा के सेमीफाइनल मुकाबलों में इवाना अरोरा, पी. चटर्जी, आरुष खन्ना व तारुष बीसी ने अपने–अपने मैच जीतकर फाइनल में प्रवेश किया। टूर्नामेंट के सभी खिताबी मुकाबले शुक्रवार शाम 4:30 बजे से खेले जाएंगे। बालिका एकल वर्ग के पहले सेमीफाइनल में बड़ा उलटफेर देखने को मिला। गैर वरीय इवाना अरोरा ने शानदार खेल दिखाते हुए शीर्ष वरीयता प्राप्त सेजल जाधव को सीधे सेटों में 6–0, 6–1 से शिकस्त दी। तेज धूप के बावजूद इवाना ने गजब की लय दिखाई और पहले सेट में सेजल को एक भी गेम नहीं जीतने दिया। दूसरे सेट में भी सेजल महज एक गेम ही बचा सकीं। अब फाइनल में इवाना का सामना छठी वरीयता प्राप्त पी. चटर्जी से होगा। चटर्जी ने दूसरे सेमीफाइनल में बी. जयप्रकाश को कड़े संघर्ष में 7–5, 6–3 से मात दी। पहले सेट में दोनों के बीच हर एक अंक के लिए जोरदार टक्कर हुई, लेकिन चटर्जी ने आखिरी पलों में लगातार दो गेम जीतकर सेट अपने नाम किया और दूसरे सेट में भी दबदबा बनाए रखा। आरुष को मिली मैराथन जीत, तारुष ने खेला एकतरफा मैच बालक एकल वर्ग के पहले सेमीफाइनल में आरुष खन्ना ने श्लोक अलांद को एक मैराथन मुकाबले में 7–6(5), 6–2 से हराया। पहले सेट में दोनों खिलाड़ियों ने अपनी सर्विस बचाए रखी, जिससे मुकाबला टाईब्रेकर में पहुंचा, जहां आरुष ने बाजी मारी। दूसरे सेट में आरुष ने एकतरफा खेल दिखाया।

फीफा विश्व कप 2026 के लिए नार्वे की टीम घोषित, एर्लिंग हालांड और मार्टिन ओडेगार्ड शामिल

नई दिल्ली

फीफा विश्व कप 2026 के लिए नार्वे ने गुरुवार को अपनी 26 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। टीम की कमान प्रीमियर लीग चैंपियन क्लब आर्सेनल के स्टार मिडफील्डर मार्टिन ओडेगार्ड संभालेंगे, जबकि मैनचेस्टर सिटी के धाकड़ स्ट्राइकर एर्लिंग हालांड भी टीम का हिस्सा हैं।

सबसे ज्यादा चर्चा युवा गोलकीपर सैंडर टैंगविक के चयन को लेकर रही। हैम्बर्ग एसवी के इस अनकैप्ड गोलकीपर को नार्वे की टीम में अंतिम स्थान मिला। 23 वर्षीय टैंगविक पहली बार राष्ट्रीय टीम में चुने गए हैं।

गोलकीपर चयन को लेकर काफी समय से अटकलें चल रही थीं। एसके ब्रान के गोलकीपर माथियास डिंगलैंड चोटिल हो गए थे, जबकि फीफा ने बोदो/ग्लिम्ट के गोलकीपर निकिता हाइकिन की राष्ट्रीयता बदलने की मांग खारिज कर दी थी। इसके बाद टैंगविक को टीम में जगह मिली।

नार्वे को विश्व कप 2026 में ग्रुप–इ में रखा गया है। इस ग्रुप में फ्रांस, सेनेगल और इराक जैसी मजबूत टीमें भी शामिल हैं। इसे टूर्नामेंट का ग्रुप आफ डेथ माना जा रहा है।

नार्वे की विश्व कप 2026 टीम

गोलकीपर: ओरजान हास्कजोल्ड नाइलैंड, एगिल सेल्विक, सैंडर टैंगविक

डिफेंडर: जूलियन रायर्सन, मार्कस होल्मग्रेन पेडरसन, डेविड मोलर वोल्फ, फ्रेडरिक ब्योर्कान, क्रिस्टोफर आजेर, टारब्योर्न हेग्गेम, लियो स्कीरी ओस्टिगार्ड, सान्ड्रे लांगास, हेनरिक फाल्चेनर

मिडफील्डर: मार्टिन ओडेगार्ड, सैंडर बर्गे, फ्रेडरिक आर्सनेस, पैट्रिक बर्ग, क्रिस्टियन थोर्स्टवेड्ट, मार्टन थोर्सबी, थेलो आसगार्ड

फारवर्ड: एर्लिंग हालांड, अलेक्जेंडर सोरलोथ, यार्गेन स्ट्रैंड लार्सन, एंटोनियो नूसा, आस्कर बाब, आंद्रेयास शेल्डेरुप, जेन्स पेटर हाउगे।

सुदर्शन और गिल के बीच आरेंज कैप की जंग तेज, पर्पल कैप में भुवनेश्वर-रबाडा संयुक्त रुप से शीर्ष पर

नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में गुजरात टाइटंस ने अहमदाबाद में चेन्नई सुपर किंग्स को 89 रन से हराकर शानदार जीत दर्ज की। इस मुकाबले के बाद आरेंज कैप और पर्पल कैप की रेस और रोमांचक हो गई है। बल्लेबाजी में गुजरात टाइटंस के सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन और शुभमन गिल शीर्ष पर छाए हुए हैं, जबकि गेंदबाजी में कगिसो रबाडा ने रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु के भुवनेश्वर कुमार की बराबरी कर ली है।

आरेंज कैप की दौड़ में साई सुदर्शन नंबर-1

गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने चेन्नई के खिलाफ 37 गेंदों पर 64 रन की पारी खेलकर पहले आरेंज

कैप अपने नाम की। मुकाबले से पहले उनके 552 रन थे, जबकि उनके ओपनिंग पार्टनर साई सुदर्शन 554 रन के साथ उनसे आगे थे।

हालांकि, साई सुदर्शन ने 53 गेंदों पर 84 रन की शानदार पारी खेलते हुए फिर से आरेंज कैप हासिल कर ली। अब उनके नाम 638 रन हो गए हैं, जबकि शुभमन गिल 616 रन के साथ दूसरे स्थान पर हैं।

आरेंज कैप तालिका में तीसरे स्थान पर राजस्थान रायल्स के वैभव सूर्यवंशी हैं, जिन्होंने 579 रन बनाए हैं। इसके बाद लखनऊ सुपर जायंट्स के मिचेल मार्श 563 रन और सनराइजर्स हैदराबाद के हेनरिक क्लासेन 555 रन के साथ शीर्ष पांच में शामिल हैं।

विराट कोहली भी इस रेस में बने हुए हैं। रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु के स्टार बल्लेबाज 542 रन के साथ छठे स्थान पर हैं।

पर्पल कैप में भुवनेश्वर कुमार और कगिसो रबाडा बराबरी पर

गेंदबाजी में रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार लंबे समय से पर्पल कैप की रेस में आगे चल रहे थे, लेकिन गुजरात टाइटंस के कगिसो रबाडा ने चेन्नई के खिलाफ 3 विकेट लेकर उनकी बराबरी कर ली।

अब दोनों गेंदबाजों के नाम 24–24 विकेट हैं। हालांकि, बेहतर इकानमी रेट (7.70) होने के कारण पर्पल कैप अभी भी भुवनेश्वर कुमार के पास है, जबकि रबाडा की इकानमी 9.18 है।

चेन्नई के खिलाफ मोहम्मद सिराज ने भी शानदार गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट झटके। इसके साथ ही उनके इस सीजन में 17 विकेट हो गए हैं और वह सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं।

चेन्नई सुपर किंग्स के अंशुल कंबोज ने साई सुदर्शन का विकेट लेकर सीजन में अपने विकेटों की संख्या 21 तक पहुंचाई और वह तीसरे स्थान पर आ गए हैं। वहीं गुजरात टाइटंस के राशिद खान ने भी 3 विकेट लेकर कुल 19 विकेट पूरे कर लिए और चौथे स्थान पर पहुंच गए।

राजस्थान रायल्स के जोफ्रा आर्चर और कोलकाता नाइट राइडर्स के कार्तिक त्यागी 18–18 विकेट के साथ उनके पीछे बने हुए हैं।

दुपट्टे के साथ पहनें डबल पल्लू की साड़ी...

फैशन में आए दिन कुछ न कुछ बदलाव आते रहते हैं, लेकिन साड़ी पहनने का फैशन कभी भी पुराना नहीं होता बल्कि उसके साथ किए गए बदलाव से आप अपने लुक को और भी अधिक स्टाइलिश और ड्रेसिंग बना सकती हैं। आप अगर अपनी साड़ी को दुपट्टे के साथ डबल पल्लू के साथ पहनती हैं तो इससे आपका लुक काफी आकर्षक बनता है। इसे घर पर पहनने के लिए आपको अपनी साड़ी से मिलते झुलते रंग के दुपट्टे की जरूरत नहीं है। आप पेयरप करने का नया तरीका भी अपना सकती हैं। यह आपकी साड़ी को दिलचस्प और नया लुक देगा। आप अपने दुपट्टे को अलग-अलग तरीके से ड्रेप कर सकती हैं। इसे आप गर्दन पर स्कार्फ के तौर पर भी पहन सकती हैं या फिर आप गर्दन पर ड्रेप करके इस दुपट्टे को दोनों कंधों से पीछे की तरफ कर सकती हैं। दुपट्टे को आप कमर के एक तरफ से टक इन कर लहंगे की तरह भी पहन सकती हैं। इस साड़ी को कॉम्प्लीमेंट करता हुआ ही दुपट्टा चुनें। अगर आपकी साड़ी प्लेन हो और दुपट्टा हल्का सा हैवी तो आप भीड़ में सबसे अलग दिखती हैं। इस दुपट्टा साड़ी को एक बार पहन कर अपने लुक को सबसे अलग बनाएं।

गर्मी में प्लेन साड़ी...

अगर आप डेली रूटीन में साड़ी ही वियर करती हैं तो गर्मियों में हल्के-छोटे प्रिंट्स या प्लेन साड़ी का चुनाव करें। क्योंकि मौसम में काफी बदलाव आ रहा है। ऐसे में छोटे प्रिंट्स और प्लेन साड़ी काफी स्टाइलिश लगती हैं जो आपको एलीगेंट-स्टनिंग लुक देती है। कुछ लोगों को कॉटन फैब्रिक साड़ियां खूब पसंद आती है। यह काफी आरामदायक होती है। गर्मियों के हिसाब से यह बेस्ट रहती है लेकिन अगर आप पार्टी फंक्शन या शादी पर जाती हैं तो खुद को थोड़ा हटके और इम्प्रेसिव लुक देने की जरूरत होती है। इसका मतलब यह नहीं है कि आप भड़कीली-चमकीली कपड़ों को चयन करें जो आपको पहनने में भी कंफर्टेबल न हो। प्लेन साड़ी को भी आप स्टाइलिश तरीके से वियर करके पार्टी लुक दे सकते हैं। बहुत सारे लोग ऐसे हैं जो साड़ी के लिए डार्क कलर्स का चयन करते हैं लेकिन लाइट कलर भी बहुत अच्छे लगते हैं। हल्के रंग को लेकर ज्यादातर लोगों की सोच यह है कि ये रंग काफी बोरिंग हैं। गर्मियों के मौसम में हल्के फ्लोरल कलर ज्यादा खूबसूरत लगते हैं ऐसे कपड़ों में गर्मी का एहसास कम होता है।

आपको बीमार बना रहा है प्लास्टिक

पहले के जमाने में लोग पीतल या तांबे के बर्तनों में पानी पिया करते थे। उनका मानना था कि इससे बीमारियां उनसे कोसों दूर भाग जाती हैं। लेकिन आज उन तांबे और पीतल के बर्तनों की जगह प्लास्टिक ने ले ली है। खाने के बर्तनों से लेकर पीने के पानी की बोतल तक सभी जगह प्लास्टिक ही प्लास्टिक दिखता है। प्लास्टिक हमारे जीवन में इस कदर घर कर चुका है, जो दिनों-दिन हमें बीमार कर रहा है।

मोटापे को देता है बुलावा

इसका कारण है प्लास्टिक की बनी पानी की बोतलों में प्रयोग होने वाला एक रसायन जोकि हमारे दैनिक जीवन में इस्तेमाल किए जाने वाली बोतल, धातु युक्त भोजन के डिब्बे और थर्मल रसीद पेपर जैसे उत्पादों में सबसे ज्यादा प्रयोग किया जाने वाला रसायन है। शोध में पाया गया कि प्लास्टिक की बोतल के पानी के प्रयोग से बच्चों के शरीर में फैट सैल्स काफी जल्दी बढ़ जाता हैं, जिससे लंबे समय तक वे मोटापे का शिकार रहते हैं।

इन बीमारियों को देता है जन्म

खास बात ये है कि यह अस्थमा, टैंशन, डिप्रैशन, डायबिटीज और लड़कियों के जल्दी किशोर होने जैसे कारणों के लिए भी इस रसायन को जिम्मेदार ठहराया गया है, जिनका उपयोग प्लास्टिक में होता है। इसलिए अगर आप अपने शरीर को स्वस्थ्य रखना चाहते हैं, तो प्लास्टिक के इस्तेमाल से बचें। आप गर्म खाने और पीने की चीजों को रखने के लिए स्टील के बर्तन और ग्लास का उपयोग करें। आप जितनी जल्दी प्लास्टिक को खुद से दूर करेंगे, उतनी ही जल्दी आप बीमारियों को अलविदा कहेंगे।

गर्भवती महिलाओं के लिए खतरा

अगर आप अभी भी प्लास्टिक की बोतलों में पानी पीते हैं, तो सावधान हो जाइए। क्योंकि प्लास्टिक के इस्तेमाल को लेकर अब एक नया खतरा सामने आया है। प्लास्टिक को लेकर हुए एक अध्ययन में पाया गया है कि जो गर्भवती महिलाएं बोतल के पानी का इस्तेमाल करती हैं या हमेशा बोतल के पानी का सेवन करती हैं, उनके बच्चों में मोटापे का खतरा बढ़ने की संभावना बढ़ जाती है।

गुजरे हुए वक्त की बात करें तो बीता हुआ पल कभी दुबारा लौटकर नहीं आता पर फैशन का दौर समय के अनुसार बदलता रहता है। आज के समय में एकबार फिर ट्रेंड में है बेलबॉटम जो कभी पुरानी अभिनेत्रियों के बीच देखा जाता था। 70 के दशक के समय का यह फैशन अब बाजार में काफी बड़े रूप में देखने को मिल रहा है। जींस के कई शेड और डिजाइन आपने ट्राय किए होंगे। लेकिन अब उनसे आपका दिल भर गया हो तो बैलबॉटम को ट्राई करें। बेलबॉटम अब आपको जींस के फैब्रिक में भी मिलेंगे, जिससे आपको रिफ्रेश फील होगा।

फिर लौट आए बेलबॉटम...

70वीं सदी के गाने आपको याद ही होगें जिनमें हीरोइन लंबा सा बेलबॉटम पहनती थी। दोबारा से बेलबॉटम फैशन इन हैं। सेलिब्रिटी से लेकर कॉलेज गोइंग गर्ल्स और महिलाएं भी इसे पहनना पसंद कर रही हैं। फैशन डिजाइनर्स के अनुसार पुराना फैशन ही लेटेस्ट फैशन बनकर आता है, बस उसके पैटर्न , डिजाइन, कलर्स में ही अंतर हो जाता है। वैसे इस साल ये लेटेस्ट ट्रेंड के रूप में उभर रहा है। बैलबॉटम की खास बात यह है कि इसे पहनने के बाद शरीर काफी पतला लगता है। स्लिम बॉडी पर ये काफी अच्छा दिखता है, लेकिन हैवी वेट वाले लोगों पर भी ये काफी सूट होगा। इसलिए हर फिगर की महिलाएं इसे बिना संकोच ट्राय कर सकती हैं। बेलबॉटम को पहनने से शरीर का लुक काफी अच्छा दिखने लगता है। इसे अगर छोटे कद वाले लोग पहनते हैं तो उनकी लंबाई काफी अच्छी दिखती है।

फ्लो वाइट शर्ट के साथ

बेलबॉटम जींस का प्रयोग करते समय इसके साथ मैच करते हुए टॉप या शर्ट को पहनें या फिर इसके साथ और अच्छा लुक पाने के लिए आप फ्लो वाइट शर्ट को पहनकर आप एकदम परफेक्ट लुक पा सकती हैं। इसको पहनकर आप अपने दोस्तों के साथ फ्राइडे लुक या फिर शनिवार की ऑफिस पार्टी का मजा ले सकती हैं।

फुटवेयर में चंकी हील्स

बेलबॉटम जींस टाइट न होकर नीचे की ओर फैली हुई होती है। इसलिए इसके साथ हाई हील्स काफी अच्छा लुक देती हैं। इसके अलावा बेलबॉटम जींस के साथ पहनने के लिये आप अलग-अलग स्टाइल की हील्स के फुटवेयर ले सकती हैं।

कैजुअल बेलबॉटम पैंट्स

बेलबॉटम जींस की ऐसी डिजाइन जो काफी समय से चली आ रही है जिसे पहन कर लोग कंफर्टेबल फील तो करते ही हैं, साथ ही इसका लुक भी काफी अच्छा नजर आता है। इसके लिये आपको बाजार में एक से एक डिजाइन के कैजुअल बेलबॉटम पैंट्स आसानी से मिल सकते हैं। जिन्हें पहनकर आप ऑफिस या किसी मीटिंग में आराम से जा सकती हैं।

बेल-बॉटम डंगरीज

जींस में मिलने वाले डिजाइनों में डंगरीज को पहनना बहुत ज्यादा पसंद किया जाता है। ये पहनने के बाद आपके लुक में और अच्छा निखार आता है। बेलबॉटम डंगरीज को पहनकर आप अपने दोस्तों के साथ होने वाली पार्टी के दौरान अच्छा लुक पा सकती हैं।

क्रॉप टॉप से परफेक्ट लुक

शॉपिंग पर जाने का प्लान हो तो आप अपनी बेलबॉटम जींस को पहन सकती हैं। यदि आप अपनी बॉडी को परफेक्ट लुक देना चाहती हैं तो बेलबॉटम पैंट्स के साथ क्रॉप टॉप काफी अच्छा लुक प्रदान करेगा। इसके अलावा आप मल्टी कलर के बेलबॉटम का चयन कर इसमें प्लेन टॉप को मैच कर पहन सकती हैं।

स्पोर्टी लुक के लिए

व्हाइट स्नीकर्स और टेनिस शूज आजकल फैशन में हैं। अगर आप पिकनिक पर जाने के लिए या फिर स्पोर्ट लुक की तैयारी कर रही हैं तो इन्हें बेलबॉटम जींस पर एक बार ट्राई जरूर करें।

क्यों पहनें बेलबॉटम

नए लुक के लिए: जींस के कई शेड और डिजाइन आपने ट्राई किए होंगे। लेकिन अब उनसे अगर आपका दिल भर गया हो, तो बेलबॉटम को ट्राई करें। आपको रिफ्रेश फील होगा।

सॉफ्ट और हलके: जींस का वजन होता है। लेकिन बेलबॉटम सॉफ्ट और हल्के कपड़े के होते हैं आपको उन्हें पहनने में अच्छा लगेगा। जींस के कपड़ों से बने बेलबॉटम भी जींस की तरह हेवी नही होते हैं।

हाईट अच्छी लगती है: बेलबॉटम पहनने के बाद कम से कम हाईट वाले की लंबाई भी अचछी लगती है क्योंकि टांगे लंबी जान पड़ती हैं। ऐसे में अगर आप बेलबॉटम पहनें तो शायद कुछ मजा आएं।

फीगर अच्छा लगता है: बेलबॉटम पहनने के बाद कमर और टांगों पर कसाव रहता है जिससे फिगर अच्छी तरह समझ में आता है और बदन सुंदर लगता है।

पतला दिखना लगना: बेलबॉटम की यह बात खास है कि इसे पहनने के बाद शरीर काफी पतला लगता है। छरहरे बदन पर यह काफी अच्छा लगता है लेकिन भारी शरीर के लोग भी इसे पहनने के बाद भद्दे नहीं लगते हैं।

इस मौसम में कूल ड्रेसेज...

आज के समय की युवा पीढ़ी फंक्शन और पार्टी के दौरान लेटेस्ट कपड़ों को पहनना ज्यादा पसंद करती है, क्योंकि इससे लुक तो सुंदर दिखता ही है साथ ही वो लोगों के बीच अलग और खास भी दिखाई देते हैं। इसी के चलते हर कोई अपने आप को कुछ खास और अलग अंदाज में दिखाना ही पसंद करता है और अपने कपड़ों का चयन आज की मॉर्डन स्टाइल को देखते हुए करता है। इन दिनों बाजार में गर्मी के मौसम के अनुसार ड्रेस छाए हुए हैं। सुंदर व आकर्षक लुक में मिल रहे लॉन्ग टॉप्स, शॉर्ट मिडी और लाइक्रा ड्रेस को काफी पसंद किया जा रहा है। इसके साथ ही सिल्वर और गोल्डन कलर से बनी ड्रेसेज को ज्यादा पसंद किया जा रहा है। तो आज आपको बताते हैं कुछ ऐसी ही लेटेस्ट ड्रेसेज के बारे में।

लॉन्ग टॉप: इस प्रकार के कपड़ों से शरीर की खूबसूरती तो बढ़ती ही है, दिखने में भी ये बहुत सुंदर लगते हैं। ये ज्यादातर लंबी युवतियों पर ज्यादा ही खूबसूरत लगते हैं, लेकिन इसे सभी युवतियां खास अंदाज के साथ पहन सकती हैं। ये हमेशा ही डीप लेंथ का होता है। आप इसे किसी स्पेशल प्रोग्राम में लेगिंग्स या फिर जींस के साथ मैच कर पहन सकती हैं। यदि आप मलमल कॉटन से बनाया गया लॉन्ग टॉप पहनती हैं तो ये रात में इसका लुक काफी अच्छा दिखता है।

मक्खी नेट शॉर्ट्स: इन दिनों मार्केट में मक्खी नेट शॉर्ट्स का चलन काफी बढ़ता दिख रहा है। इस प्रकार के कपड़े काफी कूल और डिफरेंट दिखाई देते हैं। नेट शॉर्ट्स को पहनना बहुत ही अरामदायक है।

शॉर्ट मिडी: गर्मियों के आते ही बाजार में शॉर्ट मिडी का फैशन काफी तेजी के साथ बढ़ता नजर आता है। इसे आप लेगिंग्स या फिर वन पीस ड्रेस के साथ भी पहन सकती हैं। अगर आप इसे जींस, लेगिंग्स या जेगिंग्स के साथ पहनती हैं तो ये आपको ज्यादा आरामदायक लगेगा।

वेल्वेट ड्रेस: आजकल हर पार्टी के लिए पहली पसंद लाइक्रा और वेलवेट ड्रेसेस बनती जा रही हैं। इन पर फ्रिल पैटर्न में डिजाइन बहुत ही अच्छी लगती है। बाजार में इवनिंग गाउन से लेकर वन पीस ड्रेसेस, स्कर्ट्स और ज्यादातर ड्रेसेस फ्रिल पैटर्न में भी उपलब्ध हैं।

डिफरेंट स्टाइल टॉप्स: अगर आप समर सीजन में लांग कुर्ते, टी-शर्ट्स, सैंडो, ट्यूनिक्स पहन कर बोर हो गई तो इस बार डिफरेंट स्टाइल टॉप्स को अपनी वॉर्डरोब में शामिल करें। समर सीजन ऑफ शोल्डर टॉप में युवतियां काफी अट्रैक्टिव लगती हैं। इसे आप कॉटन, शिफॉन, क्रेप, जार्जट फैब्रिक में खरीद सकते हैं। वैसे तो यह टॉप प्लेन में भी अच्छे लगते हैं और फ्लेयरी फ्रील स्टाइल में भी। कलर लाइट हो या डार्क, प्रिंटेड हो या प्लेन, ऑफ शोल्डर टॉप की अपनी ही एक अलग ग्रेस होती है। इन्हें आप शॉर्ट निकर, स्कर्ट, डेनिम किसी के साथ भी मैच करके पहन सकते हैं लेकिन इन दिनों ऑफ शोल्डर के साथ फ्लेयर्ड पेंट ट्रेंड में हैं। समर पार्टी में आपको स्टाइलिश के साथ-साथ कूल लुक भी चाहिए तो ऐसी ड्रैस बेस्ट ऑप्शन में आती हैं। अगर आप किसी बीच के आस-पास किसी वैकेशन ट्रिप पर जा रहे हैं तो तो ऑफ शोल्डर क्रॉप टॉप के साथ हाई वेस्ट फ्लेयर्ड पेंट आपको एक दम परफैक्ट बीच स्टाइल लुक देती हैं। इसके साथ आप बालों को लूज भी छोड़ सकते हैं और रफ-टफ लुक में हाई बन भी कर सकते हैं।

युवाओं पर भी छाया, हृदय रोगों का साया

एक अध्ययन चौंकाने के लिए काफी है। अध्ययन दर्शाता है कि युवाओं में उच्च रक्तचाप, मोटापा और दिल संबंधी बीमारियों की दर तेजी से बढ़ रही है। खासतौर से महानगरों में रहने वाले युवा इसके चपेट में तेजी से आ रहे हैं। डॉक्टरों के अनुसार महानगरों में रहने वाले युवाओं की गतिहीन जीवनशैली, वसायुक्त भोजन और शराब का बढ़ता सेवन इसके लिए उत्तरदायी है जिसकी वजह से युवाओं में मोटापा, उच्च रक्तचाप और मधुमेह के मामले बढ़ रहे हैं। शोध दर्शाते हैं कि ऐसे मामलों में महानगरीय युवाओं की हालत चिंताजनक है। तेज रफ्तार जिंदगी में आगे बढ़ने की होड़, खान-पान में फास्ट फूड की बहुतायत, धूम्रपान की लत और शराब सेवन की वजह से युवाओं में दिल संबंधी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं।

स्ट्रेस से बढ़ा 10 से 15 फीसदी खतरा

काम के दौरान पैदा होने वाला तनाव और थकन तथा बदलती जीवनशैली कोरोनरी हार्ट डिजीज (सीएचडी) का एक बड़ा कारण है। प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ किसी भी कार्य की डेडलाइन्स और दबाव के साथ पैदा होने वाली समस्याएं ही युवाओं को इसके शुरुआती स्तर की ओर धकेल रही हैं। नौकरी के साथ ही इन चीजों की शुरुआत तेजी से होने लगती है, जो चिंता का गहन विषय है। छोटे-छोटे कार्यों में प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है। वर्क कल्चर तेजी से बदला है। इसकी वजह से हृदय रोग संबंधी शिकायतों का खतरा 10-15 फीसदी बढ़ गया है।

आज बच्चों को बचपन से ही गतिहीन जीवनशैली का सामना करना पड़ रहा है। व्यायाम के लिए समय नहीं है, जिससे आनुवांशिक विकार बढ़ रहे हैं। साथ में तेजी से बदलता खानपान, वसा की कमी आदि कारणों के चलते ही युवाओं में दिल की बीमारियों के मामले बढ़ रहे हैं। हमारा आहार, श्रमहीन जीवन व स्ट्रेस जैसी चीजें हार्ट अटैक के रूप में सामने आती हैं। लम्बे समय तक तनाव में रहने या तनावपूर्ण कार्यस्थितियों में काम करने के कारण एड्रिनल और कोर्टिसोल जैसे हार्मोन्स का स्तर बढ़ जाता है और इससे ब्लडप्रेशर बढ़ने, हृदय की रक्त नलियों में रक्त के थक्के बनने और दिल के दौरे पड़ने के खतरे बढ़ जाते हैं।

दिल की सलामती के लिए

- कम-से-कम रोज 45 मिनट तक ब्रिस्क वॉक करें यानी तेज चलें। डाइट पर कंट्रोल रखें।
- खाने में ऐसा तेल इस्तेमाल करें जो जमे नहीं। इसके नसों में जमने से खून के प्रवाह में रुकावट आती है। ऑलिव ऑयल व सफोला में कम कोलेस्ट्रॉल होता है।
- सिगरेट पीने वालों में हार्ट अटैक के चांस ज्यादा होते हैं। नियमित योग करना और ध्यान लगाना चाहिए। इससे नसें रिलैक्स हो जाती हैं और हृदय को कम नुकसान पहुंचता है। जिनके परिवार में हृदय रोग का इतिहास रहा हो उन्हें अपना पूरा चेकअप कराते रहना चाहिए।
- हृदय रोगियों के लिए लाफिंग थेरेपी भी कारगर साबित होती है क्योंकि हंसने से अन्य अंगों के साथ हृदय की भी कसरत होती है।

ध्यान दें: डायबिटीज के मरीजों में एंजाइना का कोई लक्षण प्रकट नहीं होता। शरीर की ओर से कोई वार्निंग नहीं मिलती। उनकी नसें डायबिटीज के कारण सुन्न हो जाती हैं। ऐसे लोगों को हमेशा अपना चेकअप कराना चाहिए।

किसको खतरा अधिक

ऐसे युवाओं में जिनके माता-पिता को दिल की समस्या रही हो उनमें यह समस्या छोटी आयु में ही उभरने की संभावना रह सकती है। यानी यदि 30 साल की उम्र के बाद मेडिकल तौर पर इसकी आशंका जताई गई है तो ऐसे युवाओं को 20 साल की उम्र में भी यह समस्या हो सकती है।

ब्लड प्रेशर

130/85 से ज्यादा होना ठीक नही। खून में गाढ़ापन आने के कारण हृदय की धमनियों में थक्के जमने से हार्ट की समस्या बढ़ती है। बिगड़ी हुई जीवनशैली के कारण लोग तनावग्रस्त हो जाते हैं और तनाव से तुरंत निजात पाने के लिए स्मोकिंग और एल्कोहल का सहारा लेते हैं। धीरे-धीरे ब्लड प्रेशर गड़बड़ाने के बाद हृदय संबंधी बीमारियां जन्म ले लेती हैं और पता नहीं चलता।

लाइफ स्टाइल से बढ़ा, हाई रिस्क फैक्टर

- दिल संबंधी बीमारियों के मामले में भारत नंबर एक पर है, जिसकी 10 फीसदी आबादी दिल के रोगों से ग्रस्त है जबकि यूरोप और अमेरिका दूसरे स्थान (7 फीसदी ग्रस्त) पर हैं और चीन में यह दर 4 फीसदी है।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार 2015 तक भारत में हृदय संबंधी बीमारिया सबसे बड़ी बीमारी के रूप में सामने आने वाली है।
- भारत में 5 करोड़ लोग दिल संबंधी बीमारियों से ग्रस्त हैं और इस वर्ष के अंत तक यह आंकड़ा दोगुना हो सकता है।
- युवा कामकाजी लोगों में यह शिकायत सबसे अधिक पाई जा रही है यानी 10 में से एक में और जिनकी औसत आयु है 30 वर्ष।
- देश में युवाओं में हार्ट अटैक की संभावनाएं तेजी से बढ़ रही हैं, जो वैश्विक दर के मुकाबले 10 फीसदी ज्यादा है। ऐसे मामलों की शुरुआत अब 20 साल के युवाओं में भी होने के आसार हैं।
- भारत में होने वाली 10 मौतों में से 1 हार्ट अटैक की वजह से हो रही है।
- पिछले एक दशक में खासतौर से युवा कामकाजी लोगों में सीएडी की दर 17.5 से 35 फीसदी की ओर तेजी से बढ़ी है यानी यह दोगुनी रफ्तार से बढ़ रही है।
- नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे के मुताबिक 13 फीसदी महिलाओं और 9 फीसदी पुरुष मोटापे की समस्या से ग्रस्त हैं। कमर की चौड़ाई के साथ मेटाबॉलिक रोग बढ़ने लगता है इसलिए ध्यान रखें कि शरीर में पाए जाने वाले सेल्स हमेशा ऊर्जा प्रदान करने वाले नहीं होते।

धूम्रपान की धुन सवार

आज के कई युवाओं में धूम्रपान की धुन सवार होती दिखती है। उनके लिए यह अब एक फैशन स्टेटमेंट बन गया है। एक तल के रूप में धूम्रपान के बुरे प्रभाव न केवल भारत में बल्कि विश्व स्तर पर भी दर्ज किए गए हैं। डब्ल्यूएचओ के अनुसार दुनियाभर में करीब 1.1 बिलियन लोग धूम्रपान करते हैं, जिसमें एक-तिहाई 16 साल की उम्र के हैं। धूम्रपान के दुष्प्रभाव के बारे में डॉक्टर कहते हैं, पेशेवर लोग धूम्रपान इसलिए करते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि इससे उनका तनाव दूर होता है, लेकिन वह उस तथ्य कि अनदेखी कर रहे हैं, जिससे सामने आया है कि यह उनके स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव डालता है। सिगरेट में निकोटिन और टार जैसे हानिकारक तत्व होते हैं और कार्बन मोनोआक्साइड दिल के तबाह कर देने के लिए काफी है।

क्या कहता है सर्वे

दस-बारह वर्ष पूर्व तक लोग यह सोचते थे कि हिन्दुस्तान में हृदय रोग यानी हार्ट की नलियों में रुकावट की समस्या पूरी दुनिया की तुलना में कम है। पर तमाम अध्ययनों और शोधों में यह पता चला है कि पश्चिमी मुल्कों की तुलना में भारत में 2-3 प्रतिशत ज्यादा लोग हृदय रोगों से पीड़ित हैं। निस्संदेह यह बहुत चिंता का विषय है। वास्तव में भारतवासियों में कोरोनरी हृदय संबंधी रोग की दर खासतौर से युवाओं में, पश्चिमी देशों के मुकाबले तकरीबन तीन गुना ज्यादा पाई जाने लगी है।

बीमारी बढ़ती है स्टेप बाई स्टेप

शहरी लोगों में शारीरिक श्रम की आदत कम पड़ती दिख रही है। अधिकांश लोग गाड़ी पर चलते हैं, बिल्डिंगों में लिफ्ट लगी है। पैदल चलना-फिरना तो लगभग है ही नहीं। अक्सर लोग समझ नहीं पाते कि उन्हें हृदय रोग है। वे इसे गैस बनने या किसी अन्य समस्या के रूप में ही देखते हैं, लेकिन यह जानने के लिए कि कहीं कोई समस्या तो नहीं आ रही, इसे तीन रूपों में समझा जा सकता है।

स्टेप-1: इसमें हृदय रोग की शुरुआत तो हो गई है, पर रोगी को पता नहीं चला। उसे कोई नुकसान भी नहीं हुआ।

स्टेप-2: कोई काम करते वक्त झुंझलाहट हो, गुस्सा आए या भाग-दौड़ करने पर छाती पर दबाव व जलन महसूस हो, तो यह एंजाइना हो सकता है। जब कभी ऐसे लक्षण महसूस हों तो सचेत हो जाएं और फौरन चेकअप कराएं।

स्टेप-3: यह सबसे खतरनाक है और हार्ट अटैक के रूप में सामने आता है। इसमें मरीज को पता ही नहीं होता कि एंजाइना का कारण था या पता होने पर भी उसने अनदेखा कर दिया था। ऐसे में हार्ट अटैक का खतरा 20 प्रतिशत बढ़ जाता है जिसमें आदमी की जान भी जा सकती है। इसमें 10 प्रतिशत मामले अस्पताल भी ही नहीं पहुंच पाते। इसलिए बहुत सावधान रहना चाहिए। यदि छाती में दर्द हो रहा है तो अस्पताल जाने में देर न करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)